www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, सोमवार,11 दिसम्बर , 2023 | वर्ष-16 | अंक -246 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

बारिश से प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवजा : ममता 02

- महात्मा गांधी आज भी हर भारतीय के दिल में हैं... 03
- टेंट सिटी में चार दिन चला विद्यार्थी परिषद का...

- अमेरिका के गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर वीटो करने से... 07
- भारतीय नौसैनिक जहाज 'सुमेधा' केन्या के लामू बंदरगाह...

नेपोटिज्म की आलोचना करना आसान है, ... 10

सार संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू आज से उप्र के दो दिन के दौरे पर जाएंगी

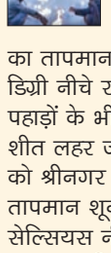

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से दो दिन के उत्तर प्रदेश दौरे पर जाएंगी। राष्ट्रपति सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति 11 दिसंबर को वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 45वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। उसी शाम, वह लखनऊ में डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के 27 साल पूरे होने के समारोह में हिस्सा लेंगी। श्रीमती मुर्मु 12 दिसंबर को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान लखनऊ के दूसरे दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी।

कश्मीर में रात का तापमान शून्य से नीचे, शीतलहर जारी

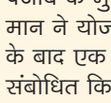

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में रविवार को रात का तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे रहा। बर्फ से ढके पहाड़ों के भीतरी इलाकों में शीत लहर जारी है। रविवार को श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में शून्य से 4.2 डिग्री नीचे और पहलगाम में शून्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

पंजाब में 'भगवंत मान सरकार, तुहाडे द्वार' योजना शुरू की

लुधियाना। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को 'भगवंत मान सरकार, तुहाडे द्वार' योजना शुरू की। इस योजना के तहत पंजाब के लोगों को उनके घर पर 43 सेवाएं उपलब्ध कराए जाने का दावा किया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने योजना के शुभारंभ के बाद एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि राज्य में एक ईमानदार सरकार द्वारा एक असंभव चीज़ को संभव बनाया गया है।

साहू छापे मामले में 5वें दिन भी नोटों की गिनती जारी

भुवनेश्वर। ओडिशा के बलांगीर जिले के सुदपाड़ा में स्थित कथित तौर पर कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से जुड़ी एक डिस्टिलरी यूनिट से जब्त की गई नकदी की गिनती पांचवें दिन भी जारी है। कई गिनती मशीनें खराब हो गई हैं। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

गोगामेड़ी हत्याकांड में अब तक चार लोग गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के दोनों शूटर सहित अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने यह जानकारी दी।

विष्णुदेव साय होंगे छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री

भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से चुने गए आदिवासी नेता साय

रायपुर, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं आदिवासी नेता विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायक दल की आज यहां हुई बैठक में नेता चुन लिए गए। श्री साय राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। श्री साय को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की पार्टी पर्यवेक्षकों केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा एवं सर्वानंद सोनोवाल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम के अलावा पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर,सह प्रभारी केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया एवं सह प्रभारी नितिन नबीन की उपस्थिति में हुई बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया।

- मोदी सरकार में मंत्री भी रहे हैं विष्णुदेव साय
- दो उपमुख्यमंत्रियों के नाम पर भी मुहर

राज्य में विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 54 सीटो पर जीत कर पांच वर्ष बाद सत्ता में वापसी की है। नवम्बर 2000 में मध्यप्रदेश को विभाजित कर आस्तित्व में आए छत्तीसगढ़ में श्री साय भाजपा के दूसरे मुख्यमंत्री होंगे। श्री साय जशपुर जिले की कुनकुरी सीट से विधायक है। वह 2014 में मोदी सरकार में राज्यमंत्री भी रहे है। राज्य गठन के बाद पहली बार 2003 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता में आई थी। इसके बाद लगातार 2008 एवं 2013 में भी भाजपा ने चुनाव जीता और डा.रमन सिंह लगातार तीनों बार मुख्यमंत्री रहे थे। चार बार सांसद रहे श्री साय 2014 में मोदी सरकार में राज्य मंत्री रहे है। वह 1990 से अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए तपकरा सीट से पहली बार विधायक चुने गए थे।श्री साय का जन्म 21 फरवरी 1964 में जशपुर जिले के बगिया गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी स्थित लोयोला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है।

प्रधानमंत्री मोदी की विधानसभा चुनाव के दौरान दी गई गारंटी को शत प्रतिशत पूरा करने का वह प्रयास करेंगे। सरकार गठन के बाद पहला काम गरीबों को 18 लाख आवास की मंजूरी देना होगा: विष्णुदेव साय

रमन सिंह होंगे विधानसभा अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ में उपमुख्यमंत्रियों के नाम का भी एलान कर दिया गया है। राज्य में दो उपमुख्यमंत्री होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह विधानसभा के अध्यक्ष बनाए जाएंगे।

1989 में शुरू किया राजनीतिक जीवन

श्री साय ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1989 में ग्राम पंचायत बगिया के पंच के रूप में की थी। श्री साय को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह की भी पसन्द बताए जाते है। पार्टी ने उन्हें 2006 और 2020 में दो बार प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा था।वर्तमान में श्री साय भाजपा के राष्ट्रीय कार्य समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं।

राजस्थान में विधायक दल की बैठक टली

इस बीच राजस्थान में भी अगले मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस बरकरार है। मुख्यमंत्री के लिए किसी ने चेहरे की संभावनाओं के बीच पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा आज फिर से शक्ति प्रदर्शन किया गया है। वहीं राजस्थान के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अभी तक समय नहीं दिया है, जिसकी वजह से बैठक तय नहीं हो पा रही है। पहले सोमवार को विधायक दल की बैठक प्रस्तावित थी; लेकिन अब यह टल गई है। अब यह बैठक मंगलवार को होने की संभावना है। बताया जा रहा है वसुंधरा राजे जिद पर अड़ी हुई हैं। राजे मुख्यमंत्री से कम कोई पद लेने को तैयार नहीं हैं।

साय के गृह जिले में जश्न का माहौल

पत्थलगांव। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के कुनकुरी विधानसभा से नव निर्वाचित विधायक विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री पद के लिए चुन लिए जाने पर जशपुर जिले में जश्न का माहौल है। पत्थलगांव, कुनकुरी और जशपुर में जगह जगह आतिशबाजी और मिठाई बांट कर जश्न मनाया गया। जशपुर जिले के ग्राम पंचायत बगिया गांव में पले बड़े विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को हुआ था। उनके पिता का नाम रामप्रसाद साय और माता का नाम जसमनी देवी है।

मध्य प्रदेश में विधायक दल की बैठक आज

- अगले मुख्यमंत्री पर तस्वीर होगी साफ
- कई नेताओं की दावेदारी आ रही सामने
- राजस्थान को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार

भोपाल, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को यहां होगी, जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा। दल का नेता ही राज्य का अगला मुख्यमंत्री होगा। हालांकि राजस्थान को लेकर अभी सस्पेंस पर बरकरार है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अनुसार दिन में चार बजे प्रारंभ होने वाली बैठक में केंद्रीय संगठन की ओर से नियुक्त तीनों पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पार्टी के ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ के लक्ष्मण और राष्ट्रीय सचिव सुश्री आशा लकड़ा भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान सभी 163 नवनिर्वाचित विधायक अपना नेता चुनेंगे। बैठक में मौजूदा मुख्यमंत्री एवं बुधनी से विधायक शिवराज सिंह चौहान के अलावा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन के जिम्मेदार नेता भी मौजूद रहेंगे। इस बीच नए मुख्यमंत्री के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मुरैना जिले के दिमनी से नवनिर्वाचित विधायक नरेंद्र सिंह तोमर का नाम भी लिया जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं इंदौर एक विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित कैलाश विजयर्गीय को भी महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाने की संभावना है। नरसिंहपुर विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की दावेदारी भी सामने आई है। बैठक में पूर्व सांसद एवं सीधी से विधायक श्रीमती रीति पाठक, जबलपुर पश्चिम सीट से विधायक राकेश सिंह और गाडरवारा विधायक राव उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे, जो हाल में लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर आए हैं। राज्य में ऐतिहासिक बहुमत हासिल करने वाली भाजपा ने कुल 230 सीटों में से 163 सीट पर विजय हासिल की है।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी बनाया

लखनऊ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने रविवार को अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का नेतृत्व करने के लिए अपना उत्तराधिकारी बनाया। आकाश आनंद बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक के आधिकारिक पद पर हैं। मायावती ने लखनऊ में एक पार्टी बैठक को संबोधित करते हुए हालांकि कहा कि वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की कमान संभालती रहेंगी, लेकिन आकाश आनंद अन्य राज्यों के संबंध में फैसले लेंगे।

- पार्टी में राष्ट्रीय समन्वयक के पद पर हैं आकाश

इससे पहले अगस्त में, बसपा ने आकाश आनंद के नेतृत्व में 14 दिवसीय 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' संकल्प यात्रा' शुरू की थी। 2019 के आम चुनावों की अगुवाई करते हुए, आनंद को मीडिया में तब प्रसिद्धि मिली जब मायावती ने घोषणा की कि उनका भतीजा राजनीति की जटिलताओं से परिचित होने के लिए बसपा आंदोलन का हिस्सा बनेगा। 2019 में चुनाव आयोग द्वारा मायावती पर 48 घंटे के प्रचार प्रतिबंध के बाद, आकाश ने राजनीतिक मंच पर अपनी शुरुआत की, अपनी पहली रैली को संबोधित किया और लोगों को एसपी-बीएसपी-आरएलडी गठबंधन का समर्थन करने का आह्वान किया।

मायावती के छोटे भाई के बेटे हैं आनंद

आकाश आनंद, जो कि मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं, पहले से ही बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत हैं। गुरुग्राम से स्कूली पढ़ाई करने वाले आकाश ने लंदन से बिजनेस मैनेजमेंट में मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की। वह 2017 से राजनीति में सक्रिय हैं।

इंडिया गठबंधन की अब 19 को बैठक

भाजपा से मुकाबले के लिए 'मैं नहीं, हम' थीम पर काम करेगा गठबंधन

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। इंडिया गठबंधन की अब 19 दिसम्बर को बैठक होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी दी है। राष्ट्रीय राजधानी में विपक्षी दलों के गठबंधन की अगली बैठक में सीटों के बंटवारे और संयुक्त रैलियां आयोजित करने पर चर्चा होगी। इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं की चौथी बैठक 19 दिसंबर को नई दिल्ली में दोपहर तीन बजे होगी। विपक्षी दल बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब में एकता की थीम 'मैं नहीं, हम' के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। यह बैठक हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में हो रही है। पार्टी को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, भाजपा का कहना है कि लोगों ने मोदी की गारंटी में भरोसा जताया है और वे 2024 में उनकी सरकार को फिर चुनेंगे।

- सीटों के बंटवारे और संयुक्त रैलियां पर होगी चर्चा
- सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों को आगे बढ़ा सकता है

एक साझा कार्यक्रम करेंगे तैयार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि विपक्षी दलों के सामने अब चुनौती अगले आम चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक वैकल्पिक सकारात्मक एजेंडे के साथ आने की है। सूत्रों ने कहा कि बैठक के दौरान दल संयुक्त चुनावी रैलियां आयोजित करने के लिए सीटों के बंटवारे पर योजना तैयार करेंगी और उनके लिए एक साझा कार्यक्रम तैयार करेंगे। विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए जातिगत जनगणना और पुरानी पेंशन योजना की बहाली जैसे चुनावी मुद्दों पर नेता ने कहा, 'यह चुनाव परिणाम उन मुद्दों को खारिज करने के लिए नहीं हैं जो इस चुनाव प्रचार अभियान के दौरान उठाए गए थे।' उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन के लिए मुख्य सकारात्मक एजेंडा तैयार करना विपक्षी दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है जो इसे भाजपा का मुकाबला करने में मदद करेगा।' उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो मुद्दे छाए रहे, जैसे बढ़ती आर्थिक असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक अधिनायकवाद, महंगाई कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिनकी गूंज लोकसभा चुनावों के दौरान जमीनी स्तर पर सुनाई दे सकती है। ये मुद्दे विपक्षी दलों के साझा एजेंडे का हिस्सा बन जाएंगे जो विपक्षी गठबंधन को भाजपा का मुकाबला करने में मदद करेंगे।

पटना में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक हुई

बैठक में असहज दिखे नीतीश व अमित शाह

पटना, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डेढ़ साल बाद यहां 26वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, लेकिन उनकी बॉडी लैंग्वेज के अनुसार दोनों सहज नहीं दिखे। विशेष रूप से, नीतीश कुमार, अमित शाह का स्वागत केवल सहजता से करते दिखे, उन्हें फूलों का गुलदस्ता, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट करते समय उनकी निगाहें काफी हद तक झुकी रहीं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के प्रतिनिधियों का भी स्वागत किया। बैठक दोपहर 2 बजे शुरू हुई और 5 बजे खत्म हुई।

- इससे पहले कई बैठकों में शामिल होने से बचते रहे नीतीश

अमित शाह बैठक में हिस्सा लेने के लिए पटना पहुंचे थे। इसमें नेताओं ने सुरक्षा और मुख्य मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले, नीतीश कुमार ने अमित शाह या पीएम नरेंद्र मोदी का सामना करने से बचने के लिए नीति आयोग की कई बैठकों और अन्य सरकारी बैठकों में हिस्सा नहीं लिया था।

जाति आधारित गणना में रोड़ा अटकाने की मंशा नहीं: शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केन्द्र सरकार की जाति आधारित गणना में रोड़ा अटकाने की कभी कोई मंशा नहीं रही है और जब उनकी पार्टी बिहार में सत्ता में साझीदार थी तब उसने जाति आधारित गणना का समर्थन किया था। श्री शाह ने रविवार को बिहार की राजधानी पटना में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करते यह बात कही। बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड, ओड़ीशा, पश्चिम बंगाल तथा बिहार के वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। बैठक में अंतर राज्य परिषद सचिवालय की सचिव, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और राज्य सरकारों तथा केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन

सभी ट्रकों में 2025 से अनिवार्य होगा एसी केबिन

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। देश में ट्रकों की बदहाल व्यवस्था को देखते हुए भारत सरकार ने सभी ट्रकों में एसी केबिन को अनिवार्य कर दिया है, सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक नोटिस जारी करते हुए कहा है कि 2025 से सभी नए ट्रकों में ड्राइवरों के लिए फैक्ट्री-फिटेड एसी केबिन होना अनिवार्य होगा। पिछले पांच सालों में कई बार की कवायदों के बाद आखिरकार सरकार ने इम्प्लिमेंटेशन की तारीख तय कर दी है। मंत्रालय ने शुक्रवार रात जारी एक राजपत्र अधिसूचना में कहा कि, 1 अक्टूबर, 2025 या उसके बाद बने सभी एन2 और एन3 कैटेगरी के ट्रकों के केबिन के लिए एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगाया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि एयर कंडीशनिंग सिस्टम से लैस केबिन की टेस्टिंग अधिसूचित ऑटोमोटिव मानकों के अनुसार होगा। इसमें एन2 और एन 3 कैटेगरी के कमर्शियल वाहन शामिल होंगे। ये मानक ट्रक निर्माताओं को एसी सिस्टम वाले केबिन के साथ चेसिस बेचने का मार्ग भी प्रशस्त करेंगे।

मणिपुर में आठ उग्रवादी हथियारों के साथ गिरफ्तार

इंफाल, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने अपहरण के एक दिन बाद आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार कर उनके चंगुल से 22 वर्षीय एक छात्र को छुड़ाया। पकड़े गए उग्रवादी पूर्वोत्तर राज्य में एक उग्रवादी संगठन के सक्रिय सदस्य हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लैशराम चिंगलेन सिंह का इंफाल पश्चिम जिले में डीएम कॉलेज ऑफ साइंस के हॉस्टल से शुक्रवार दोपहर को अपहरण कर लिया गया था। अपहर्ताओं ने लैशराम की सुरक्षित रिहाई के लिए उसके माता-पिता से 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। युवक के माता-पिता से शिकायत मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के विभिन्न स्थानों में तलाशी अभियान शुरू किया।

छात्र को उग्रवादियों के चंगुल से छुड़ाया गया

उल्लंघन *लद्दाख सीमा पर चीन की ड्रोन उड़ानों से सेना परेशान*

बफर जोन में समझौतों को तोड़ रही हैं चीनी सेना

- सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। समझौतों के बावजूद चीनी सेना लद्दाख के मोर्चे पर उन बफर जोनों में लगातार ड्रोन उड़ा कर भारतीय सेना को परेशान किए हुए है, जहां से दोनों पक्षों ने कुछ अरसा पहले अपने जवानों को रिट्रिट किया था। भारतीय पक्ष इसे उकसाने वाले कार्रवाई भी करार देता है। लद्दाख के मोर्चे से मिलने वाली खबरें कहती हैं कि सेनाधिकारियों ने अपनी चिंताओं से सेना मुख्यालय को अवगत करवाते हुए कहा है कि इससे निपटने के उपाय तत्काल किए जाने चाहिए क्योंकि चीनी सेना की ड्रोन उड़ानें उनके सामारिक महत्व के ठिकानों को बार बार बदलने पर मजबूर कर रही हैं।

कई किमी घुस आई थी चीनी सेना

दरअसल लद्दाख सीमा पर बफर जोन उस समय बनाए गए जब मई 2020 में चीनी सेना लद्दाख के भीतर कई किमी तक घुस आई थी और बाद में हुए समझौतों के तहत भारतीय सेना को ही अपने क्षेत्रों से पीछे हटना पड़ा था। इन समझौतों में भारतीय सेना को अपने ही कई इलाकों में गश्त करने पर भी पाबंदी लगा दी गई थी। हालांकि सैन्य सूत्रों ने कहा कि चीन के हालिया कदम का मुकाबला करने के लिए, भारतीय सेना भी चीनी सेना की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अपने ड्रोन तैनात कर रही है। सैटेलाइट इमेजरी से भी संकेत मिलता है कि चीनी सेना बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विस्तार और अपने सैनिकों के लिए आवास के निर्माण के अलावा वास्तविक नियंत्रण रेखा अर्थात एलएसी पर अपने ड्रोन के बेड़े का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर, रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने चीनी सेना द्वारा बफर जोन पर ड्रोन के इस्तेमाल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

- भारतीय सेना बता रही उकसावे की कार्रवाई

लोगों की आजीविका भी हुई प्रभावित

बफर जोन के निर्माण ने स्थानीय लोगों की अपने पशुओं के लिए चरागाहों तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है और उनकी आजीविका को नुकसान पहुंचाया है। बफर जोन के निर्माण के बाद चीनी सेना अभी भी कई इलाकों में भारतीय क्षेत्र के भीतर ही है।

देश

उवाच

झारखंड का कोयला रायल्टी मद का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए केंद्र के पास बकाया है। यदि इतने पैसे मिल जाते तो यहां के 50 लाख गरीबों को आवास, 15-20 लाख युवाओं को स्वरोजगार के लिए 10-10 लाख रुपए का ऋण मिल जाता।

-हेमंत सोरेन, झारखंड के मुख्यमंत्री

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	21.0	10.0
मुंबई	30.0	25.0
कोलकाता	23.0	15.0
चेन्नई	28.0	26.0

मानवाधिकारों के प्रसार को बुनियादी ढांचागत विकास आवश्यक : धनखड़

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि मानवाधिकारों के प्रसार और सशक्तिकरण के लिए देश में व्यापक ढांचागत विकास काफी आवश्यक है। धनखड़ ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में मानवाधिकार दिवस पर सभा को संबोधित करते हुए कहा मानवाधिकार उस समाज में बढ़ते हैं जहां कानून में समानता है और सभी के लिए न्याय तक पहुंच है। इस अवसर पर

■ **मानवाधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित**

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 75वीं वर्षगांठ भी मनाई गई। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है और कानून हमेशा ऊपर होता है, जो देश में नया मानदंड है। यह एक आदर्श बदलाव है जो देश में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने का एक अभिन्न पहलू है। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि सरकार की समावेशी नीतियों के सकारात्मक कार्यान्वयन ने लाखों लोगों को गरीबी केचुंगल से स्वतंत्र कराया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस

कोई भी कानून से ऊपर नहीं है और कानून हमेशा ऊपर होता है, जो देश में नया मानदंड है : जगदीप धनखड़

उपलब्धि ने आर्थिक अवसरों, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच और अच्छी शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया है-एक मजबूत स्तंभ जिस पर एक मजबूत मानव अधिकार भवन बना हुआ है। अपने संबोधन में, उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि मानवाधिकारों के लिए सबसे बड़ा खतरा भ्रष्टाचार से पैदा होता है, इस बात पर बल देते हुए कि भ्रष्टाचार और मानवाधिकार एक साथ अस्तित्व में नहीं आ सकते, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संतोष व्यक्त किया कि लंबे समय से भारत में भ्रष्टाचार का यह अभिशाप अब समाप्त हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि इसके स्थान पर एक शासन तंत्र है जो भाई-भतीजावाद, पक्षपात और पदोन्नति के लिए कोई स्थान नहीं देता है। सत्ता के गलियारों से भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया गया है। कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा ने कहा मानवाधिकार दिवस समानता, न्याय, स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के सम्मान की याद दिलाता है।

न्यायमूर्ति ने कहा कि एनएचआरसी भारत में लोगों के मानवाधिकारों की रक्षा और प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे सांस्कृतिक लोकाचार और मूल्य हमारे संविधान में प्रतिबिंबित होते हैं। मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में ऐसे आदर्श शामिल हैं जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हैं। भारतीय संस्कृति न्याय के पक्ष में खड़े होने की क्षमता रखती है। आतंकवाद पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि इसने पूरी दुनिया में नागरिकों के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवादी कृत्यों और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखना मानवाधिकारों के प्रति बहुत बड़ा अन्याय है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकियों के नैतिक प्रभाव गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेट उपयोगी है, लेकिन इसका एक स्याह पक्ष भी है, घृणास्पद भाषण के माध्यम से गोपनीयता का उल्लंघन और गलत सूचना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर कर रही है।

पारदर्शिता व जवाबदेह शासन वर्तमान व्यवस्था में एक नया मानदंड

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेह शासन वर्तमान व्यवस्था में एक नया मानदंड है तथा यह मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में एक गेम-चेंजर है। उन्होंने कहा कि पहले शासन प्रणाली में पारदर्शिता की कमी के कारण गरीब और कमजोर लोग वास्तविक पीड़ित हैं। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के घरों में गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने को एक परिवर्तनकारी क्रांति के रूप में माना, जिससे हमारी माताओं और बहनों को आंखों में आंसू से राहत मिली, धुंए से राहत मिली। उन्होंने मानवाधिकारों के प्रसार और सशक्तिकरण के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे के विकास की भी सराहना की।

रेवंत रेड्डी ने अस्पताल में केसीआर से की मुलाकात

हैदराबाद, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों में प्रचार की कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के एक अस्पताल में हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी कराने वाले अपने पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। सात दिसम्बर को मुख्यमंत्री का पद संभालने वाले रेवंत रेड्डी यशोदा अस्पताल, सोमाजीगुडा पहुंचे। उनके साथ मंत्री सीतक्का और पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर भी थे। अस्पताल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया, जो भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष से मुलाकात करने के लिए इमारत की नौवीं मंजिल पर गए। रेवंत रेड्डी ने केसीआर के बेटे के.टी. रामा राव से मुलाकात की, जो उन्हें केसीआर से मिलवाने ले गए। 10 मिनट बाद अस्पताल से निकलते समय मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि उन्होंने बीआरएस प्रमुख से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव और संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि पूर्व मुख्यमंत्री को सबसे अच्छा इलाज मिले। उन्होंने कहा कि मैं कामना करता हूं कि वह जल्द से जल्द ठीक हो जाएं और लोगों के मुद्दों पर बोलने के लिए विधानसभा आएं। सात दिसम्बर की रात को एर्रावल्ली स्थित अपने फार्महाउस में बाथरूम में फिसलकर गिरने के बाद केसीआर के कूल्हे में फैक्चर हो गया था।

अनुच्छेद 370 पर फैसले का बेसब्री से है इंतजार : उमर

श्रीनगर, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि वह अनुच्छेद 370 पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में मीडियाकर्मियों से कहा, हम उस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं...हमारी भावनाएं अभी भी वैसी ही हैं और हमें न्याय की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ चार अन्य न्यायाधीशों के साथ सोमवार को अनुच्छेद 370 और 35ए पर फैसले की घोषणा करेंगे और उन्हें न्याय की उम्मीद है। उनसे जब पूछा गया कि अगर फैसला पक्ष में नहीं आया तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि मैं अगर और लेकिन में विश्वास नहीं कर रहा हूं..जैसे आप कह रहे हैं कि अगर फैसला हमारे पक्ष में नहीं आया तो उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी। मैं कहूंगा कि अगर यह हमारे पक्ष में आ गया तो...दोनों चीजें संभव हैं। फैसला आने दीजिए। इसके बाद हम बात करेंगे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कोई नहीं कह सकता कि अनुच्छेद 370 पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का क्या फैसला होगा। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि हमें खेद है...उन्हें (अधिकारियों को) जम्मू-कश्मीर के लोगों पर विश्वास करना चाहिए। जब जम्मू-कश्मीर के

जम्मू-कश्मीर के लोगों के पक्ष में न्याय की जताई उम्मीद

लोगों ने 2019, 2020 में नहीं बल्कि पिछले चार साल में कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में नहीं लिया। आज जब गाजा में हो रही घटनाओं से सभी लोग गुस्से में हैं, तब भी लोग आज समझदारी से फैसले ले रहे हैं और शांति भंग करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35ए पर फैसले की घोषणा के बाद भी लोग शांति भंग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस को एहतियातन लोगों को हिरासत में लेने की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें उन पर विश्वास करना चाहिए। गौरतलब है कि गत दिनों पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका व्यक्त कि थी कि शीर्ष अदालत के निर्णय से पहले सरकार कश्मीर के राजनेताओं को नजरबंद कर सकती है।

सार संक्षेप

एबीपीएल के निदेशक के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

जम्मू। जम्मू अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने तीन करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में प्राइवेट लिमिटेड (एबीपीएल) कंपनी अरमाडा बाजार के निदेशक के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। अपराध शाखा के प्रवक्ता ने कहा कि आरोपी-शिवालय अपार्टमेंट, सोला रोड नारणपुरा अहमदाबाद, गुजरात के परसुराम राजनेतभाई पाल के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में आपराधिक साजिश रचने और शिकायतकर्ताओं से तीन करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के लिए न्यायिक निर्धारण के लिए अदालत में आरोप पत्र पेश किया गया है। किराना और दैनिक उपयोग की वस्तुओं वाले अधिकृत उत्पादों और सेवाओं के व्यवसाय में एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी-अरमाडा बाजार में रिफंडेबल राशि का निवेश करके उन्हें भागीदार बनने के बहाने फुसलाया।

असम पुलिस ने 637 किलोग्राम गांजा जब्त किया

गुवाहाटी। असम पुलिस ने शनिवार को असम-त्रिपुरा सीमा के चुराइबारी चेक पोस्ट पर 637 किलोग्राम गांजा जब्त किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर कहा कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए करीमगंज पुलिस ने असम-त्रिपुरा सीमा के चुराइबारी चेक पोस्ट पर एक वाहन से 637 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आगे की जांच जारी है।

पशुक्रूरता के आरोपी पर होगी कठोर कार्रवाई : शिवराज

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुना जिले में पशु क्रूरता की घटना को लेकर कहा कि बर्बरता के ऐसे कृत्य अक्षम्य हैं, इस अपराध के लिए आरोपी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। चौहान ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि गुना जिले से सामने आई पशु क्रूरता की घटना हृदय विदारक है। मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। बर्बरता के ऐसे सभी कृत्य अक्षम्य हैं, इस अपराध के लिए आरोपी पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, गुना शहर में पशुक्रूरता का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया, जिसके बाद मामले को संज्ञान में लिया गया और आरोपी को पुलिस हिरासत में ले लिया गया।

दलाई लामा आएंगे सिक्किम

गंगटोक। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु 14वें दलाई लामा सिक्किम सरकार के निमंत्रण पर राज्य की दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को यहां पहुंचेंगे। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि दलाई लामा मंगलवार सुबह यहां पालजोर स्टेडियम में ग्यालसी थोकमे सांगपो के बोधिसत्व की 37 प्रथाओं पर बोलेंगे।

बारिश से प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवजा : ममता

कोलकाता, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को चक्रवात मिचौंग के प्रभाव के कारण असामयिक वर्षा के कारण नुकसान का

■ **चक्रवात मिचौंग से फसलों को हुए नुकसान के चलते लिया गया फैसला**

सामना कर रहे किसानों के लिए मुआवजे, राहत और सहायता का ऐलान किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों के लिए मुआवजे की मांग को लेकर मुख्य सचिव एच.के. द्विवेदी को पत्र लिखा था। इसके एक दिन बाद सीएम ने यह घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य के 1.20 करोड़ किसानों को दो चरणों में मुआवजे के रूप में 10,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे। सीएम अलीपुरद्वार जिले में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए यह घोषणा की।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य की अपनी किसान बीमा योजना के तहत प्रदान की जाने वाली राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। सीएम ममता ने कहा कि हमने कृषि भूमि पर उपकर वापस ले लिया है। वे सभी किसान जो किसान बीमा योजना के तहत नामांकित हैं, उन्हें मुआवजे के रूप में पैसा निश्चित रूप से मिलेगा। जिन लोगों ने अभी तक नामांकन नहीं किया है, उन्हें तुरंत राज्य सरकार द्वारा आयोजित शिविरों में भाग लेना चाहिए। शनिवार को मुख्य सचिव को लिखे अपने पत्र में विपक्ष के नेता ने कहा था कि लगातार बूंदाबांदी के कारण आलू किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा को हराने को बना गठबंधन : सपा

मेठी, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव ने अमेठी में रविवार को इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए ही इंडिया गठबंधन बना है। आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन यूपी में बहुत मजबूती से लड़ेगा। समाजवादी पार्टी के नेता ने रविवार को अमेठी में संवाददाताओं से

■ **उप्र में मजबूती के साथ से लोस चुनाव लड़ने की कही बात**

बातचीत करते हुए कहा कि अमेठी में सपा का उम्मीदवार होगा या इंडिया गठबंधन का होगा यह शीर्ष नेतृत्व तय करेगा लेकिन अमेठी से इस बार बीजेपी को इंडिया गठबंधन हराकर भेजेगा। उन्होंने आगे कहा समाज का हर वर्ग सपा को सपोर्ट कर रहा है। समाजवादी पार्टी यूपी में बीजेपी को हराने के लिए सक्षम है। अमेठी से कौन उम्मीदवार होगा अभी इस पर विचार विमर्श होगा उसके बाद प्रत्याशी

उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए सपा सक्षम : शिवपाल यादव

भी उतर जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी राय है भाजपा को हराने के लिए इंडिया गठबंधन जो बना है वह मजबूत है। वही बसपा द्वारा आकाश आनंद को बसपा की बागडोर सौंपने पर कहा हमारी उनको शुभकामनाएं हैं।

कांग्रेस नेता के घर करेंसी बरामद होने के सवाल पर शिवपाल ने कहा अभी तक जो भी है सामने आ रहा है। यह सब केवल विपक्ष के यहां ही दिखाई देते हैं। सत्ता पक्ष के यहां नहीं दिखाई देंगे। सत्ता पक्ष के नेताओं के यहां बहुत करेंसी है। वहां कोई नहीं जाता। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन तय करेगा कि किसके चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा। इंडिया गठबंधन में बहुत से चेहरे हैं। बहुत पुराने चेहरे हैं अनुभवी लोग हैं। समय पर सब सामने आ जाएगा इसकी चिंता शायद किसी को नहीं करनी चाहिए। हम इतना जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में हम भारतीय जनता पार्टी को हराकर भेजेंगे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी में क्या कर रही हैं। यह यहां के लोगों को पता है। आप लोग बेहतर जानते हैं हमने जो देखा है जो यहां का माहौल तो यही है कि यहां की जनता उनको हराकर भेजेगी। हम इतना जानते हैं इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी यहां मजबूती के साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को हरायेगा।

सपा नेता शिवपाल यादव अमेठी में पूर्व कैबिनेट के पुत्र के विवाह के बाद आयोजित समरोह में शिरकत करने आए थे। इसके बाद वे युवा सपा नेता जय सिंह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात किया।

उप्र में समाजवादी पार्टी बहुत मजबूत : यादव

एक सवाल के जवाब में कहा कि यह उनकी पार्टी का मामला है। इसे वह लोग ही जाने की किसे बागडोर देनी है। किसे नहीं हमारी तो उनको शुभकामनाएं हैं। हम इतना जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी बहुत मजबूत है। चाहे अल्पसंख्यक समाज हो चाहे पिछड़ा हो चाहे दलित हो या चाहे जिस समाज का हो सभी समाजवादी पार्टी को सपोर्ट कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को हराने में सक्षम है। हमारी व्यक्तिगत राय विपक्ष के सभी नेताओं को है की इंडिया गठबंधन मजबूत हो और उसमें सब लोग मिल करके भारतीय जनता पार्टी को हारने का काम करें। समय पर तय हो जाएगा कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा। जब हम मंत्री थे समाजवादी सरकार में अखिलेश यादव की सरकार में नेताजी की सरकार में हमने जितना काम किया है। उतना कोई भी सरकार नहीं कर पाई।

उप्र से चुनाव प्रचार शुरू करेंगे नीतीश

लखनऊ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले 24 दिसम्बर को रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक सभा करेंगे, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का हिस्सा है। बिहार के मंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के सचिव (संगठन) श्रवण कुमार ने कार्यक्रम की पुष्टि की है। नीतीश कुमार की रैली के लिए स्थल को अंतिम रूप देने के लिए श्रवण कुमार ने कुछ स्थानीय नेताओं के साथ शनिवार को रोहनिया का दौरा किया। रोहनिया जनसभा में पूर्वांचल क्षेत्र के पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे, जो लोकसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार की पहली रैली होगी। श्रवण कुमार ने कहा कि वाराणसी के अलावा, आजमगढ़, प्रतापगढ़, प्रयागराज, फूलपुर, अंबेडकर नगर और मिर्जापुर पर फोकस किया जाएगा। रोहनिया वाराणसी का पटेल बहुल विधानसभा क्षेत्र है। 2012 के बाद से हर विधानसभा चुनाव में इस समुदाय ने रोहनिया में निर्णायक भूमिका निभाई है। उस वर्ष अनुप्रिया पटेल ने संयुक्त अपना दल के उम्मीदवार के रूप में रोहनिया विधानसभा सीट जीती थी। वह वर्तमान में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं। 2014 में मिर्ज़ापुर से सांसद चुने जाने के बाद अनुप्रिया की विधानसभा सीट खाली हो गई थी। 2014 में रोहनिया विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के महेंद्र सिंह पटेल ने सीट जीती थी।

प्रधानमंत्री मोदी को देंगे चुनौती

जाति व धर्म भाजपा के एजेंडे में हैं : नीतीश

सत्तारूढ़ भाजपा पर कटाक्ष करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जाति और धर्म उनके एजेंडे में हैं जबकि हमारा एजेंडा भाईचारा और प्यार है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि (इंडिया गठबंधन) के कुछ नेताओं ने गलतियां कीं, जिसके कारण लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाने में थोड़ी देरी हुई। अब हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि आगे कोई गलती न हो। हम लोकसभा चुनाव के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने जा रहे हैं।

कश्मीर में और बढ़ी कड़ाके की ठंड

श्रीनगर, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में रविवार को तापमान शून्य से कम 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे कश्मीर घाटी में और कड़ाके की ठंड बढ़ गयी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर में मौसम शुष्क रहने और 11-16 दिसम्बर तक आमतौर पर बादल छाए रहने के आसार हैं। श्रीनगर में रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से कम 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम है। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। पहलगाम में पिछली रात शून्य से कम 5.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस कम है। श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड में पिछली रात शून्य से कम 2.8 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से कम 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भाजपा में शामिल होने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेता संपर्क में : कुमारस्वामी

हासन, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने रविवार को संकेत दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद कर्नाटक में कांग्रेस सरकार गिर सकती है तथा कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता पहले ही इस संबंध में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत कर चुके हैं। कुमारस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक शीर्ष कांग्रेसी नेता केंद्र के नेताओं से मिलकर लोकसभा चुनाव के बाद उनमें शामिल होने के लिए आवेदन किया है। उन्होंने छह महीने की राहत मांगी है जिससे वह 50 से 60 विधायकों को अपने साथ ला सकें। उन्होंने हालांकि नेता के नाम का खुलासा नहीं किया लेकिन कहा कि कुछ भी हो सकता है जैसा कि महाराष्ट्र में हुआ। महाराष्ट्र में जो हुआ वह कर्नाटक में भी हो सकता है। कोई भी पार्टी के प्रति ईमानदार या प्रतिबद्ध नहीं है। सब अपना व्यक्तिगत लाभ देखते हैं। राजनीति में हमेशा ऐसा होता रहा है। कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच टकराव की ओर इशारा करते हुए कहा कि वैसे तो कांग्रेस 135 सीटें होने का दावा कर सकती है, लेकिन लोग कर्नाटक कांग्रेस की

स्थिति को जानते हैं। सिद्दारमैया पर हमला जारी रखते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री जाति सर्वेक्षण की आड़ में जाति के आधार पर समाज में दरार उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के विकास के लिए बजट आवंटन बढ़ाकर 10 हजार करोड़ रुपए करने के सिद्दारमैया के इरादे पर जेडीएस नेता ने कहा कि वह अल्पसंख्यकों को धन दिए जाने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने पूछा कि क्या यह हिंदुओं को भी नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि उनमें से अधिकांश दलित और गरीब हैं।

कवायद *तेलंगाना में सभी छह गारंटी को पूरा करने की रहा पर कांग्रेस सरकार*

हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग को बेहतर बनाने को देगी प्राथमिकता

हैदराबाद, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की नई कांग्रेस सरकार दो शहरों के बीच यात्रा के समय को कम करने के लिए हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग के चौड़ीकरण और सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तेलंगाना सचिवालय में मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि सरकार यात्रा के समय को ढाई घंटे तक कम करने के लिए हैदराबाद-विजयवाड़ा से संबंधित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलेंगे और उनसे हैदराबाद-विजयवाड़ा को छह लेन राजमार्ग में चौड़ा करने की मंजूरी देने का अनुरोध करेंगे। वेंकट रेड्डी ने कहा कि वह लोकसभा सदस्य के रूप में अपना इस्तीफा सौंपने और तेलंगाना में राजमार्ग परियोजनाओं के संबंध में गडकरी से मिलने के लिए सोमवार को नई दिल्ली जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह केंद्र से 14 राज्य सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में उन्नत करने का अनुरोध करेंगे। इनमें मल्लेपल्ली-नलगोंडा और रीजनल रोंग रोड (आरआरआर) साउथ-चौटुप्पल-अमंगल-शादनगर-संगारेड्डी शामिल हैं। वह राष्ट्रीय राजमार्ग 765 के हैदराबाद-कलवाकुर्थी खंड को चार लेन का बनाने की मांग भी उठाएंगे। वह केंद्र से तेलंगाना के लिए सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) का बजट बढ़ाने का भी अनुरोध करेंगे। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद उन्होंने 100 करोड़ रुपए की लागत से नलगोंडा जिले में नलगोंडा-मुशामपल्ली-धर्मपुरम सड़क को चार लेन बनाने की मंजूरी दी। विकाराबाद जिले में लिंगमपल्ली-दुदयाल सड़क को 4.15 करोड़ रुपये की लागत से मजबूत किया जाएगा। नाकरेकल-नागार्जुन सागर रोड के शेष कार्यों के हिस्से के रूप में, नलगोंडा शहर की सीमा का सुधार किया जाएगा।

■ **लगोंडा-मुशामपल्ली-धर्मपुरम सड़क को चार लेन बनाने की मंजूरी**

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने पिछले 10 वर्षों के दौरान राजमार्गों के विकास पर ध्यान नहीं दिया। मंत्री ने कहा कि निकटवर्ती सार्वजनिक उद्यान सहित विधानसभा परिसर के आसपास के क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधान परिषद सत्र आयोजित करने के लिए पुराने विधानसभा भवन, जो एक विरासत संरचना है, को बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई संरचनाएं बनाने के लिए कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) और अन्य दलों की पुरानी इमारतों को ध्वस्त कर दिया जाएगा और सार्वजनिक उद्यान से ललिता कला थोरनम तक सौंदर्यीकरण का काम किया जाएगा। वह मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, विधान परिषद के अध्यक्ष और अन्य अधिकारियों के साथ अगले कुछ दिनों में क्षेत्र का दौरा करेंगे।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

बेटा (अपनी मां से) : मम्मी, आज मेरे दोस्त घर आ रहे हैं। प्लीज मेरे सारे खिलौने आपकी अलमारी में छुपा दो।
मम्मी : क्यों, क्या तुम्हारे सारे दोस्त चोर हैं?
बेटा : नहीं, वे अपनी चीजें पहचान लेंगे!!

महात्मा गांधी आज भी हर भारतीय के दिल में हैं जीवित : राजनाथ सिंह

राजघाट में दस फीट ऊंची महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और गांधी दर्शन के उपाध्यक्ष विजय गोयल के साथ राजघाट के पास गांधी दर्शन में महात्मा गांधी की 10 फीट ऊंची प्रतिमा का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से 2000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। अपने संबोधन में, राजनाथ सिंह ने इस प्रतिमा को राष्ट्रपिता के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि बताया, जिन्होंने भारत को विदेशी शासन से मुक्त कराने में केंद्रीय भूमिका निभाई और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम किया ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।

सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि गांधीजी एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने एक मजबूत, समृद्ध और स्वच्छ भारत की कल्पना की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार महात्मा गांधी के नक्शेकदम पर चल रही है। जन धन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और स्वच्छ भारत जैसी योजनाएं उनके विचारों पर आधारित हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि महात्मा गांधी आज भी हर भारतीय के दिल में बस्ते हैं, जबकि मार्टिन लूथर

किंग जूनियर और नेल्सन मंडेला जैसे महान नेताओं ने अपने देशों में लोगों की भलाई के लिए गांधीजी के विचारों और दृष्टिकोण से प्रेरणा ली। अपने संबोधन में विजय गोयल ने सरकार द्वारा कमजोर वर्गों को दिए जा रहे उचित महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे अब लगभग हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं। गोयल ने कहा कि महात्मा गांधी का अंतिम जन का दृष्टिकोण अनिवार्य रूप से दलित समुदाय के लोगों को सशक्त बनाना था।

बाबासाहेब अम्बेडकर ने भी दलित सशक्तिकरण और मुक्ति के लिए बहु-आयामी रणनीति की वकालत करते हुए इस दिशा में काम किया। इस अवसर गांधी दर्शन के कार्यकारी सदस्य, डॉ.महेश शर्मा, भाजपा नेताओं में लाल सिंह आर्य, रामवीर सिंह विधूड़ी, वीरेंद्र सचदेवा, अनिता आर्य आदि उपस्थित थे। गांधी दर्शन के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कार्यक्रम के शुरू मे स्वागत सम्बोधन दिया।

कमजोर वर्गों देश का सबसे बड़ा आकांक्षी वर्ग : गोयल

विजय गोयल ने कमजोर वर्गों को देश का सबसे बड़ा आकांक्षी वर्ग बताया और राष्ट्र के विकास में उनके योगदान की सराहना की। गोयल ने कहा कि जहां तक दलित समुदाय के उत्थान की बात है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधी और अंबेडकर के अधूरे कार्यों को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़ी जाति समुदाय से आने वाले प्रधानमंत्री मोदी खुद वंचितों की पीड़ा जानते हैं और उनके सशक्तिकरण के प्रति संवेदनशील हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीण इलाकों के अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए खास तौर पर पीएम अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना शुरू की है।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ने लगी सर्दी

रविवार रहा मौसम का सबसे ठंडा दिन

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली-एनसीआर में लोगों को कड़ाके की सर्दी के लिए भले ही अभी इंतजार करना हो, लेकिन धीरे-धीरे ठंडक का एहसास बढ़ रहा है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी कड़ी में रविवार की सुबह जाड़े के इस सीजन की सबसे ठंडी रही। मौसम विभाग की मानें तो दिन के तापमान में भी अब धीरे धीरे गिरावट देखने को मिलेगी। इससे सुबह- शाम ही नहीं बल्कि दिन के वक्त भी ठंडक का एहसास होगा। रविवार को भी सुबह-शाम ठंडक और दिन के समय धूप खिलने से थोड़ी राहत का दौर बरकरार रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 8.5 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान इस सीजन में अभी तक का सबसे कम तापमान है।

पहली बार यह नौ डिग्री से नीचे गया है। हवा में नमी का स्तर 100 से 46 प्रतिशत रहा। सबसे कम अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री के लिहाज से पालम दिल्ली का सबसे ठंडा इलाका रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को भी आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध होगी। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश: 24 और नौ डिग्री रहने की संभावना है। कमोबेश ऐसा ही मौसम पूरे सप्ताह बना रहेगा। अलबत्ता, शुक्रवार तक दिन का तापमान 23 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान सात डिग्री तक पहुंच जाने का अनुमान है।

टेंट सिटी में चार दिन चला विद्यार्थी परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 69वां राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार शाम दिल्ली में संपन्न हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस अधिवेशन में पहुंचे थे। यह राष्ट्रीय अधिवेशन 7 से 10 दिसम्बर तक दिल्ली में आयोजित किया गया। चार दिन तक चले इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए दस हजार प्रतिनिधियों ने सहभाग किया। शिक्षा, समाज, पर्यावरण, एवं महिला सशक्तिकरण पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गए। विद्यार्थी परिषद के मुताबिक, समापन कार्यक्रम में नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। यह नवीन कार्यकारिणी पूरे वर्ष छात्र एवं समाज हितों में कार्य करेगी। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि अभाविप के लिए राष्ट्रीय अधिवेशन मंथन, मंचन और मंत्रण का मंच है, जो विचार-विमर्श, कला एवं रचनात्मकता तथा शिक्षा तथा राष्ट्र पुनर्निर्माण से जुड़े विषयों पर पूरे देश के प्रतिनिधियों को एक साथ सम्मिलन और सहभाग का अवसर देता है। इस वर्ष अभाविप अपने 75वे वर्ष में प्रवेश कर रहा है, इसलिए भी यह अधिवेशन महत्वपूर्ण है।

इस वर्ष छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगांठ भी है। इसी उपलक्ष्य पर अभाविप ने गत 28 नवंबर को महाराष्ट्र के रायगड क़िले से हिन्दवी स्वराज्य यात्रा भी शुरू की थी। विद्यार्थी परिषद के मुताबिक हिन्दवी स्वराज्य यात्रा देश के 75 जिलों से गुजरी। विभिन्न स्थानों की मिट्टी कलश में एकत्रित कर 07 दिसंबर को विद्यार्थी परिषद के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अधिवेशन स्थल पर समाप्त हुई। विद्यार्थी परिषद के मुताबिक अधिवेशन में कीर्तिमान स्थापित करते हुए ध्वजारोहण के बाद एक साथ 8500 विद्यार्थियों और 150 दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक वंदे मातरम का गायन किया गया।

सार संक्षेप

निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी ने चौहान बांगर की जर्जर पड़ी गली नं.13 का कराया निर्माण

नई दिल्ली। चौहान बांगर वार्ड 227 से निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर ने जर्जर हालत में पड़ी गली नम्बर 13 का निर्माण करा कर गली को नाली मुक्त बनाया और जनता से किया अपना चुनावी वादा पूरा किया। गली का उद्घाटन पूर्व विधायक चौधरी मतीन अहमद, बाबरपुर ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद और शमीम अहमद खिलौने वालो की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर चौधरी मतीन अहमद ने कहा कि कांग्रेस के प्रतिनिधि क्षेत्र के विकास का बीड़ा उठा रहे हैं, दूसरे लोग सिर्फ बाते करते हैं और कागजी कार्रवाई पर विश्वास करते हैं। शगुफ्ता चौधरी जुबैर ने कहा कि हम सब चौहान बांगर वार्ड को साफ सुथरा हरा-भरा देखने के साथ साथ बच्चों को शिक्षित देखना चाहते हैं। बाबर पूर ज़िला अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद ने कहा कि चुनाव के दौरान नाली मुक्त का जो वादा निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी ने जनता से किया था उस की शुरुआत आज गली नंबर 13 से हों गई है। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेली गेट सैयद नासिर जावेद, विनोद शर्मा, इश्तियाक शेख, शादाब हसन, जरार अहमद, फैजान कुरेशी, शफीक खान, हाजी इस्लाम, खुर्शीद भाटी शबाबुद्दीन, मुशर्रफ अली, नवेद पप्पू, नवाबुद्दीन, हाजी शकील, मुकीम अहमद, मेहबूब इदरीसी, फुरकान खान, मुहम्मद तौहीद, आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की हुई शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार से पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। दिल्ली के सभी 11 जिलों में जिला अधिकारियों ने अपने क्षेत्र से इस अभियान की शुरुआत की। इस दौरान मध्य दिल्ली के जिला अधिकारी अवनीश कुमार ने दरियागंज स्थित दिल्ली नगर निगम की डिस्पेंसरी में पहले दिन बच्चों को केंद्रों पर पोलियो की खुराक दी गई। सोमवार से स्वास्थ्य कर्मी, आशा वर्कर व अन्य लोगों के घर-घर जाकर करीब 17 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक देंगे। अभियान के बारे में परिवार कल्याण विभाग की निदेशक डॉ. वंदना बग्गा का कहना है कि अभियान में पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। इससे पहले 28 मई में अभियान चलाकर 1731577 बच्चों को खुराक दी गई थी।

शोभायात्रा में शक्ति, संस्कृति के साथ सौहार्द का मिलन

नई दिल्ली। बुराड़ी स्थित टेंट सिटी इंद्रप्रस्थ नगर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 69 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में विशाल शोभा यात्रा का शनिवार को आयोजन किया गया। यात्रा में शक्ति, संस्कृति के साथ सौहार्द का मिलन देखने को मिला। जगह-जगह मुस्लिम समुदाय के लोगों व बच्चों ने फूल बरसा कर यात्रा का स्वागत किया। 4.5 किमी लंबी शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल से डीयू के दौलतराम कॉलेज के मॉरिस नगर चौक तक पहुंची। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए 10 हजार से अधिक छात्रों ने सहभागिता की। सड़कों पर उमड़ी इस युवा तरुणाई का दिल्लीवासियों ने कुल 62 स्थानों पर पुष्पवर्षा ओर ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया।

गोगामेड़ी की हत्या में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने संयुक्त अभियान के तहत की कार्रवाई

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राजस्थान पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान के तहत श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या में संलिप्तता के आरोप में चंडीगढ़ से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो हमलावर भी शामिल हैं। रविवार को यह जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन तीन आरोपियों में से दो वे लोग शामिल हैं, जिन्होंने गोगामेड़ी पर गोलियां चलाई थीं। गोगामेड़ी की पांच दिसंबर को जयपुर में उनके आवास के बैठक कक्ष में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना की एक सीसीटीवी फुटेज में हमलावर गोगामेड़ी पर कथित तौर पर गोलियां चलाते दिख रहे थे। पुलिस ने गोली चलाने वाले दोनों आरोपियों की पहचान जयपुर के रोहित राठौड़ और हरियाणा के महेंद्रगढ़ के नितिन फौजी के रूप में की थी और उनकी सूचना देने वाले को पांच लाख रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की थी। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने रविवार को बताया

कि अपराध शाखा की एक टीम ने राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर दोनों को चंडीगढ़ के सेक्टर 22 से पकड़ लिया। आरोपियों के साथ उनका एक और सहयोगी उधम सिंह भी था और उसे भी पकड़ लिया गया। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, आगे की पूछताछ के लिए आरोपियों को जयपुर पुलिस को सौंप दिया जाएगा। वहीं, राजस्थान पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम एन ने बताया कि फौजी और राठौड़ चंडीगढ़ में छिपे हुए थे। ग्यारह सदस्यीय एसआईटी की निगरानी कर रहे दिनेश ने कहा कि राजस्थान पुलिस महानिदेशक और दिल्ली पुलिस द्वारा गठित एसआईटी ने शनिवार देर रात आरोपियों को पकड़ लिया। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि आरोपियों को जयपुर लाने के बाद हत्या के मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया जाएगा। गोगामेड़ी की हत्या के लिए हमलावरों को सुपारी देने के आरोप में शनिवार को जयपुर में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, गोगामेड़ी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं में से एक रामवीर जाट ने हत्या से पहले जयपुर में अपने दोस्त फौजी की मदद के वास्ते इस साजिश को अंजाम देने के लिए तैयारियां की थी। आरोपी गोगामेड़ी से मिलने के बहाने उनके घर गए थे और कुछ मिनट बात करने के बाद उन्होंने गोगामेड़ी पर गोलियां चला दीं। उन्होंने गोगामेड़ी के सहयोगी नवीन शेखावत की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसके माध्यम से वे गोगामेड़ी के आवास तक पहुंचे थे। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े गैंगस्टर रोहित गोदारा ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि गोगामेड़ी ने उसके दुश्मनों का समर्थन किया है।

अपने भीतर छुपी ऊर्जा को पहचाने युवा : सोनल गोयल

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। चर्चित सोशल मीडिया आइकॉन और त्रिपुरा सरकार में सचिव के पद पर कार्यरत वरिष्ठ आईएएस अफसर सोनल गोयल ने एक इंस्टा लाइव सेशन के ज़रिए युवाओं को प्रोत्साहित किया। नेशन कॉलिंग पुस्तक की लेखिका सोनल अक्सर युवाओं के बीच चर्चा में बनी रहती हैं। इंस्टा लाइव के दौरान सोनल ने गीता के श्लोकों का संदर्भ देते हुए युवाओं को अपने भीतर की ऊर्जा और अपनी क्षमताओं को पहचानने और उसपर काम करने के लिए प्रेरित किया। सोनल ने वेद से वर्तमान तक विश्व विरासत के धनी भारत की महान शखसियतों गौतम बुद्ध, मिसाइल मैन ऑफ़ इंडिया ए.पी.जे अब्दुल कलाम, भीमराव अंबेडकर एम.एस धोनी आदि के प्रेरणास्पद जीवन के उदाहरण भी सेशन के दौरान साझा किए। साथ ही सोनल ने बताया कि असफलताओं से दु:खी होने के बजाय उनसे सीखने का प्रयास करें। आईएएस सोनल गोयल ने हाल ही में प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए नेशन

कॉलिंग नामक पुस्तक लिखी है। जिसका विमोचन केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा किया गया था। सोनल ने इंस्टा लाइव के दौरान बताया कि यह पुस्तक एक मोटिवेशनल और सेल्फ हेल्प गाइड है। जिसमें उन्होंने अपने निजी अनुभव भी शामिल किए हैं। साथ ही सोनल ने बताया कि उन्होंने इस पुस्तक में चरणबद्ध तरीके से यूपीएससी परीक्षा के हर पहलू पर विस्तृत चर्चा की है। प्रिलिम्स, मेंस और इंटरव्यू को क्रैक करने की रणनीति, परीक्षा के दौरान के तनाव और चिंता को दूर करने के तरीके भी विस्तार से समझाए हैं।

पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर हजारों कर्मचारियों ने दिया धरना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। एयनप्सैफ के नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के बैनर तले सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर आज जंतर मंतर पर हजारो कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया। धरने में केंद्र सरकार के सीएजी, ऑडिट, एम्स, रेलवे, शिक्षा, स्वास्थ्य, नर्सेज, पैरामिलिट्री, डिफेंस, बीएमएचआरसी, दिल्ली विश्व विद्यालय, इग्नू आदि से सैकड़ों कर्मचारियों के साथ साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, चंडीगढ़, पंजाब से हजारों कर्मचारियों ने शिरकत की। कर्मचारियों ने जंतर-मंतर पर गरजते हुए कहा कि अगर सरकार ने जल्द ही फैसला नहीं लिया तो 2024 में सरकार का स्वागत संसद घेराव से किया जाएगा। आंदोलन को नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के बैनर तले किया गया और इसे पेंशन जयघोष महारैली का नाम दिया गया। रैली का नेतृत्व ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लॉयज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. मंजीत सिंह पटेल ने की। रैली को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि अगर कर्मचारियों को सरकार ने लोकसभा चुनाव तक गारंटीड पेंशन बहाल नहीं की तो अगले वर्ष नई सरकार के शपथ ग्रहण पर संसद का घेराव किया जाएगा। रैली में उत्तर प्रदेश से कई बड़े नेता रामलाल यादव, क्रांति सिंह, क्रांति सिंह, प्रदीप सरल, डा. प्रदीप, जेपी पांडे, बसंतलाल गौतम, पद्मनाभ, सैयद शारिक आदि शामिल हुए।

ग्रामीण इलाकों से नहीं खत्म किया गृह कर : राजा इकबाल

यदि गृह कर माफ किया है तो कोई नोटिफिकेशन तो दिखाया जाए

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व मेयर राजा इकबाल सिंह ने रविवार को बताया कि दिल्ली के विकास में प्रोफेशनल्स जैसे डॉक्टर, टीचर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आदि का बहुत बड़ा योगदान है, लेकिन एमसीडी में महापौर डॉ. शैली ओबेरॉय की अध्यक्षता में शनिवार को निगमायुक्त ज्ञानेश भारती द्वारा पेश किए गए बजट में इन प्रोफेशनल पर प्रोफेशनल टैक्स लगाने का प्रस्ताव है, जिसका भाजपा ने पुरजोर विरोध किया है और आगामी सदन बैठक में भी इस प्रोफेशनल टैक्स को समाप्त करने का विरोध करेंगे। साथ ही

एमसीडी चुनाव से आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पहले पूरी दिल्ली का हाउस टैक्स माफ करने का वादा किया था लेकिन केजरीवाल का यह वादा भी खोखला निकला है। ग्रामीण इलाके में कोई हाउस टैक्स माफ नहीं किया गया है। नेता विपक्ष व पूर्व मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा है कि यदि हाउस टैक्स माफ किया है तो कोई नोटिफिकेशन तो दिखाया जाए। केजरीवाल ने एक साल पहले वादा करते हुए कहा था कि हम 1 जनवरी 2024 तक कूड़े का पहाड़ खत्म कर देंगे, लेकिन यह वादा पूरा होते हुए नहीं दिख रहा है। क्योंकि कुछ ही दिन बाद वह तारीख भी आने वाली है, और कूड़े के पहाड़ वहीं है।

दिल्ली की जनता को 15 प्रतिशत की छूट दी जाए

दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने बिल्कुल सफेद झूठ बोला है, जिसकी भाजपा पार्षद घोर निंदा करते है। नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता को 15 प्रतिशत की छूट दी जाए, साथ ही आरडब्ल्यूए व ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी को 20 प्रतिशत की छूट हाउस टैक्स में दी जाए, समय समय पर भाजपा स्कीम लेकर आती रहती थी, पुरानी पेनल्टी व ब्याज माफ किया जाए। लेकिन अब आम आदमी पार्टी आने के बाद स्कीम व छूट देनी बंद कर दी है।इसके पीछे आम आदमी पार्टी नेताओं ने लूट खसोट करनी है, इंस्पेक्टर राज कायम करना है जो भाजपा ने खत्म किया था। हम मांग करते हैं कि हाउस टैक्स की पुरानी स्कीमें फिर लाई जाए।

मंचन *पति-पत्नी के स्वस्थ संबंधों पर आधारित जैसा तुम कहो नाटक का हुआ मंचन*

पांच-छह कलाकारों में बुना गया नाटक का तानाबाना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। पटपड़गंज सिथत मित्र रंगमंडल सभागार में दिशा थियेटर ग्रुप द्वारा संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से जैसा तुम कहो नाटक का मंचन किया गया। जयवर्धन द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्नातक युवा निर्देशक शम्पा मंडल ने किया। छोटे से कथानक को लेकर पांच-छह कलाकारों में नाटक का तानाबाना बुना गया है। पति-पत्नी की नोंक झोंक, नौकर का सीधापन, बचारे वकील पति-पत्नी की विवशता, उनके सहज और स्वस्तिक में साफ झलक रहा था। जैसा तुम कहो, नाटक जयवर्धन द्वारा लिखा गया है। यह पति पत्नी के स्वस्थ संबंधों का परिवारिकनाटक है। सामाजिक सरोकार से संबंधित यह।

एक समसामयिक नाटक है। आज की युवा पीढ़ी को विदेश जाने का बहुत क्रेज है। अपने देश मे काम करके भी पैसा कमाया जा सकता है। अच्छी जिंदगी बसर की जा सकती है, लेकिन विदेश जाने की भगदड़ मची है।

कई लोग वहां जाकर मक्खी मारते हैं, पर शर्म के मारे अपने देश लौट नहीं पाते हैं। जैसा तुम कहो, कुछ ऐसा ही नाटक है। एक संपन्न परिवार का इकलौता लड़का लड़-झगड़ कर विदेश चला जाता है। वहां कोई काम नहीं मिलता है। अपने घर लौटने में शर्म आ रही है। इधर मां-बाप दु:खी तो हैं, लेकिन एक-दूसरे को खुश रखने के लिए के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। बाप पुरुषोत्तम अपनी पत्नी को प्रसन्न रखने का पूरा प्रयास करता है।

■ सामाजिक सरोकार से संबंधित है यह समसामयिक नाटक

पत्नी लक्ष्मी सही गलत जो भी कहती है पुरुषोत्तम मान लेता है।

लक्ष्मी जो भी कहती पुरुषोत्तम हर बार बस यही कहता है जैसा तुम कहो। पत्नी के कहने पर परुषोत्तम घर में किरायेदार रख लेता है, जो वकील है। पति-पत्नी दोनों वकील हैं। यहीं से एक नई समस्या जन्म लेती है। परन्तु उनकी वकालत नहीं चलती है, जो भी केस लड़ते हैं, हार जाते हैं। उन्हें लक्ष्मी जो घर की मालकिन है पैसा उधार देती रहती है। परन्तु उनको बुरा ना लगे, किसी अन्य रूप में दोनों मदद करने की सोचते हैं। सोचते सोचते दोनों इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि वे दोनों अपना नकली तलाक लेने की सोचते हैं।

उन दोनों को अपना वकील बना लेते हैं। तलाक लेने के लिए कोर्ट में केस डाल देते हैं। कोर्ट की कार्रवाई से दोनों तंग आ जाते हैं और अपना केस वापस ले लेते हैं तथा दोनों को अपना मकान खाली करने को बोल देते हैं। अचानक उनके नौकर के पास उनके बेटे का फोन आ जाता है विदेश में काम न मिलने के कारण वापस आ जाता है। पति-पत्नी दोनों खुश हो जाते हैं। इस नाटक में पुरुषोत्तम की भूमिका में नीरज सिंह, पत्नी लक्ष्मी की भूमिका में अंबालिका सपरा, वकीलों की भूमिका में नीतीश झा व मुचना फुफन तथा नौकर की भूमिका में अभिषेक भाहु ने अच्छा अभिनय किया है। लाइट व म्यूजिक विकास रवि तथा मानव गुप्ता ने किया। स्टेज व्यवस्था अंनत तिवारी व जय शर्मा ने की। संचालन स्वयं डॉ.सत्य प्रकाश ने किया। इस नाटक में निर्देशक सम्पा मंडल व सह-निर्देशक नीरज सिंह ने अच्छा निर्देशन किया है। चुटीले संवादों की टाइमिंग पर दर्शक हंस-हंस कर भाव विभोर हो रहे थे। अंत में यह नाटक आज के युग के बच्चों के लिए शिक्षाप्रद है।

दिल्ली पुलिस ने गैंगस्टर को पकड़ा

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक प्रतिद्वंद्वी गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार करने के बाद यहां द्वारका कोर्ट कॉम्प्लेक्स में एक गैंगस्टर की हत्या की कथित साजिश को नाकाम कर दिया। दिल्ली के शकूरपुर निवासी अंकित उर्फ तरूं (26) के रूप में पहचाने गए आरोपी व्यक्ति के कब्जे से दो पिस्तौल, पांच जिंदा कारतूस और दो चाकू बरामद किए गए। पुलिस उपायुक्त (विशेष शाखा) इंजीत प्रताप सिंह ने कहा कि सूचना मिली थी कि शकूरपुर इलाके में एक स्थानीय आपराधिक समूह इलाके में गिरोह का वर्चस्व बढ़ाने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर मधेश उर्फ माधो को मारने की योजना बना रहा है।

द्वारका कोर्ट परिसर में प्रतिद्वंद्वी को मारने की साजिश नाकाम

डीसीपी ने कहा कि इसके बाद, खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए एक टीम तैनात की गई। निगरानी के दौरान यह पता चला कि सागर उर्फ कट्टों और अंकित अपने प्रतिद्वंद्वी मधेश को खत्म करने के इरादे से एक आपराधिक समूह के सदस्य थे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

"ट्रायल रन की इस प्रक्रिया में, सबसे पहले आज मुराद नगर रिसीविंग सब स्टेशन से मोदी नगर साउथ तक ओएचई को 25 केवी की क्षमता के साथ चार्ज किया गया, जिसके बाद इस खंड में ट्रेन को चलाया गया। नमो भारत ट्रेन दुहाई स्टेशन से आगे बढ़ते हुए मुराद नगर स्टेशन पहुंची और फिर उससे आगे मोदी नगर साउथ तक लगभग 12 किमी की दूरी तय की।

पुनीत वत्स, एनसीआरटीसी प्रवक्ता

कानपुर भेजे गए प्राधिकरण महाप्रबंधक

2 साल में छठवीं बार हुआ तबादला

नोएडा, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में नोएडा, ग्रेटरनोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की। इसके बाद नोएडा में एक बार फिर से तबादलों का दौर शुरू हो गया। नोएडा प्राधिकरण में तैनात महाप्रबंधक पीके कौशिक को

■ मुख्यमंत्री ने की थी समीक्षा बैठक

कानपुर यूपी सीडा भेज दिया गया है। पिछले 2 साल में पीके कौशिक के छह बार तबादला हो चुका है। आने वाले दिनों में और भी कई अधिकारियों के तबादले होने की संभावना है।कानपुर में पीके कौशिक महाप्रबंधक सिविल की जिम्मेदारी निभाएंगे। बता दे पीके कौशिक 2021 में नोएडा आए थे। उसके बाद 2022 में कानपुर भेज दिया गया। 6 महीने बाद उन्हें दोबारा यमुना अथॉरिटी में ट्रांसफर कर दिया गया। 2023 की शुरुआत में यमुना से उन्हें कानपुर भेज दिया गया। जून 2023 में कानपुर से नोएडा में तैनात किया गया। एक बार फिर उन्होंने कानपुर बुला लिया गया। कुल मिलाकर पिछले 2 साल में पीके कौशिक का तबादला करीब आधा दर्जन बार हो चुका है। इस तबादला के बाद से ही अथॉरिटी में चर्चा का माहौल गर्म है। कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री ने नोएडा ग्रेटर नोएडा यमुना के अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की जिसके बाद अधिकारियों के ट्रांसफर किए जा रहे हैं। नोएडा में पीके कौशिक को जल खंड का कार्य दिया गया था।

एलिवेटेड रोड पर 9 स्थानों 20 कैमरे लगाए जाएंगे, इस महीने शुरू होगा काम

नोएडा। एलिवेटेड रोड पर कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। यहां पर करीब 9 जगह 20 कैमरे लगाए जाएंगे। अभी सिर्फ एक जगह कुछ कैमरे लगे हुए हैं। इसी महीने कैमरे लगाने का काम शुरू होगा। कैमरों की संख्या बढ़ने से नियम तोड़ने वालों पर सख्ती होगी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में एकमात्र यह एलिवेटेड रोड है। यहां से वाहन चालक गाजियाबाद-नोएडा से आकर दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर आते-जाते हैं। यहां से 24 घंटे में डेढ़ से दो लाख वाहन निकलते हैं। अभी यहां पर इस्कॉन मंदिर के सामने कैमरे लगे हुए हैं। यहां पर लगातार तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर सख्ती बरतने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने कैमरों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। यातायात पुलिस ने भी यहां कैमरों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया। ऐसे में प्राधिकरण ने कैमरों की संख्या बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि कैमरे लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। यहां पर 20 कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे सर्विलांस, एएनपीआर आदि तरह के कैमरे होंगे। सर्विलांस कैमरे लगने पर यहां से वारदात कर गुजरने वाले बदमाशों पर भी शिकंजा कसा जा सकेगा। अभी तक लगे कैमरों से सिर्फ तेज रफ्तार नियम तोड़ने वालों के चालान हो रहे हैं। ऐसे में यातायात नियम तोड़ने के अलावा अपराधिक वारदात करने वालों पर भी कार्रवाई के लिए कैमरों का दायरा बढ़ाया गया है।

इंक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

गाजियाबाद, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मोदीनगर सिखेड़ा हजारी औद्योगिक क्षेत्र में एक इंक केमिकल फैक्ट्री में रविवार को भीषण आग लग गई। जिसमें लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही कि इस भीषण आग में कोई जनहानि नहीं हुई और फायर ब्रिगेड के साथ गाड़ियों ने 2 घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बाद में फायर ब्रिगेड ने आपको पूरी तरह से बुझा दिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल सिंह ने बता पा मश्क्कत कल ने बताया कि आज सुबह मोदीनगर थाना क्षेत्र के सिखेड़ा हजारी औद्योगिक क्षेत्र से एक इंक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। शुरू में वहां लोगों ने खुद ही आग पर का वह पानी की कोशिश की लेकिन जब आज बेकाबू हो गई। तब फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने दो गाड़ियां कोतवाली से,दो मोदीनगर से, दो गाड़ी साहिबाबाद स तथा एक अन्य गाड़ी मांगनी पड़ी और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। उन्होंने बताया कि आग से हुए नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है हालांकि है नुकसान लाखों रुपए में हुआ है। आग से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

■ सात गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

नमो भारत ट्रेन का शुरू हुआ अगला पड़ाव मोदी नगर साउथ तक किया ट्रायल रन

गाजियाबाद, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली-मेरठ-गाजियाबाद आरआरटीएस कॉरिडोर पर प्राथमिक खंड का परिचालन आरंभ होने के बाद अब इससे आगे के खंड में ट्रायल रन आरंभ हो गया है। इस श्रृंखला में, रविवार को दुहाई से लेकर मोदी नगर साउथ स्टेशन तक नमो भारत ट्रेनों का ट्रायल रन किया गया। यह ट्रायल रन इस खंड को परिचालित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि ट्रायल रन की इस प्रक्रिया में, सबसे पहले आज मुराद नगर रिसीविंग सब स्टेशन से मोदी नगर साउथ तक ओएचई को 25 केवी की क्षमता के साथ चार्ज किया गया, जिसके बाद इस खंड में ट्रेन को चलाया गया। नमो भारत ट्रेन दुहाई स्टेशन से आगे बढ़ते हुए मुराद नगर स्टेशन पहुंची और फिर उससे आगे मोदी नगर साउथ तक लगभग 12 किमी की दूरी तय की।

ट्रायल रन के प्रक्रिया में नमो भारत ट्रेनों का ट्रैक और ट्रैकशन के साथ परीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान ट्रेन को ट्रेन कंट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम (टीसीएमएस) के तहत मैन्यूअल तरीके से ऑपरेट किया जा रहा है। ट्रेन को मुरादनगर स्टेशन से बहुत धीमी रफ्तार से मोदी नगर साउथ तक लाया गया, जहां से वापसी में इसकी रफ्तार को थोड़ा बढ़ाते हुए दुहाई वापस लाया गया। उन्होंने बताया कि दुहाई से मेरठ साउथ आरआरटीएस स्टेशन के बीच 25 किमी का सेक्शन, आरआरटीएस कॉरिडोर का वह सेक्शन है जिसे प्राथमिक खंड के बाद जनता के लिए परिचालित किया जाएगा। इस खंड में, कुल 4 स्टेशन हैं, मुराद नगर, मोदी नगर नॉर्थ, मोदी नगर

साउथ और मेरठ साउथ। बीते जून में, आखिरी स्पैन की स्थापना के साथ मेरठ साउथ तक वायाडक्ट का निर्माण पूरा कर लिया गया था। इसके बाद से इस खंड में ट्रैक बिछाने, ओएचई इंस्टालेशन, सिग्नलिंग एवं टेलिकॉम तथा इलैक्ट्रिकल आदि निर्माण कार्यों ने गति पकड़ ली थी। वर्तमान में, ट्रैक बिछाने का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है तथा अन्य कार्य अपने अंतिम चरण में हैं। साथ ही, मुराद नगर से मेरठ साउथ तक विद्युत आपूर्ति करने के लिए मुरादनगर आरएसएस तैयार है। जल्द ही, मोदी नगर नॉर्थ और मेरठ साउथ स्टेशन के बीच में ओएचई चार्ज की जाएगी और ट्रेनों को मेरठ साउथ स्टेशन तक चलाकर इस खंड में भी ट्रायल रन किए जाएंगे।

सार संक्षेप

स्टेशन के बोर्ड पर जाति संबोधन स्टेशन नाम लिखने पर रोष

बुलंदशहर। चोला दिल्ली-हावड़ा ट्रैक चोला रेलवे स्टेशन पर बिना लिखे बोर्ड पर जाति संबोधन नाम लिखने का फोटो वायरल होने पर लोगों में रोष व्याप्त है। चोला रेलवे स्टेशन पर गांगरौल गांव की तरफ बिना कुछ लिखा बोर्ड लगा हुआ है। किसी सिरफिरे ने बोर्ड पर जाति संबोधन स्टेशन नाम लिखे हुए का फोटो वायरल हो रहा है। जिसको लेकर लोगों में रोष व्याप्त है। खुर्जा जीआरपी प्रभारी बृजमोहन ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

एबुंलेंस व कार में हुई भिड़ंत, चालक घायल

नोएडा। सेक्टर 53 रेड लाइट पर शनिवार देर रात को एक एंबुलेंस और कार में भयानक भिड़ंत हो गई। एंबुलेंस पलटने से चालक घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसको उपचार के लिए नजदीक के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब चालक की हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। जिसके कारण करीब दस मिनट तक यातायात बाधित रहा। सूचना पर पहुंची सेक्टर 24 थाना पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क के किनारे करा यातायात को सामान्य कराया। सेक्टर 24 थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार की रात करीब एक बजे सेक्टर 53 रेड लाइट पर एक आई 20 कार और एंबुलेंस में तेज भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि एंबुलेंस पलट गई। जिसमें एंबुलेंस चालक घायल हो गया है। पुलिस का कहना है, कि दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया है।

राहगीरों का मोबाइल लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। राहगीरों को झपट्टा मारकर उनका मोबाइल लूट कर फरार होने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को रविवार को फेज दो थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल होने वाली बाइक, चाकू और लूट का फोन बरामद हुआ है। आरोपियों की पहचान बिहार निवासी रविउल अली और मोहम्मद इमरान व गेझा निवासी सौरभ कुमार के रूप में हुई है। तीनों बदमाश आपस में दोस्त हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि 21 नवंबर को एक व्यक्ति ने पुलिस को दी ऑनलाइन शिकायत में बताया था कि सात नवंबर को जब वह पॉकेट सात मदर डेयरी की तरफ जा रहा था तभी विपरीत दिशा से आए बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया और धक्का देकर गिराने का प्रयास किया। शिकायत मिलते ही पुलिस की एक टीम गठित की गई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने पर बदमाशों और बाइक के बारे में अहम जानकारी मिली।

तंत्र मंत्र का झांसा देकर ठगी करने वाले चार गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली फेज-वन पुलिस ने धोखाधड़ी करके रुपये ठगने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तंत्र-मंत्र का सामान, माला, कपड़ा, मूर्ति, 50,110 रुपए, दो चाकू व वारदातों में इस्तेमाल कार बरामद की है। डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि दो दिसम्बर को एक मुकदमा दर्ज किया था। जिला मेरठ के रूप सिंह ने 2 दिसम्बर को मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनकी पत्नी को झांसे में लेकर कुछ लोगों ने एक लाख रुपए ले लिए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जिला बुलंदशहर के कस्बा खानपुर के विजय कुमार, दिलशाद गार्डन दिल्ली के शेहरुन, शेर मोहम्मद और मिथुन को सेक्टर-10 बिजलीघर के गेट सामने वाले पार्क से गिरफ्तार कर लिया।

अवकाश दिवसों में निगम ने लगाए कर वसूली कैंप, 41,70,178 हुई वसूली

गाजियाबाद, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। शहर में कर वसूली बढ़ाने हेतु कैंप लगाए गए जिसमें समस्त जोन में अवकाश दिवसों में भी कर वसूली को लेकर कार्रवाई तेजी से चली। अवकाश में लगे कैंप के दौरान लगभग 41 लाख की वसूली हुई, गाजियाबाद नगर निगम टीम कर वसूली को लेकर बड़े बकाये दारों को चिन्हित कर कार्रवाई कर रहे हैं। 28,61,313 वसुंधरा जोन में सबसे अधिक वसूली हुई है विजयनगर जोन के अंतर्गत 89,500 की वसूली की गई, मोहन नगर जोन के अंतर्गत 3,97,147 की वसुली हुई, सिटी जोन के अंतर्गत 1,98,669 की वसूली हुई, इसी प्रकार कवि नगर जोन के अंतर्गत 6,23,549 की वसूली की गई, जिसकी मॉनिटरिंग लगातार मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉक्टर संजीव द्वारा की गई, कर दाताओं की सुविधा के दृष्टिगत अवकाश दिवसों में भी कैंप लगे हैं जिनको रोस्टर के क्रम में अलग-अलग स्थान पर लगाया जाता है तथा अनाउंसमेंट व अन्य कार्रवाई के माध्यम से कर दाताओं को सूचित भी किया जाता है।

■ जोनल प्रभारी बड़े करदाताओं को करें टारगेट : नगर आयुक्त

नगर निगम ने चलाया अवैध निर्माण के खिलाफ़ अभियान, 70 क्योस्क व 30 अवैध होर्डिंग हटाए

गाजियाबाद, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर निगम ने रविवार को अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया। जिसमे 70 क्योस्क व 30 अवैध होर्डिंग हटाये गए।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विज्ञापन प्रभारी तथा अन्य टीम को अवैध रूप से लगे हुए होल्डिंग / विज्ञापन पट हटाने के निर्देश जारी किए हैं। इसी क्रम में संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश, पल्लवी सिंह विज्ञापन प्रभारी तथा समस्त जोंन के प्रभारी टीम बनाकर शहर से अवैध विज्ञापन के विरुद्ध कार्रवाई कर रहे हैं।

रविवार को कवि नगर जोन के अंतर्गत वृहद स्तर पर कार्रवाई करते हुए आरडीसी, राजनगर, हापुड़, चुंगी, संजय नगर, गोविंदपुरम तथा कलेक्ट्रेट पर अवैध रूप से लगे हुए होर्डिंग यूनीपोल को हटाया गया।

आज आरडीसी फ्लाई ओवर, गोविंदपुरम, अनाज मंडी, हापुर चुंगी, कलेक्ट्रेट व अन्य स्थान से कवि नगर जोन के अंतर्गत अभियान के दौरान 70 किओस्क, तथा 34 होर्डिंग हटाए गए हैं।

आगामी आंदोलन में शामिल होने के लिए जैन समाज ने की बैठक

नोएडा, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। विश्व जैन संगठन नोएडा शाखा द्वारा रविवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन सेक्टर-50 में सकल जैन समाज की एक मीटिंग हुई। जिसमें अगामी 17 दिसम्बर 2023 को सुबह 11 बजे से रामलीला मैदान दिल्ली में देशव्यापी जैन तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ जन आंदोलन पर चर्चा हुई। इस बैठक में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन प्रभावना समिति सेक्टर-50, श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर सेक्टर-27, तेरापंथी जैन समाज नोएडा, एसएस जैन समाज, जागृति महिला मंडल सेक्टर-50, स्याद्वाद युवा क्लब नोएडा आदि के पधाधिकारी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने आगामी 17 दिसम्बर को होने बाले तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ जन आंदोलन को सफल बनाने के सुझाव दिये। साथ ही अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस आंदोलन में देश भर के लोगों ने हिस्सा लिया। हमारी मुख्य मांग हाई कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय को जल्दी से जल्दी अमल में लाया जाए।

जिसके अनुसार जैन समाज को गिरनार पर्वत, गुजरात में भगवान नेमीनाथ के दर्शन करने का अधिकार दिया जाए।

अध्यक्ष के के जैन ने बताया कि नोएडा से रामलीला ग्राउंड पर लोगों को ले जाने के लिए दस बसों का इंतजाम किया है। जिससे अधिक से अधिक लोग इस कार्यक्रम में शामिल हो सकें।

शिकंजा : रेकी कर घरों में चोरी करने वाले गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार

नोएडा, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। रेकी करने के बाद फ्लैटों और घरों में चोरी करने वाले गिरोह के चार बदमाशों को सेक्टर-39 पुलिस ने रविवार को दादरी रोड स्थित एक शौचालय के पास से गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों की निशानदेही पर करीब नौ लाख रुपए का चोरी का माल भी बरामद किया गया, जिसमें नकदी और गहने भी शामिल हैं। बदमाशों के खिलाफ करीब दो दर्जन डकैती,

■ बदमाशों की निशानदेही पर नकदी, गहने और मूर्ति बरामद
■ गिरोह के दो बदमाश मुठभेड़ के दौरान हुए थे गिरफ्तार

लूट और चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। अन्य जिलों से भी इनका आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। हाल के दिनों में भी बदमाशों ने नोएडा के अलग-अलग थानाक्षेत्र में चोरी की तीन वारदात की है।

एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी अजय उर्फ रामनिवास और प्रशांत व शाहजहांपुर निवासी दानवीर और कल्लू उर्फ धर्मवीर के रूप में हुई है। गिरोह के बदमाश ऑटो से रेकी कर फ्लैट और घर चिन्हित करते हैं। उसके बाद डकैती, लूट और चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। चोरी का विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए आरोपी अपने पास तमंचा और चाकू रखते हैं। गिरोह के बदमाशों ने नोएडा के अलावा दिल्ली, गाजियाबाद और शाहजहांपुर समेत अन्य स्थानों पर कई वारदात की है। बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के

तहत भी कार्रवाई की जाएगी। जिस फ्लैट और घर में वारदात करनी होती है गिरोह के तीन बदमाश वहां कई घंटे पहले पहुंच जाते थे और सरगना को पल-पल की जानकारी फोन पर देते रहते थे। जैसे ही चिन्हित घर के फ्लैट के पास सन्नाटा होता था तमंचे के बल पर बदमाश वारदात कर देते थे। चोरी का सामान बेचकर जो रकम हासिल होती थी सभी बदमाश उसे आपस में बांट लेते थे। बदमाशों की निशानदेही पर तमंचा, कारतूस, चाकू, सोने और चांदी के गहने, हीरे का हार, दूरबीन, महंगी घड़ियां, कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पुरानी धातुओं के सिक्के, भगवान शिव और सारस की मूर्ति, साढ़े 12 हजार की नकदी समेत अन्य सामान बरामद हुआ है।

बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' पिलाकर जिलाधिकारी ने किया पल्स पोलियो अभियान शुभारंभ

नोएडा, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। जनपद में बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने के लिए पल्स पोलियो अभियान शुरू हो गया है। रविवार को जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने निठारी के प्राइमरी स्कूल में बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने अभिभावकों से शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार शर्मा, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उबैद कुरैशी, जिला वैक्सीन भंडार प्रबंधक अखिलेश कुमार, वैक्सीन एंड कोल्ड चेन मैनेजर तबस्सुम, सीनियर लैब टेक्नीशियन रविन्द्र राठी, विश्व स्वास्थ्य संगठन के एसएमओ एवं स्कूल का स्टाफ मौजूद रहा।

उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उबैद कुरैशी ने बताया कि जनपद में रविवार को बूथ पर बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाई गई। इसके लिए जनपद में विभिन्न स्थानों पर करीब 1050 बूथ बनाए गए थे। 11 (सोमवार) से 16 दिसम्बर तक स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाएंगी।

■ 16 दिसम्बर तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान
■ पहले दिन बूथ पर पिलाई गई दवा, आज से घर-घर पिलाई जाएगी

इसके लिए लगभग 1500 टीम बनाई गई हैं, जो लक्षित 4.50 लाख बच्चों को दवा पिलाने का कार्य करेंगी। इसके लिए करीब 10.51 लाख घरों को लक्षित किया गया है। टीम की मॉनिटरिंग के लिए सुपरवाइजर बनाये गए हैं, जो टीम की निगरानी करेंगे। जिला स्तर पर जिला स्तरीय अधिकारी भी पल्स पोलियो टीम का औचक निरीक्षण करेंगे। रोजाना शाम को ब्लॉक स्तर के नोडल अधिकारियों द्वारा अभियान का फीडबैक लिया जाएगा और अभियान की समीक्षा होगी।

भारतीय किसान यूनियन मंच ने संगठन का विस्तार किया

नोएडा, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। भारतीय किसान यूनियन मंच ने पंचायत की। बैठक की अध्यक्षता शकुंतला शर्मा ने और मंच का संचालन दानिश सैफी ने किया। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान एवं सभी पदाधिकारियों का जी.सी.एस. पब्लिक स्कूल हरौला सेक्टर 5 नोएडा के प्रांगण में फूलमाला व पगड़ी पहना कर भव्य स्वागत किया गया। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने ऊषा शर्मा को नियुक्ति पत्र देकर

भारतीय किसान यूनियन मंच में महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। जल्द ही भारतीय किसान यूनियन मंच की नवनियुक्त महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष ऊषा शर्मा अपनी पूरी कार्यकारिणी बनाकर घोषित करेंगी। सुधीर चौहान ने पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि बिना महिलाओं के कोई भी देश या संगठन तरक्की नहीं कर सकता है मुझे आशा है कि ऊषा शर्मा अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ेंगी। भारतीय किसान यूनियन मंच की नव नियुक्त महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष ऊषा शर्मा ने कहा कि मैं भारतीय किसान यूनियन मंच की आशा और नीति पर खरी उतारने का पूरा प्रयास करूंगी। इस अवसर पर आशीष चौहान, गौतम लोहिया, विमल त्यागी, मंजू शर्मा, उर्मिला शर्मा, किरण, सीता, अवंतिका, रीता, ज्योति आदि सैकड़ो महिलाओं ने भारतीय किसान यूनियन मंच में शामिल हुई।

भारतीय महिलाएं घर, परिवार, समाज व राष्ट्र एक साथ संभाल सकती हैं : साध्वी

गाजियाबाद, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। दीदी मां साध्वी ऋतंभरा ने रविवार को यहां कहा कि भारतीय नारी हर तरह सक्षम है और आवश्यकता पड़ने पर सबकुछ कर सकती है। उन्होंने कहा

■ गाजियाबाद में नारी शंखनाद मातृशक्ति सम्मेलन आयोजित

महिलाएं अष्ठ भुजा हैं। यानी हर तरीके से सक्षम हैं। महिलाएं घर, परिवार, राष्ट्र, समाज सबकुछ एक साथ सम्भाल सकती हैं। साध्वी ऋतंभरा यहां महिला समन्वय समिति गाजियाबाद विभाग के तत्वावधान में आयोजित नारी शंखनाद मातृशक्ति सम्मेलन को बतौर मुख्य वक्ता बोल रही थी। सम्मेलन का आयोजन पंडित

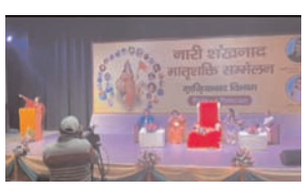

दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम नेहरू नगर किया गया। जिसमें समाज के विभिन्न संगठनों की प्रबुद्ध महिलाओं ने सहभागिता की। इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में परम पूज्या दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। जिन्होंने भारतीय चिंतन में नारी विषय पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने कई बलिदानी महिलाओं का उदाहरण देते हुए महिला शक्ति का बखान किया। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सुषमा सिंह उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग तथा अध्यक्षा सुशीला शर्मा अमर शहीद मेजर मोहित शर्मा की माताजी उपस्थित रहीं। इस सत्र में डॉ. माला कपूर तथा विभाग सह संयोजिका कविता गोयल मंच पर उपस्थित रहीं। इस सम्मेलन में अधिवक्ता, चिकित्सक, शिक्षिका, प्रधानाचार्या, निदेशिका, एनजीओ संचालिका, व्यवसायी, विभिन्न समूहों की प्रतिनिधि बहने, वैज्ञानिक, कवियत्री, लेखिका आदि ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। द्वितीय सत्र में जो की चर्चा सत्र था, में चार अलग-अलग गट बनाकर चर्चा की गई। तृतीय तथा समापन सत्र में ब्रह्माकुमारी बहन उर्मिल जी मुख्य वक्ता रही तथा भारत के विकास में महिलाओं का योगदान विषय पर अपना उद्बोधन दिया। समापन सत्र में स्मिता मिश्रा जी, बहन कुसुमबंधु जी तथा सह संयोजिका ऋतु शर्मा तथा प्रांत बौद्धिक प्रमुख बहन गजेश दीदी मंच पर उपस्थित रहीं। वंदे मातरम कविता गोयल ने कराया। गाजियाबाद विभाग में यह इस प्रकार का प्रथम तथा अनूठा कार्यक्रम था। महिला समन्वय की विभाग संयोजिका श्रीमती दीप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में बहुत ही सुव्यवस्थित तथा सफल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या के विरोध में क्षत्रियों ने निकाला पैदल मार्च, सौंपा ज्ञापन

बुलंदशहर, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। रविवार को जिला बुलंदशहर में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना, राजपूत सभा व समस्त क्षत्रिय समाज बुलंदशहर के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में महाराणा प्रताप भवन अम्बा कॉलोनी से काले आम चौराहे तक पैदल मार्च निकाला जिसमे सैकड़ो की संख्य में लोग इकट्ठा हुए और अपना रोष प्रकट किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष करणी सेना ठाकुर मनोज प्रधान ने कहा कि सुखदेव सिंह के हत्यारों का एनकाउंटर होना चाहिए। राजपूत सभा के जिलाध्यक्ष ठाकुर सूर्यप्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि सुखदेव सिंह के परिवार को स्थाई सुरक्षा प्रदान की जाए। करणी सेना के निवर्तमान प्रदेश संगठन महामंत्री राणा बृजेश प्रताप सिंह ने कहा कि सुखदेव सिंह के हत्यारों के साथ साथ इस षडयंत्र की उच्चस्तरीय

न्यायिक जांच की जाए, तभी सुखदेव सिंह के परिवार को इंसाफ मिलेगा। अनुज राघव चचोई, डॉक्टर रविन्द्र राणा, हरीश ठाकुर बिरौंडी, जीतू ठाकुर नवादा, भूपेंद्र सिंह नवादा, मुकुल ठाकुर, अनुज नंगला, अभिषेक सोलंकी, कपिल राणा, प्रशांत तोमर, शैलेश प्रताप सिंह, प्रदीप राघव चचोई, उदय प्रताप सिंह, ध्रुव ठाकुर ने अपना रोष प्रकट करते हुए उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

बैठक में दर्जनों पूर्व सैनिकों ने भाग लिया तथा अध्यक्षता बंकापुर के रहने वाले विजेन्द्र सिह ने तथा संचालन रामकृपाल सिंह ने किया। नरेन्द्र सिंह ने संगठन के नियमों में बदलाव की जानकारी से पूर्व सैनिकों को अवगत कराया तथा संगठन के खिलाफकार्य करने वाले सदस्यों को निष्कासित करने की घोषणा की गई तथा सर्व सम्मति से रिक्त पदों पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई।

नरेन्द्र सिंह, पूर्व सैनिक कल्याण समिति अध्यक्ष

ग्रेनो वेस्ट के निवासियों ने जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर(देशबन्धु)। ग्रेनो वेस्ट के निवासियों ने एकमूर्ति की जगह जंतर-मंतर पर एकत्रित हुए, हज़ारों की संख्या में घर ख़रीदार बस और कई कारों से जंतर-मंतर पहुंचे और फिर रैली करते हुए धरना स्थल तक गए। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोग रजिस्ट्री नहीं होने, आईआरपी की मनमानी, रुके प्रोजेक्ट और मेट्रो प्रोजेक्ट की लगातार देरी से बेहद नाराज दिखे। लोगों ने जमकर नारेबाजी की और सरकार से वादा पूरा करने की अपील की। नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा है कि एक साल एकमूर्ति पर प्रदर्शन के बाद हम जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने आए हैं। आखिर क्या मजबूरी है कि इतने विरोध प्रदर्शन के बाद भी हमारे मांगों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने साफ कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन का दायरा अब और ज्यादा बढ़ेगा। आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे मिहिर गौतम, दिनकर कुमार, दीपांकर कुमार, राजकुमार, चंदन सिन्हा, महेश यादव, अनुपमा मिश्रा ने कहा है कि जिस तरह से लोग निकल कर आ रहे हैं वो अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें घर और मेट्रो जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए जंतर मंतर पर आना पड़ा है। जंतर मंतर पर आंदोलन की तैयारियों को संभाल रहे सीपी सिंह, रवींद्र सिन्हा, संजीव सक्सेना, डी.के. सिन्हा, समीर भारद्वाज, सुधाशु किशोर, ज्योति जायसवाल, अतुल रंजन,

■ **सरकार से पूछा कब होगी रजिस्ट्री, कब मिलेगा घर, कब आएगी मेट्रो**

■ **एक वर्ष से एकमूर्ति पर कर रहे थे प्रदर्शन, बढ़ाया आन्दोलन का दायरा**

पी. दुबे, विभूति, महेंद्र विष्ट, पुरुषोत्तम, भूपेंद्र, रंजना, शैलेश, देवेश, विनीत, मनीष, मंडन, जयचंद्रन, विजय, अमित, अजय, विपिन, हिमांशु, पुनीत, संतोष का कहना है कि सरकार निराश कर रही है। हम लगातार अपनी बात रख रहे हैं लेकिन सिर्फ़आश्वासन मिल रहा है और कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सभी लोगों ने कहा कि हम निराश हैं लेकिन हताश नहीं, संघर्ष जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रहे अनुराग, शिप्रा गुप्ता, अनुपम मिश्रा, देवांजन, अरुण, पवन, आरसी भट्ट, डॉ सोहैल, चेतन, शशि, राजीव, सुबोध, शेषमणि, शिव, अजय, बीएस त्रिपाठी, संतोष, संजय, विकास सहित हज़ारों निवासियों ने शपथ लिया कि एकजुट होकर रजिस्ट्री, रुके प्रोजेक्ट के निर्माण और मेट्रो को लेकर संघर्ष जारी रखेंगे।

किसानों का ऐलान, विस्थापन नीति में हो सुधार या एयरपोर्ट का विस्तार भूले प्रशासन

जेवर,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। विस्थापन नीति में सुधार की मांग करते हुए एयरपोर्ट के भूमि अधिगृहण से प्रभावित किसानों ने क्षेत्र के गांव नीमका व रन्हेरा में अलग अलग

■ **नीमका व रन्हेरा गांव में एयरपोर्ट के भूमि अधिगृहण से प्रभावित किसानों ने सामूहिक पंचायत कर भरी हुंकार**

सामूहिक पंचायत का आयोजन कर प्रशासन को सीधी चेतावनी हुए विस्थापन नीति में सुधार न होने पर एयरपोर्ट के विस्तार के सपने को भूलने की बात पर जोर दिया। एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए होने वाले भूमि अधिगृहण के लिए 15 दिसम्बर से शुरू होने जनसुनवाई से पूर्व ग्रामीणों ने पंचायत का आयोजन कर प्रशासन के लिए चुनौती पैदा कर दी है।

ज्ञात हो कि जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए स्टेज दो के फेस दो व स्टेज दो

के फेस तीन के लिए प्रशासन द्वारा अधिसूचना जारी कर 14 गांव की 2053 हेक्टेयर भूमि के अधिगृहण की प्रक्रिया के तहत 15 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक अलग अलग गांव में जनसुनवाई की घोषणा की थी। जिसके तहत 15 दिसम्बर को रोही गांव की 10.42 हे0 भूमि के लिए, पारोही की 85.49हे0 व बंकापुर की 12.50हे0 तथा 16 दिसम्बर को दयानतपुर की 15.66हे0, साबौता मुस्तफाबाद की 55.03हे0 व मुकीमपुर शिवारा की 80.15हे0 तथा 17 दिसम्बर को किशोरपुर गांव की 105.09हे0 व वनवारीवास की 94.09हे0 तथा 18 दिसम्बर को जेवर बांगर की 68.69हे0 व अहमपुर चौरोली की 28.77हे0 तथा 19 दिसम्बर को रामनेर की 234.12हे0 व ख्वाजपुर की 293.66हे0 तथा 20 दिसम्बर को थोरा गांव की 635.72हे0 तथा 21 दिसम्बर को नीमका शहाजहांपुर गांव की 333.54हे0 के भूमि अधिकरण की प्रक्रिया के तहत जनसुनवाई प्रस्तावित है।

ग्रामीणों द्वारा जनसुनवाई से पूर्व रविवार को नीमका शहाजहांपुर व रन्हेरा गांव में पंचायत का आयोजन कर विस्थापन नीति में सुधार कर आबादी की भूमि के बराबर आवासीय प्लाट, न्यूनतम 100 मी प्लाट तथा रोजगार राशि के रूप में मिलने वाली सहायता को कम से कम 12 लाख रूपए किये जाने की मांग की तथा मांग पूरी न किये जाने पर एयरपोर्ट के विस्तार को भूलने की चेतावनी दी है।

सार संक्षेप

सेक्टर गामा-दो आरडब्ल्यूए चुनाव के लिए हुआ नामांकन

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर गामा-दो आरडब्ल्यूए चुनाव के लिए रविवार को विभिन्न पदों पर चुनाव के लिए लोगों ने नामांकन किया। रविवार को चुनाव अधिकारी ए.के. सिंह के निर्देश पर नामांकन की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। इस दौरान विवेक गौड़, प्रबंधक यीडा, प्रवीन तिवारी, चतर सिंह तालान, वेद प्रकाश शर्मा की उपस्थिति में दो पैनलों ने नामांकन किया है। पहले पैनल में पवन कुमार नागर अध्यक्ष प्रत्यासी, गजेन्द्र सिंह महासचिव, त्रिभुवन नाथ पाण्डेय कोषाध्यक्ष। दूसरे पैनल में जगत सिंह भाटी अध्यक्ष, जय नाथ पाण्डेय महासचिव, संगीता सिंह कोषाध्यक्ष पद पर नामांकन किया। पवन नागर ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्वक सम्पन्न हई।

कृषि भूमि में अवैध खनन कर मिट्टी चोरी का आरोप

रबूपुरा। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत खनन माफियाओं द्वारा मिट्टी चोरी का कारोबार बदस्तूर जारी है। अभी तक माफियाओं के निशाने पर अधिसूचित भूमि थी लेकिन अब कृषि भूमि भी महफूज नहीं है। हाल ही एक मामला करौली बांगर का सामने आया है। जहां खनन माफियाओं ने 12 बीघा कृषि भूमि में अवैध खनन कर लाखों की मिट्टी बेच डाली। भूस्वामी ने पुलिस से शिकायत कर कारवाई की गुहार लगाई है। उधर पुलिस जांचोपरांत कार्रवाई का दावा कर रही है। अर्चना सिंह पत्नी राजीव कुमार निवासी, 407 मार्बल होम्स सैक्टर 61, नोएडा द्वारा की शिकायत अनुरूप प्रार्थिया एवं मनोज कुमार निवासी फिरोजाबाद, सुनील कुमार निवासी अलीगढ़, आदिल निवासी इन्दिरा नगर लखनऊ आदि ने रबूपुरा कोतवाली के गांव करौली बांगर स्थित गाटा संख्या 1063 क में 12 बीघा कृषि भूमि वर्ष 2010 में खरीदी थी। आरोप है खनन माफियाओं ने उक्त भूमि पर अवैध रूप से खनन कर मिट्टी चोरी कर ली है तथा गहरे गड्ढ़े बना दिए हैं। जिसके कारण भूस्वामियों को काफी नुकसान हुआ है तथा सरकार को भी राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। गौरतलब है क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार बड़े पैमाने पर जारी है तथा अधिसूचित भूमि के साथ ही कृषि भूमि भी महफूज नहीं है। कई बार मामले की उच्चाधिकारियों से शिकायत भी की जा चुकी है लेकिन खनन माफियाओं के आगे प्रशासनिक कार्रवाई बौनी नजर आती है।

एसीईओ ने शहर की हरियाली का लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने शनिवार को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-16, 12, 10 , केपी-5 में उद्यान विभाग की साइटों का निरीक्षण किया।

सेक्टर -16 में स्थित हरित पट्टिका के लिए आरक्षित क्षेत्र में नवग्रह वाटिका, नक्षत्र वाटिका, वेद वाटिका के रूप में विकसित करने के लिए निर्देशित किया। इन वाटिकाओं से सम्बंधित वृक्षों, झाड़ियों के लिए पौधरोपण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी उप निदेशक उद्यान नथोली सिंह, सहायक प्रबंधक उद्यान गौरव बघेल, पर्यावरणविद विक्रांत तोंगड़ व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 2,06,788 वादों का हुआ निस्तारण

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। न्यायामूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद- प्रशासनिक अधिकारी पंकज भाटिया द्वारा शनिवार को दीवानी न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित हुए तथा ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत विधि दर्शन नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय व तहसील स्तर पर न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सेना की अध्यक्षता एवं दिशा-निर्देशन में लोक अदालत आयोजित किय गया, जिसमें जनपद न्यायालय में कार्यरत न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 53989 वाद तथा प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व न्यायालय द्वारा कुल 83629 वाद, बैंक द्वारा 970 मामलें, एनपीसीएल द्वारा 22 मामलें व यूपीपीसीएल के 4874 मामलें तथा श्रम न्यायालय द्वारा 362 मामलें व धनराशि 9346381 है, पुलिस विभाग द्वारा 6519 मामलों का निस्तारण किया गया। बीएसएनएल द्वारा 26 मामलें तथा परिवहन विभाग द्वारा 19138 तथा यातायात विभाग द्वारा 34368 मामलों का निस्तारण हुआ। इस प्रकार कुल प्री-लिटिगेशन के 159882 मामलें निस्तारित हुये। ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 206788 वाद निस्तारित हुये। राष्ट्रीय लोक अदालत के अन्तर्गत जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी व तहसीलदार आदि समस्त विभागों से प्राप्त विवरण के अनुसार राजस्व के 83629 वाद निस्तारित हुए। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 2,06,788 मामलों का निस्तारण हुआ, जिसमें समझौता धनराशि 25,98,19,597 है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौता धनराशि 25,98,19,597 की हुई प्राप्ति

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर टैलेन्ट हंट प्रतियोगिता आयोजित

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मानवाधिकार मिशन गौतमबुद्ध नगर ने रविवार को ओमीक्रॉन-3 ग्रेटर नोएडा में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया। कार्यक्रम में 10 वर्ष तक के बच्चों ने टैलेंट हंट में भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में वाशपी, शनाया, भव्या और रिया ने जीत हासिल की और सीनियर वर्ग में वर्णिका ने जीत हासिल की। इस अवसर पर सबा, अध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रत्येक महिला को अपने अधिकारों को जानना चाहिए तथा प्रत्येक महिला को स्वयं पर कुछ समय व्यतीत कर अपनी पहचान बनाना आवश्यक है। एडवोकेट बृज भूषण-अध्यक्ष-उत्तर प्रदेश, डॉ. संजीव त्यागी-प्रदेश प्रमुख-स्वास्थ्य विभाग, राजेश गर्ग-उपाध्यक्ष-उत्तर प्रदेश। कार्यक्रम में डॉ. शोभा शर्मा उपाध्यक्ष,गौतमबुद्धनगर, एच.एस.सिसोदिया-उपाध्यक्ष-गौतमबुद्धनगर, विनय ध्यानी, पूनम बब्बर, पूजा, महासचिव-गगन गौतम एवं संगठन के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

फोर्टिस अस्पताल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा में रविवार स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 150 लोगों ने डाक्टरी परामर्श और जांच का निःशुल्क लाभ लिया। हेल्थ कैंप में डाक्टरी सलाह के साथ लगभग 2500 रुपए की जांच निःशुल्क उपलब्ध थी। स्वास्थ्य शिविर में ब्लड प्रेशर जांच, रैंडम ब्लड शुगर जांच, ईसीजी, यूरोफ्लोमेट्री, पीएसए स्क्रीनिंग सहित आंखों की जांच निःशुल्क की गई, साथ ही जनरल फिजिशियन, यूरोलॉजिस्ट और ऑप्टोमेट्रिस्ट द्वारा मुफ्त परामर्श भी प्रदान किया गया। फोर्टिस हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा के फैसिलिटी डायरेक्टर, प्रमित मिश्रा ने इस आयोजन पर कहा कि हमारा उद्देश्य सामुदायिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना है। इन आवश्यक परीक्षणों को मुफ्त में प्रदान करके, हम लोगों स्वास्थ्य कल्याण में योगदान करने का प्रयास कर रहे हैं। एक स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच करवाना बेहद महत्वपूर्ण है, हम आगे भी इस तरह के हेल्थ कैंप का आयोजन करते रहेगे जिससे आम जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और बढ़े।

■ **शिविर में 150 लोगों ने कराया जांच, डाक्टरी सलाह के साथ 2500 रुपए की जांच हुई निःशुल्क**

पूर्व सैनिक कल्याण समिति की बैठक में संगठन का विस्तार

जेवर,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। ब्लाक परिसर में रविवार को पूर्व सैनिक कल्याण समिति के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संगठन के खिलाफ कार्य करने वाले पूर्व सैनिकों को निष्कासित कर उनके स्थान पर नए पदाधिकारी नियुक्त किए गए तथा पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया।

पूर्व सैनिक कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने बताया कि बैठक में दर्जनों पूर्व सैनिकों ने भाग लिया तथा अध्यक्षता बंकापुर के रहने वाले विजेन्द्र सिह ने तथा संचालन रामकृपाल सिंह ने किया। नरेन्द्र सिंह ने संगठन के नियमों में बदलाव की जानकारी से पूर्व सैनिकों को अवगत कराया तथा संगठन के खिलाफकार्य करने वाले सदस्यों को निष्कासित करने की घोषणा की गई तथा सर्व सम्मति से रिक्त पदों पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। जिसमें कानीगढी के सुमेर सिंह को संगठन का संरक्षक, वीरमपुर के हरिश्चन्द्र को महासचिव मनोनीत किया गया। पूर्व सैनिकों द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल मालाओं से व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया तथा बधाई दी। इस मौके पर संगठन के सभी सदस्यों ने एकजुटता के

साथ मिलकर कार्य करने का वायदा किया। बैठक के अध्यक्ष विजेन्द्र सिंह ने पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों की समस्याओं के लिए एकजुट रहकर संघर्ष करने का आवाहन किया। बैठक के बाद सभी पूर्व सैनिक एक साथ कोतवाली परिसर पहुंचे जहां पर उन्होंने ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह चौहान से मुलाकात की तथा थोरा निवासी भोजेन्द्र सिंह के पुत्र की साजिश के तहत सड़क हादसे में हुई मौत पर सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सुभाष सिंह, खुशीराम, धर्मपाल, दफेदार सिंह, अशोक, सुरेन्द्र सिंह, भानु सिंह, देशराज सिंह व ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे।

फार्म हाउस में शादी समारोह के हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। बिसरख कोतवाली की पुलिस ने एक फार्म हाउस में शादी समारोह में अशोक यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पिछले दिनों पीड़ित के परिजन बिसरख कोतवाली पहुंचे थे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के यदुवंशी फार्म हाउस में 27 नवम्बर को शादी समारोह में होशियारपुर के निवासी अशोक यादव की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप मृतक समधी पर लगा था। पुलिस ने आरोपी शेखर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पिछले रविवार को अशोक यादव के परिवार के साथ गांव होशियारपुर के लोग थाना बिसरख पहुंचे थे। लोगों ने मांग की थी कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। बिसरख पुलिस ने हत्या के मामले में सौरव यादव व गौरव यादव निवासी ग्राम रझेड़ा थाना सिम्भावली हापुड़ और विकास यादव निवासी ग्राम सोरखा सेक्टर-115 थाना को गिरफ्तार किया है। सौरव और गौरव वर्तमान में ई-89 सेक्टर 23 संजय नगर गाजियाबाद में रहते हैं। जबकि विकास वर्तमान में एच-235 सेक्टर-23 संजयनगर गाजियाबाद में रहता है। बिसरख पुलिस ने रविवार को आरोपियों को लालकुआं के पास से गिरफ्तार किया है।

■ **पीड़ित के परिजनों ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की लगाई थी गुहार**

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा
कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार
के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/
नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार
के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

'स्व' भारत का आत्मबोध विमर्श में पत्रकारिता, साहित्य, समाज व नारी शक्ति की होगी सहभागिता

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्रेरणा विमर्श-2023 का आयोजन 15,16 और 17 दिसम्बर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में होगा। विमर्श का आगाज 15 दिसम्बर को प्रात: 10 बजे नारी शक्ति राष्ट्र वंदन यज्ञ के साथ होगा। इस यज्ञ में लगभग

■ **नारी शक्ति राष्ट्र वंदन यज्ञ से होगा प्रेरणा विमर्श-2023 का शुभारंभ**

■ **कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी, उत्तराखंड विधानसभा अध्यंक्ष रितु खंडूरी व संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल होंगे शामिल**

650 माताएं एवं बहनें एक साथ आहुति देंगी। यह अपने आप में एक अनूठी पहल होगी। विमर्श का आयोजन प्रेरणा शोध संस्थादन न्यास-नोएडा, मेरठ प्रांत प्रचार विभाग एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के जनसंचार व मीडिया अध्ययन विभाग

के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। 'स्वा' भारत का आत्मबोध विषय पर आयोजित इस तीन दिवसीय विमर्श में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, वरिष्ठ लेखक, प्रख्यात फिल्मकार, सोशल मीडिया के विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ पत्रकार चिंतन एवं मंथन करेंगे। ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकार बंधुओं को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के प्रचार प्रमुख कृपाशंकर ने 'स्व' भारत का आत्मबोध- प्रेरणा विमर्श 2023 के कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को विमर्श के केंद्र में लाने वाला 'प्रेरणा विमर्श-2023' नए कीर्तिमान गढ़ने जा रहा है। वार्ता के दौरान प्रेरणा विमर्श-2023 की सहसचिव मोनिका चौहान ने बताया कि नारी शक्ति राष्ट्र वंदन यज्ञ की आहुतियों में पूर्ण रूप से माताएं एवं बहनों की हिस्सेदारी रहेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति की सर्वोपरि भूमिका है। प्रेरणा विमर्श के संयोजक प्रो. विशेष गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम दिवस 15 दिसम्बर को समारोह के उद्घाटन अवसर पर लगने वाली प्रदर्शनी का अनावरण दिल्ली सांसद मनोज तिवारी, उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष रितु खंडूरी और आरएसएस के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल करेंगे। वहीं प्रेरणा विमर्श 2023 के समापन समारोह में प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे. नंदकुमार अपनी उपस्थित से कार्यक्रम का गौरव बढ़ाएंगे। प्रेसवार्ता में प्रेरणा विमर्श-2023 के सचिव गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विश्वास त्रिपाठी ने बताया कि इस तीन दिवसीय अनुष्ठान में अलग-अलग आयामों में समानांतर सत्रों में पत्रकार, मीडिया शिक्षक, विद्यार्थी, लेखक, सोशल मीडिया में सक्रिय लोग विषय विशेषज्ञों के साथ विमर्श कर अमृत मंथन करेंगे। इस अवसर पर 'स्व' भारत का आत्मबोध विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई जा रही है जो भारतीय ज्ञान परंपरा को परिलक्षित करेगी। कार्यक्रम के संयोजक विश्वास त्रिपाठी ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज में एक सकारात्मक विमर्श बने, समाज में स्वस्थ व सकारात्मक संदेश पहुंचाने के लिए मिमर्श किया जाएगा। वार्ता के दौरान संसद टीवी के संपादक श्याम किशोर एवं विमर्श के व्यवस्था समन्वयक मनमोहन सिसोदिया के साथ आयोजन समिति के विशिष्ट गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम क्षितिज में फैशन शो के विजयी प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा,10 दिसम्बर (देशबन्धु)। ईशान कॉलेज में इंटर कॉलेज कल्चरल और मैनेजमेंट गेम्स प्रतियोगिता क्षितिज-2023 का समापन फैशन शो से हुआ। इस फैशन शो में 82 छात्र-छात्राओं ने चार राउंड में हुए स्पर्धा में भाग लिया। इसमें ईशान आयुर्वेद कॉलेज के अजय सिंह मिस्टर सिटी और ईशान लॉ कॉलेज के अमन दुबे मिस्टर ईशान बने, मिस्टर फोटोजेनिक ईशान लॉ कॉलेज के हिमांशु और मिस्टर स्टाइलिश भुवेश- ईशान इंस्टीट्यूट ऑफलॉ के बने। बालिका श्रेणी में ईशान इंस्टीट्यूट के बी.एड. कोर्स की छात्रा एकता भाटी मिस सिटी और बी. कॉम. तृतीय वर्ष की खुशी बनी। तृतीय स्थान पर लॉ कोर्स की अनम रहमान जिन्हें मिस फोटोजेनिक टाइटल, मिस इवनिंग छवि ईशान आयुर्वेद कॉलेज और मिस चार्मिंग रश्मि- ईशान लॉ कोर्स की बनी। ईशान आइडल (सोलो सांग) में गोपाल पाठक प्रथम और शुभम रायल दूसरे स्थान पर रहे; सोलो डांस में अलंकृता (लॉ विभाग) प्रथम, शाम्भवी सिंह और होमेन्द्र आर्य द्वितीय और वैष्णवी तिवारी- रामईश कॉलेज की तृतीय रहे। रंगोली प्रतियोगिता में मनीषा, कामरान, तालिब खान, ज्योति मेहरा आईएम्आई कॉलेज के विजयी हुए, ब्रेन गेम में अविरल शर्मा, शिवम् पाठक और प्रिंस लोहिआ, क्विज में साकेत और प्रियंका ईशान आयुर्वेदा कॉलेज, पोएट्री में शुभम झा, ग्रुप सिंगिंग में निधि सैनी, वैष्णवी चौरसिया, फेस पेंटिंग में मेघना शर्मा और अंजलि राठौर विजयी बने। फैशन शो प्रतियोगिता के विजयी को पटटा, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और गिफ्ट हैपर संस्था के चेयरमैन डॉ डी.के. गर्ग, सीईओ तुषार आर्य, डॉ अमन आर्य, आयुर्वेदा कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ सुभान अली, लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ मो खैरूवाला डीन डॉ एम के वर्मा, प्रोफेसर जसविंदर कौर, डॉ हरिंदरजीत कौर, डॉ अनूप कुमार मिश्रा ने देकर सम्मानित किया। कल्चरल फेस्ट और मैनेजमेंट गेम्स-एक्टिविटीज और एक्स्ट्रा करीकुलर एक्टिविटीज से स्टूडेंट्स के टैलेंट निखरता है और भविष्य में सर्टिफिकेट और ट्रॉफी जीतना भी कैरियर में हेल्प करता है और सभी को उज्जवल भविष्य की कामना और आशीर्वाद दिए।

{ संपादकीय }
नई दिल्ली, सोमवार 11 दिसम्बर 2023
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

महुआ : अदानी पर सवाल पूछने की सज़ा

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की उस बात को एक बार फिर से सही साबित कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'देश में पहले क्रमांक पर गौतम अदानी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह उनके नीचे हैं।' शुक्रवार को जिस प्रकार से तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा को लोकसभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया, उससे संदेश गया है कि जो भी अदानी के खिलाफ बोलेगा, उसकी आवाज़ ऐसे ही बन्द कर दी जायेगी। वैसे अपनी सदस्यता जाने के बाद जिस प्रकार से महुआ ने अपनी लड़ाई जारी रखने के इरादे जाहिर किये हैं और सारा विपक्ष उनके समर्थन में लामबन्द हुआ है, उससे स्पष्ट है कि महुआ को लोकसभा से निकालना मोदी के लिये महंगा साबित हो सकता है।

मोदी सरकार द्वारा जिस तरह से एक के बाद एक सारी सार्वजनिक सम्पत्तियां अदानी के हवाले की जा रही हैं, उसे लेकर राहुल गांधी लगातार हमलावर रहे हैं। उन्होंने पिछले वर्ष सितम्बर में निकाली अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मोदी द्वारा अदानी को दिये जा रहे संरक्षण पर सवाल किये थे। बाद में उन्होंने मोदी-अदानी के रिश्तों को लोकसभा में भी उठाया था। इसके चलते गुजरात की एक अदालत में लम्बित मानहानि की याचिका के आधार पर इस साल के प्रारम्भ में राहुल की सदस्यता भी छिनी गई थी। महुआ भी मोदी सरकार के उसी कोप का शिकार हुई हैं। उन पर पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया गया था। यह मामला संसद की आचार समिति (एथिक्स कमेटी) के पास विचारार्थ गया था। समिति ने उन्हें इस बात का दोषी पाया कि उन्होंने एक समूह विशेष के खिलाफ ज्यादातर सवाल पूछे और इसके लिये अपना लॉग इन पासवर्ड बाहरी व्यक्ति को दिया। शुक्रवार को करीब 500 पन्नों की रिपोर्ट लोकसभा के पटल पर रखी गई और इस पर चर्चा के लिये बहुत अल्प समय रखा गया। अनेक सदस्य मांग करते रहे कि इस पर कुछ दिनों के बाद चर्चा हो ताकि सदस्यगण प्रस्तुत रिपोर्ट का ठीक से अध्ययन कर सकें। सरकार ने यह बात नहीं मानी और सदन में अपने बहुमत के बल पर महुआ की सदस्यता रद्द कर दी।

उल्लेखनीय है कि इसके पहले जब कमेटी के समक्ष उनका बयान हुआ था, तो उनसे बेहद अशिष्ट और अशोभनीय सवाल किये गये थे जो किसी भी महिला की गरिमा के खिलाफ थे। उन्हें वकील के जरिये जिरह की अनुमति भी नहीं मिल सकी थी जो कि किसी भी आरोपी का नैसर्गिक अधिकार होता है। सदन में महुआ के पक्ष में खड़े सदस्यों ने इस प्रक्रियागत त्रुटि की ओर ध्यान दिलाया परन्तु सम्भवत: उस कमेटी में ऐसा सायास किया था जिसमें भाजपा के सदस्यों का बहुमत है। वैसे भी इस मामले में एथिक्स कमेटी ने जिस प्रकार से सुनवाई की, उसमें कई तरह की खामियां हैं। जिस निशिकांत दुबे की ओर से यह शिकायत दर्ज की गई थी, उनका प्रतिपरीक्षण (क्रॉस एक्जामिनेशन) नहीं हुआ। इसके अलावा महुआ को अपनी बात कहने का अवसर भी नहीं मिला- न तो कमेटी के सामने और न ही लोकसभा में। इसमें सबसे बड़ी कमी तो यह है कि उनके पास से कोई नगदी या वे वस्तुएं बरामद नहीं हुई हैं, जिनके बारे में कहा गया कि सांसद ने इसके एवज में सवाल किये थे। यानी कि आरोप को सही साबित करने के लिये कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किये गये। फिर उनके खिलाफ आयकर, प्रवर्तन निदेशालय या सीबीआई तो दूर की बात है, पुलिस द्वारा भी अपराध दर्ज नहीं किया गया जो इसलिये होना था क्योंकि यह तो आपराधिक मामला बनता है।

बहरहाल, यह देश के सामने अब स्पष्ट हो गया है कि अदानी के बाबत प्रश्न पूछने का अर्थ है उसके लिये किसी को भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। खासकर, अगर वह ऐसे मंच से बोले जिससे अदानी को किसी भी तरह का नुकसान होने का अंदेशा हो। चूंकि संसद में उठाये जाने वाले मामलों की गूंज न केवल देश भर में वरन पूरी दुनिया में सुनी जाती है, मोदी सरकार के लिये ऐसी आवाज़ों को बन्द कराना बहुत आवश्यक हो जाता है। जब हिंडनबर्ग रिपोर्ट आई थी तो अदानी की कम्पनियों के शेयर रातों-रात नीचे गिर गये थे। जैसा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री सत्यपाल मलिक कह चुके हैं कि 'अदानी का पैसा मोदी का है और अदानी तो एक तरह से उनका मैनेजर है', यह कोई भला कैसे बर्दाश्त कर सकता है कि अदानी के बाबत कोई सवाल किये जायें?

जो कीमत पहले राहुल ने चुकाई वही अब महुआ को चुकानी पड़ रही है। जिस प्रकार पहले राहुल को सदन से निकालना मोदी व भाजपा को भारी पड़ा था, वैसे ही महुआ के मामले में भी होता दिखाई दे रहा है। सदस्यता जाने के बाद महुआ ने प्रेस के समक्ष मोदी को खुली चुनौती दी है कि वे बाहर भी अपनी लड़ाई जारी रखेंगी। जब वे मीडिया को सम्बोधित कर रही थीं, कांग्रेस की नेत्री सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबन्धन इंडिया के कई नेता उनके साथ मौजूद थे। वहीं टीएमसी की सुप्रीमो व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने भी इसे लेकर मोदी सरकार के प्रति गुस्सा दिखाया और बड़ी लड़ाई का ऐलान किया जो बताता है कि महुआ अकेली नहीं है। महुआ एपीसोड ने सम्पूर्ण विपक्ष को एक कर दिया है। पांच में से तीन (राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़) राज्यों में मिली पराजय के कारण जो कांग्रेस कमजोर दिख रही थी, इंडिया समेत वह फिर से सशक्त दिख रही है।

अब भी राहुल सख्त नहीं हुए तो गुडबाय, टाटा!

कहानी मत सुनो इनकी कहानी मालूम करो। तीन जीते हुए राज्यों को हारने के बाद कांग्रेस ने फटाफट इनकी समीक्षा बैठक कर ली। क्या नया निकला उसमें से? कुछ नहीं। जो खुद हार के जिम्मेदार हों वे क्या बताएंगे?

हम पहले भी कई बार लिख चुके हैं फिर लिख रहे हैं कि राहुल के पास नई कांग्रेस बनाने का मौका था। अब भी है। मगर वे खाली रिपेयर से काम चला रहे हैं। कांग्रेस के पास वह माध्यम ही खत्म हो गए हैं जिसके द्वारा वह अपनी बात लोगों तक पहुंचा पाए। जब मीडिया आपका साथ नहीं दे रहा। बल्कि यह कहना चाहिए कि पूरी तरह आपके खिलाफ है तो उसमें जाकर रोज अपना चेहरा दिखाने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करना चाहिए। यह प्राइवेट एजेन्सियां कांग्रेस इतना हायर करती है और पता नहीं कितना करोड़ों लेकर कांग्रेस को वह उतना ही हरवाती हैं जितना वह उनके बिना हार रही होती है। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि यह उम्मीदवारों का सर्वे, विज्ञापन, प्रचार करने का ठेका लेने वाले अगर नहीं होते तो कांग्रेस के कुछ उम्मीदवार ज्यादा ही जीतते। ये जीताने वाले चुनाव विशेषज्ञ नहीं होते पैसा कमाने वाले धंधेबाज होते हैं।

अगर इनके सर्वे के हिसाब से ही टिकट मिले तो फिर टिकट बेचने की शिकायतें कहां से आ गईं? इनके लड़के और लड़कियां जो फील्ड में जाते हैं वे कौन होते हैं। दूसरे समय में वे सेल के काउंटरों पर सेल्समेन और सेल्स गर्ल का काम करते हैं। उन्हें किसी प्रोडक्ट की क्वालिटी के बारे में मालूम नहीं होता वह तो जिस चीज को आप उठाकर देखने लगो उसको कहने लगते हैं कि हां अच्छी है। ऐसे ही यह सर्वे वाले क्षेत्र में जाकर जो उनसे मिल लेता है। सेवा सत्कार कर देता है उसे सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार बता देते हैं।

मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा सर्वे का हल्ला था। और कांग्रेस सबसे ज्यादा बुरी तरह मध्य प्रदेश में ही हारी है। छत्तीसगढ़ में तो कोई कह ही नहीं रहा था कि कांग्रेस हार भी सकती है। मगर अब वहां के अख़बार टिकट बेचने की खबरों से भरे पड़े हैं। कांग्रेस के नेता खुलेआम टिकट बेचने के आरोप लगा रहे हैं। राजस्थान मध्य प्रदेश में ऐसे ही आरोप लग रहे हैं।

कांग्रेस में यह तो पुरानी शिकायत है कि जितना पैसा उम्मीदवार को चुनाव लड़ने के लिए भेजा जाता है उसमें से बड़ा हिस्सा कमीशन के नाम पर काट लिया जाता है। लेकिन इस बार एक नई शिकायत और सुनने को मिली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के इंतजाम के लिए 25-25 लाख रुपए हर जगह भेजे गए थे। उसमें से आधे खर्च किए जाते थे और आधे बांट लिए जाते थे। कांग्रेसी पार्टी अध्यक्ष को भी नहीं छोड़ते!

राहुल को यह सब चीजें मालूम करना चाहिए। जैसे उम्मीदवारों के सर्वे के लिए कहते हैं तीन-तीन एजेन्सियों से करवाया गया। वैसे ही हर राज्य के लिए दो या तीन लोगों को पहुंचाना चाहिए। पार्टी के। इसके अलावा राहुल को अपने आफिस के लोगों से भी थोड़ा काम लेना चाहिए। उन्हें भी फील्ड में भेजना चाहिए कि क्या हुआ, क्या हो रहा है मालूम करके आएं। और तीसरे उन प्राइवेट एजेन्सियों से पूछना चाहिए जिन्हें इतना पैसा दिया है कि लिखित में बताओ कि क्यों हारे?

शकील अख्तर

> कांग्रेस बिना डंडे के नहीं मान सकती। भाजपा को चाहे जितनी आलोचना कांग्रेस करे। मगर आंख खोलकर यह देख ले कि वहां मोदी जी ने कैसा सबको सतर कर रखा है। एक हफ्ते से ज्यादा वक्त तक तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पर माथापच्ची होती रही। मगर क्या मजाल कि कोई चूं भी कर जाए। जब देश की सत्ताधारी पार्टी का हाल ऐसा है तो कांग्रेस का अतिउदारवाद जो दरअसल ढीलापन है कैसे चलेगा!

यह तीनों राज्य मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान हारने के नहीं थे। कांग्रेस जीती हुई बाजी हारी है। दोषी कौन है? वही जो जीत जाते तो इसका श्रेय लेते। मध्य प्रदेश में कमलनाथ, राजस्थान में गहलोत और पायलट एवं छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव। यही तो गाल बजाते। 2018 में यही तो किया था। राहुल को एक रत्ती जीत का श्रेय नहीं दिया था। अब हारे हैं तो मानें अपनी गलतियां। क्या किसी ने कहा कि मैं इस्तीफा देता हूं?

मैं अपना अहंकार, गुटबाजी में लगे रहना, आत्ममुग्धता स्वीकार करता हूं? तीनों राज्यों की रिव्यू मीटिंग हो गई। कहीं पश्चाताप के स्वर सुनाई दिए। दिग्विजय ने 2003 की हार के बाद दस साल तक कोई पद नहीं लिया था। क्या इनमें से कोई ऐसा है जो एक साल भी बिना पद के रह सके?

कांग्रेस बिना डंडे के नहीं मान सकती। भाजपा को चाहे जितनी आलोचना कांग्रेस करे। मगर आंख खोलकर यह देख ले कि वहां मोदी जी ने कैसा सबको सतर कर रखा है। एक हफ्ते से ज्यादा वक्त तक तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पर माथापच्ची होती रही। मगर क्या मजाल कि कोई चूं भी कर जाए। जब देश की सत्ताधारी पार्टी का हाल ऐसा है तो कांग्रेस का अतिउदारवाद जो दरअसल ढीलापन है कैसे चलेगा! महाजन येन गत:स पंथा: । इस समय का मार्ग यह ही है। और कांग्रेस भाजपा का क्यों माने? खुद उसकी नेता इन्दिरा गांधी सत्ता की मजबूत केन्द्र थीं। जिस राजस्थान में गहलोत और पायलट लड़ते रहे और राहुल कोई फैसला नहीं कर पाए। वहां इन्दिरा गांधी ने मोहनलाल सुखाडिया और हरिदेव जोशी जैसे नेताओं के बीच में से बरकतउल्लाह खान जैसे सामान्य कांग्रेसी को मुख्यमंत्री बना दिया था। और ऐसे ही जोशी और शिवचरण माथुर के झगड़े के बीच में से दलित जगन्नाथ पहाड़िया को मुख्यमंत्री बनाया था।

तो इन्दिरा ऐसे सख्त फैसले लेकर ही कांग्रेस की नेता बनी रह पाईं। हम उससे पहले 1969 का जिक्र नहीं कर रहे जहां इन्दिरा ने और कठिन फैसले लिए थे। इन्दिरा के टाइम में टिकट बेचने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता था। जैसे आज मोदी के समय में कोई सोच भी नहीं सकता। इतनी सख्ती तो जरूरी है। यूपी और बिहार में टिकट बेचने की हर बार कहानी आती है। और वहां कांग्रेस की हार का यह एक प्रमुख कारण है। मगर आज तक वह दलाल पकड़े नहीं गए।

क्या राहुल और प्रियंका को मालूम है कि कांग्रेस मुख्यालय में उनके बारे में कैसी बातें की जाती हैं। बाहर सोशल मीडिया, गोदी मीडिया और भाजपा के आईटी सेल में जो बातें आती हैं उनका उद्गम कांग्रेस से ही होता है। राहुल और प्रियंका की यह क्या मजबूरी है जो वे उपहास करने वाले चरित्रहनन करने वाले कांग्रेस के स्टाफ से लेकर पदाधिकारियों तक को सह रहे हैं? यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी के साथ लगा दिए गए किस आदमी की निष्ठा कहां है यह किसी को क्या मालूम है? कुछ हजारों पर बिक जाने वाले लोग करोड़ों तो छोड़िए लाखों पर क्या-क्या कर सकते हैं इसकी क्या कांग्रेस नेतृत्व को खबर है?

आज राज्यसभा सदस्य धीरज साहू की चर्चा है। कांग्रेस कहती है हमसे कोई मतलब नहीं। अच्छा तो फिर इसे राज्यसभा सदस्य किसने बनाया था? राहुल सिर्फ यही पूछ लें कि 2008 में किसके कहने से इसे राज्यसभा दी गई थी? सीधा मैसेज चला जाएगा कि राहुल सब जानना चाहते हैं। सब लाइन में आ जाएंगे।

बाकी कांग्रेस स्वतंत्र है। जैसे 2012 के बाद से एडाकहिज्म (तदर्थवाद) पर चल रही है। वैसे अपने खत्म होने तक चल सकती है। राजनीति में शून्य (वैक्यूम) तो होता नहीं। कोई दूसरी पार्टी जगह भर देगी। लेकिन अगर कांग्रेस नहीं सुधरी तो उसे 2024 लोकसभा में भी कोई उम्मीद नहीं रखना चाहिए। आधे अधूरे मन से राजनीति करने का अब समय नहीं है। यह सोनिया गांधी और वाजपेयी के दौर में चल गया। अब मोदी का समय है। कठिन समय। अव्यवस्थित, अनुशासनहीन, निजी स्वार्थों में घिरी फौज के सहारे राहुल मोदी के एकछत्र नेतृत्व से नहीं लड़ सकते।

सख्ती करना होगी। सख्त दिखना होगा। अंग्रेजी का मुहावरा है हेड्स विल रोल! सिर लुढ़कते हुए दिखना चाहिए। मतलब शाब्दिक नहीं। मतलब यह है कि गुनाहगार सज़ा पाते हुए दिखना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

इंडिया ब्लॉक में अभी भी है भाजपा से मुकाबले की क्षमता

■ **नित्य चक्रवर्ती**

राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि कांग्रेस ने तीन हिंदी भाषी राज्यों - मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया है, जैसा कि राष्ट्रीय मीडिया में प्रस्तुत किया जा रहा है। दरअसल 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इन तीन राज्यों की कुल 65 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 2023 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपनी स्थिति में काफी सुधार किया है, हालांकि उम्मीदों से वह अभी भी काफी कम है।

इसका मतलब यह है कि आने वाले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस और उसके सहयोगियों का काम कठिन हो गया है, लेकिन फिर भी यह एक मुकाबले की दौड़ बनी रहेगी, बशर्ते विपक्षी इंडिया गठबंधन में सहयोगी राजनीतिक पार्टियां राज्य चुनाव परिणामों से सही सबक ले, सुधारात्मक उपाय करे, और व्यापक चुनावी दंगल में कूद पड़े। साथ ही लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को आकर्षित करने वाले कार्यक्रम के साथ आधारित जन अभियान चलाये।

विपक्षी दलों के लिए अभी समय महत्वपूर्ण है। जैसे कि संकेत मिल रहे हैं, लोकसभा चुनाव इस साल मार्च और अप्रैल में होने की संभावना है। पूरी संभावना है कि घोषणा फरवरी के दूसरे सप्ताह में की जायेगी और मतदान मार्च 2024 के दूसरे सप्ताह से शुरू होगा। 2019 में, चुनाव की घोषणा 10 मार्च को की गई थी, मतदान 11 अप्रैल को शुरू हुआ और 19 मई को सात चरणों में समाप्त हुआ। परिणाम 23 मई को घोषित किये गये।

> भाजपा की इस बड़ी चुनौती का सामना करते हुए, इंडिया गठबंधन को बिना समय गंवाये पूरी एकजुट ताकत के साथ महासंग्राम के लिए खुद को तैयार करना होगा। दरअसल, लोकसभा चुनाव का पहला चरण शुरू होने में महज तीन महीने बचे हैं। सीट बंटवारे की व्यवस्था और अभियान कार्यक्रम पर निर्णय लेने के लिए बैठक न करके इंडिया ब्लॉक द्वारा काफी समय बर्बाद किया गया है। राज्य चुनावों के बाद पहली पूर्ण बैठक अब इस महीने के तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व के लिए, 2019 के कार्यक्रम की तुलना में लोकसभा चुनावों को एक महीने पहले करना दो कारकों पर आधारित है। सबसे पहले अगले साल 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया जायेगा। उद्घाटन का संदेश पूरे देश में पहुंचाने के लिए भाजपा और संघ परिवार ने पहले ही बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की घोषणा कर दी है। आरएसएस द्वारा निर्देशित यह अभियान 2024 के लोकसभा चुनावों के अभियान के साथ-साथ देश के दूरदराज के हिस्सों तक अपनी पहुंच बनायेगा।

दूसरा, नरेंद्र मोदी सरकार 2024-25 के लिए अंतरिम बजट फरवरी के पहले सप्ताह में पेश करने वाली है, संभवत: 1 फरवरी को। प्रधानमंत्री महिलाओं, युवाओं और आदिवासियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के सलाहकार प्रस्तावित योजनाओं की संरचना पर काम कर रहे हैं जिनमें लक्षित आबादी के बीच तुरंत प्रभाव डालने की क्षमता हो सकती है। इसलिए हिंदुत्व और कल्याणवाद का यह संयोजन जिसने प्रधानमंत्री और भाजपा को नवीनतम राज्य विधानसभा चुनावों में अच्छा लाभांश दिया है, 2024 के चुनावों में मतदाताओं से अधिकतम समर्थन प्राप्त करने के लिए इसे और अधिक तेज और केंद्रित किया जायेगा।

भाजपा की इस बड़ी चुनौती का सामना करते हुए, इंडिया गठबंधन को बिना समय गंवाये पूरी एकजुट ताकत के साथ महासंग्राम के लिए खुद को तैयार करना होगा। दरअसल, लोकसभा चुनाव का पहला चरण शुरू होने में महज तीन महीने बचे हैं। सीट बंटवारे की व्यवस्था और अभियान कार्यक्रम पर निर्णय लेने के लिए बैठक न करके इंडिया ब्लॉक द्वारा काफी समय बर्बाद किया गया है। राज्य चुनावों के बाद पहली पूर्ण बैठक अब इस महीने के तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है। इस बैठक में चुनावी रणनीति की प्रक्रिया शुरू होनी है ताकि 2024 के चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए सहयोगियों के बीच अधिकतम एकता हासिल की जा सके।

एक बात का ध्यान रखना होगा। वन ऑन वन फॉर्मूला राष्ट्रीय स्तर पर लागू नहीं होता। यह राज्य विशिष्ट होना चाहिए। वहां पहले से ही एक निर्धारित पैटर्न मौजूद है। नवीनतम घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए इसे परिष्कृत किया जाना चाहिए। सीट बंटवारे की बातचीत पहले राज्य स्तर पर शुरू की जानी है लेकिन इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कुछ केंद्रीय कोर टीम की आवश्यकता है क्योंकि राज्य स्तर पर प्रत्येक राजनीतिक दल के नेता को अपनी पार्टी के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखना होगा, इसलिए मतभेद स्वाभाविक होंगे। राज्य इकाइयों को केंद्रीय निर्देश से ही इससे बचा जा सकता है।

सीट बंटवारे के फॉर्मूले की बारीकियों की बात करें तो राज्यों को तीन व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है- पहला, वे राज्य जहां कांग्रेस भाजपा से लड़ने वाली मुख्य राजनीतिक पार्टी है, दूसरे, वे राज्य जहां क्षेत्रीय दल मुख्य चुनौती दे सकते हैं, और तीसरा जहां पहले से ही इंडिया गठबंधन की पार्टियों का गठबंधन काम कर रहा है। इसके अलावा, उत्तरपूर्व के राज्यों और जम्मू और कश्मीर भी हैं जो एक अलग श्रेणी के हैं।

जहां तक पहली श्रेणी का संबंध है, कांग्रेस इंडिया गुट में प्रभुत्व वाली पार्टी है। इसलिए, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल, हरियाणा, कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा में हालिया विधानसभा चुनावों से सबक लेते हुए कांग्रेस मध्य प्रदेश में सपा और राजस्थान में सीपीआई (एम) के साथ कुछ समायोजन के बारे में सोच सकती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में कांग्रेस सीपीआई के साथ कुछ समायोजन कर सकती है। लेकिन यह ध्यान में रखना होगा कि इंडिया गठबंधन की अन्य पार्टियाँ अपने-अपने समर्थन आधार के मामले में इन राज्यों में बहुत छोटी हैं। गैर-कांग्रेसी दलों को अपनी मांगों के मामले में व्यावहारिक होना चाहिए।

ओडिशा में कांग्रेस सीपीआई और सीपीआई (एम) के साथ तालमेल बिठा सकती है। दोनों वाम दलों के साथ यह गठबंधन राज्य में बीजद और भाजपा दोनों से लड़ने में भारतीय गुट के लिए मददगार होगा। ओडिशा में भाजपा फिर से उभरने की संभावना रखती है। यदि संभव हो तो कुछ सीमांत सीटों पर भाजपा को हराने के लिए बीजद के साथ भी समझौता किया जा सकता है।

दूसरी श्रेणी के राज्यों में, बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस भाजपा के लिए निर्विवाद रूप से मुख्य चुनौती है। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा राज्य में भाजपा और टीएमसी दोनों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। अब सवाल यह है कि क्या कांग्रेस टीएमसी के साथ गठबंधन करेगी या सीपीआई (एम) नेतृत्व वाले फ्रंट के साथ रहेगी। कांग्रेस को इस पर जल्द फैसला करना चाहिए। किसी भी स्थिति में, बंगाल में ममता बनर्जी 2024 के चुनावों में भाजपा की लोकसभा सीटों को 2019 के 18 के आंकड़े से काफी कम करने की स्थिति में हैं।

दिल्ली और पंजाब आम आदमी पार्टी द्वारा शासित दो राज्य हैं जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। पंजाब में भाजपा की हालत खराब है लेकिन दिल्ली में वह फिर से उभर रही है। दिल्ली में भाजपा को हराने के लिए आप और कांग्रेस का गठबंधन बेहद जरूरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सभी सात सीटें मिली थीं।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश में, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव राज्य में भाजपा विरोधी लड़ाई में प्रमुख व्यक्ति हैं, जो लोकसभा में 80 सांसद भेजता है। इस बार उत्तर प्रदेश से इंडिया गठबंधन को अपने सांसदों की संख्या बढ़ना जरूरी है। सपा को अपना एक मोर्चा मिल गया है और वह कांग्रेस द्वारा सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू होने का इंतजार कर रही है। कांग्रेस को जमीन पर अपनी वास्तविक ताकत के आधार पर बातचीत करनी होगी। पार्टी को यह समझाना होगा कि उसे जीत के लिए सपा पर निर्भर रहना होगा। इंडिया ब्लॉक को उत्तर प्रदेश में सफल सीट बंटवारे की व्यवस्था के लिए शरद पवार या नीतीश कुमार जैसे किसी अनुभवी को नियुक्त करना चाहिए। भाजपा ने 2024 चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश से 75 सीटों का लक्ष्य रखा है। इंडिया ब्लॉक को इस आंकड़े को काफी हद तक कम करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिकतम भाजपा विरोधी वोट इंडिया पार्टियों को जायें।

केरल में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ एक-दूसरे के खिलाफ लड़ेंगे। वहां भाजपा कमजोर है। केरल से लोकसभा में उसकी एक भी सीट नहीं है। सभी 20 सीटें इंडिया ब्लॉक को मिलेंगी, भले ही किसी भी मोर्चे को मिलें।

तीसरी श्रेणी के लिए, भारत के नेतृत्व वाली पार्टियों के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारें तमिलनाडु, बिहार और झारखंड में काम कर रही हैं। गठबंधन का पैटर्न तय है, केवल मामूली समायोजन किया जा सकता है। बिहार में महागठबंधन को सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को कम से कम दो सीटें और सीपीआई को एक सीट देने पर विचार करना होगा। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव दोनों लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक को ज्यादा से ज्यादा सीटें दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन पर भरोसा किया जा सकता है। तमिलनाडु और झारखंड दोनों ही राज्यों में सीट बंटवारे को लेकर कोई दिक्कत आने की उम्मीद नहीं है।

चूंकि 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार का समय कम है, इसलिए इंडिया ब्लॉक को जल्द से जल्द अपने सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम के आधार पर एक संयुक्त अभियान की संभावना तलाशनी चाहिए। वास्तव में, कांग्रेस को दूसरी भारत जोड़ो यात्रा को इंडिया ब्लॉक की ओर से लोकसभा मतदाताओं के लिए जरूरी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाली यात्रा में बदलने के बारे में सोचना चाहिए। जनता में यह धारणा होनी चाहिए कि इंडिया गठबंधन की पार्टियां एक साथ हैं और एक साथ रहेंगी। एकजुट होकर हम उठते हैं, विभाजित होकर हम गिरते हैं। इसे लोकसभा चुनाव से पहले शेष महीनों के दौरान इंडिया गठबंधन की पार्टियों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

गुरवाणी विचार

तुम करो दया मेरे साईं

काम, क्रोध, लोभ, झूठ, निंदा-इन ते आप छड़ावहो।
इह भीतर ते इनको डारहो, आपन निकटि बुलावहो।
अपनी विधि आप जनावहो, हरि जन मंगल गावहो।
बिसर नाही कबहुं हीये ते इह विधि मन माहि पावहो।
गुरु पूरा भेटिओ वडभागी जन नानक कतहि धाहो।

गुरवाणी की यह पंक्तियां सोरठ राग से ली गई है जो गुरुग्रंथ साहिब के 617 अंग पर सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवें नानक अर्जुन देवजी समस्त मानवों की तरफ से प्रभु परमात्मा से प्रार्थना कर रहे हैं कि हे प्रभु काम, क्रोध,लोभ, झूठ, निंदा इत्यादि जो बेकार हैं। इन सब से मुझे छुड़ा कर अपने चरणों में ले लेवें। ये पांच विकार हमें अपने वश में करना चाहते हैं और हर वक्त हम पर हावी होते रहते हैं। इनसे पूर्णरूप से तो छुटकारा नहीं पाया जा सकता पर प्रभु कृपा हो जाने पर इन पर काबू पाया जा सकता है और यह संभव भी तभी है जब प्रभु परमात्मा की हम पर विशेष कृपा हो जाए। थोड़े-थोड़े रूप में हमें इन विकारों की भी जरूरत रहती है। अपने और अपने परिवार का उदर-पोषण करने हेतु धन की आवश्यकता होती है इसलिए लोभ और मोह थोड़ी मात्रा में जरूरी है अगर हम बिलकुल शांति से रहना चाहेंगे तो दुनिया हमें जीने नहीं देगी सांप अगर शांत रहे तो लोग पत्थर मार-मार कर अधमरा कर देंगे। इसलिए उसको भी फुंफकारना पड़ता है। अपनी रक्षा करने हेतु इसलिए हमें भी थोड़ी मात्रा में क्रोध की आवश्यकता होती है पर अधिक क्रोध अच्छा नहीं होता। इसलिए प्रभु परमात्मा से प्रार्थना करते रहना चाहिए इन पांचों बटमारों को हम तभी वश में कर पाएंगे जब हम पर प्रभु परमात्मा की कृपा हो जाएगी। इसलिए हमें प्रभु परमात्मा अपना वरदहस्त रख देवें ताकि हम इनसे निजात पा लेवें।

तुम करो दया मेरे साईं,
ऐसी मति दीजै मेरे ठाकुर
सदा सदा तुझ घिआई।

प्रभु परमात्मा अपने भक्तों की स्वयं देखरेख करते रहते हैं और उन्हें प्रेरणा देते रहते हैं कि वे इस तरह साध संगत में जाकर प्रभु सिमरन में मन रमाएं।

अपने सेवक की आपे राखे आपे नाम जपावें।
जै जै कार किरत सेवक की ताहि ताहि उठ धावैं।

इस समस्त संसार की रचना प्रभु परमात्मा ने की है और रचना करने के बाद हर एक में विराजमान रहकर अपनी-अपनी गतिविधि का निरीक्षण करता रहता है। सुनार सोने के गहने बनाने तक या उसके बिकने तक ही उसमें मोह रखता है पर पभु अपनी रचना के अंदर हर वक्त बिराजमान रहता है।

घटि घटि में हरि जी औ बसे संतन कहयो पुकार।

इसलिए हमें चाहिए कि हम हर वक्त उस प्रभु परमात्मा की सिफत सलाह के गीत गाते रहें अर्थात उसकी सिमरन बंदगी में जुड़े रहें पर हमारे बहुत ही अच्छे भाग्य हों तभी हमारे मन की ऐसी स्थिति बन पाएगी। जब हमारे मन से मैं मैं की भावना खत्म हो जाएगी और जो किछ किया सो तूं किया ऐसी स्थिति बन जाएगी तभी हमारा कल्याण हो पाएगा। इसी बात को भक्त कबीर दास जी इस तरह समझा रहे हैं-

कबीर मैं मैं करता तूं हुआ।
मुझमें रहा न मुआ।।
जब आपा परका मिट गया जहां देखां तां तूं।।

इसलिए हमें मानव जीवन पाने का पूर्णरूप से लाभ उठाते हुए सब तरफ से ध्यान हटाकर प्रभु सिमरन में मन लगाए रखना चाहिए। अपना और अपने परिवार का उदर पोषण हेतु कार-विहार भी करना है। पर मन हर वक्त प्रभु परमात्मा से जोड़े रखना है।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

शराब कारोबारी और राज्यसभा सांसद से अकूत संपति मिलना आश्चर्यजनक

भ्रष्टाचार में डूबे और अकूत संपति के मालिक की करतूत देश ने अपनी आंखों से देखी है। तीन सौ करोड़ से ज्यादा के कैश गिन चुके आयकर अधिकारियों को और नकद मिले हैं जिसकी गिनती और आगे चलेगी। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाना चाहते हैं। भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों की आंखों में धूल झोंककर तिजोरियां भरने वाले की देश में कमी नहीं है। सरकारी फरमान आते ही टैक्स चोरी की रकम सरकार को लौटानी ही पड़ती है। धीरज साहू ने हलफनामे में अपनी संपति का हवाला देते हुए 34.83 करोड़ रुपए बताया था। जांच एजेंसियों ने इस पर संज्ञान लेकर कई सबूतों के बाद उनके हर जगह रेड कर अकूत संपति पकड़ी है। जिस पार्टी के साथ तालुक है उसने सफाई में एक शब्द नहीं बोला है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद की मोटी रकम पकड़ी गई है उसके बाद कांग्रेस ने धीरज साहू के बारे में एक शब्द तक नहीं बोला है। धीरज साहू कांग्रेस की छत्रछाया में राज्यसभा पहुंच गए। दो नम्बर की अकूत संपति एकत्रित कर टैक्सचोरी करने वाले धीरज साहू को पुलिस संरक्षण की आवश्यकता होने के कारण राज्यसभा सदस्य बने हैं। क्योंकि ऐसे नेता बनकर सरकार से सुरक्षा प्रदान कर लेते हैं। झारखंड में पूजा के यहां से 17 करोड़ की नकदी मिली थी। पार्थ चटर्जी की महिला मित्र के यहां से 50 करोड़ की रकम मिली थी। ये तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी की पार्टी से जुड़े हुए थे। उनके पास महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जांच एजेंसियों ने बरामद किए थे। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हुआ है। ये सफाई देकर अपने आप को ईमानदार बताते हैं लेकिन इन लोगों से बेईमान कोई है जो देश में भ्रष्टाचार की वैतरणी पार करने में आगे रहते हैं। कारोबार करने से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन आयकर नहीं चुकाने वाले को क्या नाम दिया जाए?

ज्वालामुखी से सूर्य के तापमान को कम करने का उपाय मिला

धरती के तापमान को कम कर जलवायु परिवर्तन पर काबू पाने के लिए हमारे वैज्ञानिक एड़ी चोटी का जोर लगाकर प्रयास में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। सूर्य की गर्मी से धरती को बचाने की पहल करके वैज्ञानिक सिद्धि प्राप्त करने में सफ़ल होते जा रहे है। 2022 से धरती पर 1.26डिग्री तापमान बढ़ने से जीवन दूभर होता जा रहा है। यहां तक पशु-पक्षियों की हालत खराब हो गई थी। गर्मी के कारण पशुजगत की भी हालत बहुत खराब हुई, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है।वैज्ञानिकों की यह बड़ी सिद्धि की और बढ़ते कदम है। यह सिद्धि दुनिया के ललाट पर लिखने जा रहे हैं। धरती के तापमान को घटाने की खबर पढ़ने-सुनने से तर्कवादी सड़क पर आ जाते हैं लेकिन यह सत्य और मानने योग्य इसलिए है कि यह दुनिया के महान वैज्ञानिकों की सिद्धि है। कदम-कदम पर शोधकर्ताओं द्वारा उपलब्धि हासिल कर सफलता हासिल की है। इस पर वैज्ञानिक स्तर पर बहुत विचार विमर्श हो रहा है। इस पर शोध कार्य चल रहा है। ज्वालामुखी फटने से इसका आइडिया आया था जिससे वैज्ञानिकों ने शोध शुरू कर दी है। इसमें सफलता के करीब हैं। बढ़ते तापमान पर शोधकर्ताओं का विचार है कि 2030 तक धरती का तापमान 2.5 डिग्री तक बढ़ सकता है। इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटने की घटना सामने आई थी। 1815 में घटना घटित हुई थी और दूसरी घटना 1991 की साल में फिलीपाइन्स में बनी थी। ज्वालामुखी फटने के बाद थोड़े समय मे ग्लोबल टेम्परेचर घटा था। ज्वालामुखी विस्फोट होता है तो वायुमंडल में जम जाता है। ज्वालामुखी विस्फोट करके आर्टिफिशियल घुमस पैदा करने में वैज्ञानिक सफल होते दिखाई दे रहे हैं जिससे धरती की गर्मी को कम किया जा सकता है। बढ़ते तापमान से धरती पर जनजीवन पर सीधा असर पड़ता है। दूसरी तरफ अनहोनी की संभावना है। दुनियाभर की प्रजाति अपने-अपने स्तर बदलाव की तरफ बढ़ रही है। विश्व के वैज्ञानिक इस उपलब्धि की तरफ कदम बढ़ा चुके हैं।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

ईरान में मिनी रिफाइनरी में लगी भीषण आग

तेहरान। ईरान के दक्षिण खुरासान प्रांत में एक तेल रिफाइनरी में रविवार सुबह भीषण आग लग गई, जिससे कई गैस भंडारों में एक साथ विस्फोट हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अर्ध-आधिकारिक तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि स्थानीय समय के अनुसार सुबह 8:45 बजे मिनी-रिफाइनरी के जलाशयों में से एक में आग लग गई। जब अग्निशामक अजरन सनात बरसावा कंपनी की रिफाइनरी में आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे, तो यह आसपास के अन्य भंडारों में फैल गई, जिससे उनमें एक साथ विस्फोट हो गया।

अमेरिका के गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर वीटो करने से कई देश निराश

संयुक्त राष्ट्र, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस मसौदा प्रस्ताव को

■ मसौदा प्रस्ताव में गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम की मांग की गई थी

वीटो करने के बाद कई देशों ने वाशिंगटन के कृत्य पर निराशा और खेद जताया। मसौदा प्रस्ताव में गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम की मांग की गई थी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी

प्रतिनिधि झांग जून ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हम बहुत निराशा और खेद व्यक्त करते हैं कि मसौदे को अमेरिका ने वीटो कर दिया है। झांग ने कहा, दो महीने की लड़ाई में पहले ही अभूतपूर्व मात्रा में मौतें और विनाश हुआ है और तत्काल युद्धविराम सबसे बड़ी शर्त है। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के स्थायी पर्यवेक्षक रियाद एच. मंसूर ने बताया कि यह बेहद अफसोसजनक और विनाशकारी है कि परिषद को अपनी जिम्मेदारी निभाने से रोका गया। संयुक्त राष्ट्र में संयुक्त अरब अमीरात के उप स्थायी प्रतिनिधि मोहम्मद अबूशाहब ने इसके परिणाम पर गहरी निराशा व्यक्त की। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह निराशाजनक परिणाम उनके देश को परिषद के सदस्यों से कार्रवाई करने और गाजा में हिंसा को समाप्त करने के लिए आग्रह करने से नहीं रोकेगा। संयुक्त राष्ट्र में रूस के पहले उप स्थायी प्रतिनिधि दिमित्री पोलांस्की ने कहा कि आज का दिन मध्य पूर्व में सबसे काले दिनों में से एक बन जाएगा, क्योंकि अमेरिका ने एक बार फिर युद्धविराम के आह्वान को रोक दिया है। संयुक्त राष्ट्र में फ्रांस के स्थायी प्रतिनिधि निकोलस डी रिवियेर ने कहा कि उन्होंने मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। उन्होंने कहा कि फ्रांस संकट के सभी पहलुओं पर परिषद को पूरी तरह से सक्रिय करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा, चाहे वह सुरक्षा, मानवीय या राजनीतिक हो। संयुक्त राष्ट्र में जापान के स्थायी प्रतिनिधि इशिकाने किमिहिरो ने कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल ने मसौदे के पक्ष में मतदान किया।

हमास के लोगों ने दक्षिण गाजा में आत्मसमर्पण किया

तेल अवीव। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को दावा किया कि हमास के दर्जनों लोगों ने दक्षिण गाजा में उसके समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आईडीएफ के सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान हमास के लोगों ने खुलासा किया कि उनके पास आत्मसमर्पण करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था क्योंकि उनके नेतृत्व ने उन्हें छोड़ दिया था। आईएएनएस ने शनिवार को खबर दी थी कि हमास नेता याह्या सिनवार अपनी पहचान छिपाकर एक मानवीय काफिले में उत्तरी दिशा से दक्षिण गाजा भाग गया था। जबल्या और खान यूनिस में नग्न आतंकवादियों की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही हैं और आईडीएफ सूत्रों ने संकेत दिया है कि आईडीएफ याह्या सिनवार और मोहम्मद दीफ के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आत्मसमर्पण करने वाले लोगों से विस्तृत पूछताछ कर रहा है, जिन्हें 7 अक्टूबर के नरसंहार का मास्टर माइंड माना जाता है।

गाजा पर रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच नेतन्याहू ने पुतिन से बात की

तेल अवीव। गाजा में इजरायल-हमास युद्ध को लेकर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की। इजराइली पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री ने पुतिन से करीब पचास मिनट तक बात की। हाल ही में न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में रूसियों ने एक प्रस्ताव का समर्थन किया था, जिसमें गाजा में युद्धविराम और शांति का आह्वान किया गया था, जबकि अमेरिका ने प्रस्ताव पर वीटो कर दिया था और ब्रिटेन मतदान से अनुपस्थित रहा था।

सुडोकू 6402

					5		4	
		5		4		6		
4	3	8	2					
				2			6	
7		3				1		2
	4			8				
					2	7	9	4
		2		3		5		
	6		7					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6402

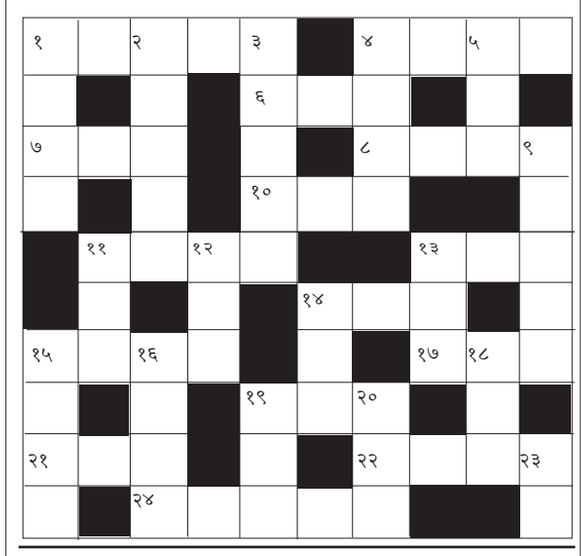

बायें से दायें:-

१. विवाह की एक रस्म
४. निरपराध, निर्दोष (उर्दू)
६. छुटकारा, मुक्ति (उर्दू)
७. जन्म देना, जनन
८. धनी, समृद्ध
१०. दहाड़
११. वीरान, निर्जन
१३. शिशु की अवस्था, बाल्यकाल
१४. ढीला, सुस्त
१५. चौकन्नापन, जागरुकता
१७. कबीर के पदों का संग्रह
१८. ध्वनि, शब्द
२१. बाजगरी
२२. गणेश
२४. राजा, सम्राट (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. निस्तेज, मुरझाया हुआ
२. झूठी बात
३. विवाह करना
४. जो लेन-देन के मामले में खरा न हो (उर्दू)
५. नाव खेने वाला, नाविक (उर्दू)
९. खून बढ़ाने वाला
११. कमल
१२. राहित्य
१३. पार्वती, पर्वतपुत्री
१४. उलाहना (उर्दू)
१५. सर्वविदित, सबके सामने (उर्दू)
१६. बड़ा हाथी
१८. डांट, फटकार
१९. दखलंदाजी
२०. स्थान (उर्दू)
२३. देवदूत (उर्दू)

वर्ग पहेली-6401

१ आ	प	२ बी	ती	■	■	३ से	ना	४ प	ति
श्वा	■	न	■	५ अ	पि	तु	■	वि	■
६ स	ब	ब	■	व	■	बं	■	७ त्र	८ प
न	■	जा	■	९ सं	ड़ा	ध	■	■	र्थ
■	१० पा	ना	११ गा	र	■	■	१२ ला	ल	सा
■	की	■	र	■	१३ इ	ला	ज	■	र
१४ न	जा	१५ क	त	■	त्या	■	■	१६ सा	१७ थी
शे	■	र्ज	■	१८ वि	दि	१९ त	■	ई	■
२० म	र्या	दा	■	का	■	२१ र	स	दा	२२ र
न	■	२३ र	क्त	स	मू	ह	■	■	ब

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 11 दिसम्बर, 2023 अगहन कृष्ण पक्ष 14

राशिफल

मेष - आज के दिन का आरंभ बहुत अच्छा होगा। शारीरिक और मानसिक आरोग्य अच्छा बना रहेगा। दोपहर के बाद नए काम करने की सलाह आपको नहीं दी जाती है। वाणी और व्यवहार पर संयम बरतें।

वृषभ - व्यापार में यश और सफलता मिलेगी। साथी कर्मचारियों का पूरा सहयोग आपको मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा। विरोधियों को पीछे छोड़ पाएंगे। दोपहर बाद मनोरंजन में आपका ध्यान रहेगा।

मिथुन - आज का आप का दिन किसी खास चर्चा में गुजर सकता है। आप अपनी कल्पनाशक्ति से कुछ नया कर पाने में समर्थ रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से खुश रह सकते हैं।

कर्क - हताशा से आप थोड़े चिंतित रहेंगे। इस कारण शारीरिक रूप से आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। प्रवास के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। जमीन और वाहनों से जुड़ी समस्या आपको हो सकती है।

सिंह - आज व्यापार या नौकरी के लिए कोई छोटी यात्रा हो सकती है। विदेश से कोई अच्छे समाचार मिलेंगे। धन लाभ होगा। नए काम के लिए अच्छा समय है। किसी लाभदायक निवेश में आप रुचि ले सकते हैं।

कन्या - आज आपके मन में किसी बात को लेकर दुविधा बनी रहेगी। कोई नया काम शुरू ना करें। ज्यादातर समय मौन बने रहें, इससे विवाद होने से बच जाएगा। परिजनों के साथ बातचीत में संयम बरतें।

तुला - आज आपकी रचनात्मकता से कोई कठिन काम आसान बना पाएंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे। विचारों में दृढ़ता बनी रहेगी। नए वस्त्र, आभूषण या मनोरंजन के पीछे धन खर्च होगा।

वृश्चिक - आपका उग्र और असंयमित व्यवहार आपको समस्या में डाल सकता है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ कोई अनहोनी हो सकती है, उनका ध्यान रखें। दोपहर के बाद शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य में दिक्कत रहेगी।

धनु - व्यावसायिक क्षेत्र में आज आपके लिए लाभकारी दिन है। जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। काम में पदोन्नति होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम होगा। व्यापारीवर्ग को भी लाभ होगा।

मकर - आज का दिन मैरीड कपल के लिए आनंदमयी रहेगा। परिजनों के साथ खुशी का वातावरण बना रहेगा। व्यवसाय में पदोन्नति के योग हैं। व्यवसाय में अनुकूल समय है। नौकरी में साथी कर्मचारियों का साथ मिलेगा।

कुंभ - आज के दिन बौद्धिक काम, नए सृजन और साहित्यिक गतिविधि में आप उलझे रहेंगे। नए काम की शुरुआत आज कर सकते हैं। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। व्यापार में लाभ का अवसर मिलेगा।

मीन - आज आपको वाणी में संयम रखने की सलाह दी जाती है। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहना होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आध्यात्मिक उन्नति के लिए दिन अच्छा है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से अमेरिकी लोकतंत्र को खतरा : बाइडेन

वाशिंगटन, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि देश में राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर दिया है। श्री बाइडेन ने लॉस एंजिल्स में एक स्वागत समारोह में कहा, मेरा मानना है कि अमेरिकी लोकतंत्र का भविष्य दांव पर है। वस्तुत:, सब कुछ दांव पर है। मैं स्पष्ट कर दूं डोनाल्ड ट्रम्प देश के लिए कई खतरा पैदा करते हैं, चुनने के अधिकार से लेकर नागरिक अधिकारों से लेकर मतदान के अधिकार और दुनिया में अमेरिका की स्थिति तक। लेकिन ट्रम्प ने जो सबसे बड़ा खतरा पैदा किया है, वह हमारे लोकतंत्र के लिए है, क्योंकि अगर हम इसे खो देते हैं, तो हम सब कुछ खो देते हैं। श्री बाइडेन ने सप्ताह की शुरुआत में मैसाचुसेट्स में बोस्टन रिसेप्शन में कहा कि अगर श्री ट्रम्प ने फिर से प्रचार करने का फैसला नहीं किया तो उन्हें यकीन नहीं था कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में भाग लेंगे। 'द वॉल स्ट्रीट' जर्नल ने कल एक सर्वेक्षण प्रकाशित किया, जिसके अनुसार 53 प्रतिशत अमेरिकी मतदाताओं ने कहा कि श्री बाइडेन की नीतियों ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से नुकसान पहुंचाया है।

भारतीय नौसैनिक जहाज 'सुमेधा' केन्या के लामू बंदरगाह पहुंचा

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। अफ्रीका में चल रही लंबी दूरी की तैनाती के एक हिस्से के रूप में, भारतीय नौसेना जहाज सुमेधा केन्या के लामू बंदरगाह पर पहुंचा है। नौसेना का यह जहाज आधुनिक हथियारों व उन्नत उपकरणों से लैस है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह आगमन केन्या में हाल ही में विकसित बंदरगाह पर किसी भी भारतीय नौसेना जहाज द्वारा प्रथम बंदरगाह कॉल का प्रतीक है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पोर्ट कॉल के दौरान, दोनों नौसेनाओं के कर्मी पेशेवर बातचीत, डेक दौरे और खेल आदान-प्रदान की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल होंगे। इसका उद्देश्य आपसी सहयोग को बढ़ाना और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है। यात्रा के हिस्से के रूप में एक संयुक्त योग सत्र, डेक रिसेप्शन, चिकित्सा शिविर और एक समुद्री साझेदारी अभ्यास की योजना बनाई गई है। भारतीय नौसेना जहाज (आईएनएस) सुमेधा भारतीय नौसेना की स्वदेशी रूप से विकसित सरयू-श्रेणी की तृतीय श्रेणी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 7 मार्च, 2014 को शुरू किया गया यह जहाज स्वतंत्र रूप से और बेड़े के संचालन के समर्थन में कई भूमिकाओं के लिए तैनात किया गया है। यह जहाज हथियारों और सेंसरों की एक श्रृंखला से सुसज्जित है और बहु-भूमिका वाले हेलीकॉप्टर वहन करने की क्षमता रखता है। यह विशाखापत्तनम स्थित भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का हिस्सा है और फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान के परिचालन कमान के अन्तर्गत कार्य करती है।

■ नौसेना का यह जहाज आधुनिक हथियारों व उन्नत उपकरणों से है लैस

भारतीय नौसेना के जहाजों को भारतीय नौसेना के 'मित्रता के संबंध' बनाने और मित्र देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के मिशन के हिस्से के रूप में नियमित रूप से समुद्र पार के देशों में तैनात किया जाता है।

बीएनपी ने मांगों को लेकर 12 दिसंबर से 36 घंटे की नाकेबंदी का ऐलान किया

ढाका, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने गैर-पार्टी अंतरिम सरकार के तहत चुनाव सहित अपनी मांगों पर दबाव बनाने के लिए 12 दिसंबर से 11वें दौर की नाकाबंदी का आह्वान किया है। द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीएनपी के संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिज़वी ने कहा कि नाकाबंदी 12 दिसंबर (मंगलवार) को सुबह 6 बजे शुरू होगी और अगले दिन शाम 6 बजे समाप्त होगी।

11वें दौर की नाकाबंदी का आह्वान किया

नाकाबंदी के दौरान एम्बुलेंस, ऑक्सीजन ले जाने वाले वाहन और प्रेस वाहनों को छूट दी जाएगी। पुलिस के साथ झड़प के दौरान गिरफ्तार किए गए बीएनपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को रिहा करने, एक गैर-पार्टी अंतरिम सरकार के तहत चुनाव कराने के लिए अवामी लीग सरकार पर दबाव बनाने के लिए नाकाबंदी का आह्वान किया जा रहा है।

रिजवी ने आरोप लगाया कि अवामी लीग सरकार अपने तरीके से चुनाव कराना चाहती है और इसीलिए वह हमारे मानव श्रृंखला कार्यक्रम में बाधा डाल रही है और कार्यकर्ताओं पर अत्याचार कर रही है। बीएनपी ने रविवार को मानव श्रृंखला कार्यक्रम बुलाया, जिसमें पार्टी के शीर्ष नेताओं और राजनीतिक हत्याओं के पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया। बांग्लादेश में चुनाव 7 जनवरी 2024 को होने हैं।

पेरू में सड़क दुर्घटना में 5 की मौत, 30 घायल

लीमा, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। पेरू के दक्षिणी प्रांत केयलोमा में शुक्रवार रात एक बस दुर्घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रेयना ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस शुक्रवार की रात स्थानीय समय अनुसार करीब 11:00 बजे चिवे जिले के प्रवेश मार्ग पर पलट गई। पेरू के रेडियो प्रोग्राम्स ने बताया कि वाहन में सवार पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कानूनी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं।भविष्य की संभावनाओं के बारे में चेतावनी देते हुए, नासा ने बताया कि सितंबर में तापमान वृद्धि 1.7 डिग्री सेल्सियस का स्तर पहले ही छू चुकी है, हालांकि केवल एक छोटी अवधि के लिए, और उस निरंतर आधार पर नहीं जिस पर पेरिस लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिससे अब भी उम्मीद है कि कार्रवाई में तेजी लाकर इस प्रवृत्ति को धीमा किया जा सकता है। और, पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी, यदि मौजूदा नीतियों को जारी रखा जाता है, तो ग्लोबल वार्मिंग तीन डिग्री सेल्सियस तक सीमित होने का अनुमान है।

आज का इतिहास

1618 - रूस और पौलेंड के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
1687 - ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास (अब तमिलनाडु भारत) में नगर निगम बनाया।
1790 - रूस-तुर्की युद्ध (1787-92)= 26,000 तुर्की सैनिकों ने इजैमेल के अलेक्जेंडर सवोरोव के तूफान के दौरान अपना जीवन खो दिया।
1816 - इंडियाना अमेरिका का 19वां राज्य बना।
1845 - प्रथम आंग्ल सिख युद्ध शुरू हुआ।
1911 - मिस्र के उपन्यासकार नजीब महफूज का जन्म। वह साहित्य का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले अरबी लेखक बने।
1930 - सी वी रमन को भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
1941 - द्वितीय विश्व युद्ध= जर्मनी और इटली ने संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1946 - डॉ? राजेन्द्र प्रसाद भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
1946 - संयुक्त राष्ट्र द्वारा युनिसेफ की स्थापना की गई।
1967 - पश्चिम भारत में 6.5 की तीव्रता वाले भूकंप से 170 लोगों की मौत हुई।
1972 - अपोलो 17 (प्रतीक चिन्ह), अंतिम अपोलो चंद्रमा मिशन, चंद्रमा पर उतरा।
1983 - बँगला देश के मुख्य मार्शल लॉ प्रशासक मोहम्मद इर्शाद ने स्वयं को राष्ट्रपति घोषित किया।
1994 - राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन के आदेश से रूसी सैनिकों ने चेचन्या में प्रवेश किया।
1997 - ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने के लिए क्योटो संधी पर हस्ताक्षर किए गए।
2001 - चीन को विश्व व्यापार संगठन में प्रवेश मिला।
2013 - भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 2009 के दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को पलट दिया जिसमें सहमति से व्यक्तियों द्वारा समलैंगिक कृत्यों को वैध बनाया गया था।

बयान शरीफ ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई

नवाज शरीफ ने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते सुधारने पर दिया जोर

लाहौर, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने भारत, अफगानिस्तान और ईरान सहित पड़ोसी देशों के साथ राजनयिक संबंधों को सुधारने पर जोर देते हुए कहा कि इस्लामाबाद की वैश्विक विश्वसनीयता उन देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों पर निर्भर है, जिनके साथ देश की सीमाएं लगती हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि अगर किसी देश के पड़ोसी देश उससे नाराज हैं तो वैश्विक मंच पर उसे गंभीरता से लिए जाने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, अफगानिस्तान और ईरान के साथ संबंधों में सुधार और चीन के साथ संबंधों को मजबूत करना उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन (पीएमएल-एन) के एजेंडे में है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, 1999 की घटनाओं को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कारगिल युद्ध का विरोध किया था। यह स्पष्ट करते हुए कि

कारगिल के दौरान उनका रुख कमजोरी का संकेत नहीं था, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो वे अतीत में विश्व शक्तियों को अस्थिर करने के बावजूद परमाणु परीक्षण करने जैसे कठोर निर्णयों से पीछे नहीं हटे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेही का सामना करना चाहिए। हालांकि, शुक्रवार को अपने पिछले संबोधन के विपरीत, उन्होंने नाम लेने से परहेज किया।

पाकिस्तान में पांच आतंकवादी मुठभेड़ में ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के टैंक जिले में एक ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों का एक जखीरा भी बरामद किया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने आईएसपीआर के हवाले से बताया कि खुफिया आधारित ऑपरेशन अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा के मुल्लाजई इलाके में चलाया गया। इसमें कहा गया है कि आतंकवादी जबरन वसूली और निर्दोष नागरिकों की हत्या सहित कई अपराधों में शामिल थे।

दुनिया को जानें

गाजा की आधी आबादी भूख से मर रही है : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि युद्धरत गाजा की आधी आबादी भूख से मर रही है क्योंकि आवश्यक आपूर्ति का केवल एक भाग ही गाजा पट्टी के अंदर पहुंच पा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के उप निदेशक कार्ल स्काऊ ने शनिवार को कहा, आवश्यक आपूर्ति का केवल एक अंश ही गाजा पट्टी में प्रवेश कर पा रहा है और 10 में से नौ लोगों को हर रोज खाना नहीं नसीब हो पा रहा है। श्री स्काऊ ने कहा कि गाजा में ऐसी स्थितियां हैं कि वहां आवश्यक सहायता सामग्रियों का पहुंचना 'लगभग असंभव' हो गया है। इजरायल का कहना है कि हमास को खत्म करने और इजरायली बंधकों को घर लाने के लिए उसे गाजा पर हवाई हमले जारी रखने होंगे। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेचट ने कल बीबीसी से कहा, किसी भी नागरिक की मौत और उनकी तकलीख तथा पीड़ा की स्थिति दर्दनाक है, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हम गाजा पट्टी के अंदर जितना संभव हो सके उतना पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

प्रादेशिकी

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर शुक्ल ने दिया बल

नई दिल्ली/शिमला, 10 दिसम्बर (एजंसियां)। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने पूर्वांचल के लोगों से आने वाली पीढ़ियों के लिए पूर्वांचल की समृद्ध संस्कृति को संरक्षित करने के लिए यहां परंपराओं और विरासत को संजो कर रखने का आह्वान किया। यह बात श्री शुक्ल ने रविवारद को नयी दिल्ली में माटी ट्रस्ट द्वारा आयोजित 7वें माटी सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। यह कार्यक्रम पूर्वांचल की कला और समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया था। राज्यपाल ने पूर्वांचल की संस्कृति को प्रतिबिंबित करने वाले समृद्ध लोक गीतों को संरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला और आने वाली पीढ़ियों के लिए पौराणिक परंपराओं के साथ एक मजबूत संबंध स्थापित करने में इन लोकगीतों की भूमिका पर बल दिया।

सुक्खू सरकार के एक साल के जश्न में भाग लेने शिमला पहुंची प्रियंका गांधी

मुख्यमंत्री के साथ आज धर्मशाला में जश्न समारोह में होंगी शामिल

शिमला, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज शिमला पहुंची। वह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हिमाचल प्रदेश आई हैं। यह कार्यक्रम कल धर्मशाला में होगा जिसमें कांग्रेस पार्टी के कई प्रमुख नेता शामिल होंगे। प्रियंका गांधी सुबह शिमला पहुंचीं और शिमला से 11 किलोमीटर दूर छराबड़ा स्थित अपने घर गईं। वह आज एक दिन अपने घर पर ही रही और सोमवार सुबह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के साथ धर्मशाला के लिए रवाना होंगी।

राज्य सरकार ने धर्मशाला में आयोजित किया जा रहे समारोह को लेकर अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली है। धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में आयोजित किया जा रहे इस

समारोह में 30,000 से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटाना का लक्ष्य तय किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार और संगठन ने अपने सभी नेताओं और मंत्रियों की ड्यूटी तय की है। भीड़ जुटाने की सबसे ज्यादा जिम्मेदारी धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा की रहेगी। इसके बहाने सुधीर शर्मा अपना शक्ति प्रदर्शन भी करेंगे।

लोगों को रैली स्थल तक पहुंचाने के लिए सरकार और संगठन ने अपनी-अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली है। लोगों को लाने और ले जाने के लिए 500 से 1000 बसों और गाड़ियों की व्यवस्था की गई है।

भाजपा आज मनाएगी आक्रोश दिवस

हिमचल प्रदेश भाजपा सुक्खू सरकार के सत्ता में एक साल पूरा करने के मौके को आक्रोश दिवस के रूप में मनाएगी। भाजपा का कहना है कि सुक्खू सरकार ने एक साल में जश्न मनाने जैसा कोई काम नहीं किया है। ऐसे में जश्न किस बात का। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस ने 10 गारंटियां दी मगर इनमें से अभी तक एक को भी पूरा नही किया। ऐसे में पार्टी कल 11 दिसम्बर को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर आक्रोश दिवस मनाएगी।

केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री सुक्खू के दुबई दौरे को दी मंजूरी, हरित औद्योगिक निवेश लाएंगे

■ **हिमाचल में हिरत औद्योगिक निवेश लाने के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू अधिकारियों के साथ दुबई जाएंगे**

शिमला। हिमाचल को 2027 तक देश का सबसे अमीर राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्प मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हरित औद्योगिक निवेश लाने के लिए दुबई जाएंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दुबई दौरे को केंद्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुंबई में फार्मा एक्सपो-2023 में प्रदेश के लिए दस हजार करोड़ से अधिक का निवेश आया था, उसके बाद पहला मौका होगा कि विदेशी धरती से प्रदेश में पर्यटन और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आएगा। ऐसा माना जा रहा है कि दुबई हरित औद्योगिक निवेश करने के लिए दूसरे देशों में स्थान तलाश रहा है। संभवत: यूएई के लिए हिमाचल प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश करने वाला बड़ा भागीदार देश होगा। इसके अतिरिक्त दुबई के निवेशक पर्यटन क्षेत्र में निवेश करने के इच्छुक हैं। प्रदेश सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में निवेशकों के लिए धारा-118 में निवेश करने वालों के लिए विशेष प्रविधान किया है। दुबई दौरे पर मुख्यमंत्री सुखविंरद सिंह सुक्खू के साथ पर्यटन विकास निगम के उपाध्यक्ष आरएस बाली, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा के अतिरिक्त चार आईएएस अधिकारी भी साथ जाएंगे। दुबई जाने का कार्यक्रम 13 दिसंबर से 16 दिसंबर तक रहेगा। उसके बाद मुख्यमंत्री सुक्खू शिमला लौटकर अगले दिन धर्मशाला में आयोजित होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल होने के लिए रवाना होंगे। दुबई में वहां के निवेशकों के साथ बैठक करेंगे।

'सीएम धामी ने दून अस्पताल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का हाल जाना'

अमर नाथ तिवारी

देहरादून, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को दून अस्पताल, देहरादून में उपचार हेतु भर्ती उत्तरकाशी निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री चिंद्रिया लाल का हाल चाल जाना एवं उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इधर उत्तरकाशी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चिंदरियालाल राही ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर अंतिम इच्छा जाहिर की है। राही ने पीएम मोदी के लिए अपने पुत्र चिरंजीव से पत्र लिखवाया है। उन्होंने लिखवाया, केंद्रीय और राज्यों की शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रम में आजादी का इतिहास और सेनानियों की जीवनी को प्रमुखता देने के साथ ही भूखंड आवंटित किया जाए। इन्होंने कहा है कि राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता सेनानी मेमोरियल और सेनानी सदन स्थापित किया जाए। केंद्रीय व राज्य सेवाओं में 10 फीसदी लंबवत आरक्षण तीसरी पीढ़ी तक लागू किया जाए। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार की ओर से सेनानियों के हित को लेकर जो एमिनेंट कमेटी पूर्व वर्षों में गठित की गई है। उसमें प्रथम पीढ़ी के उत्तराधिकारियों को वयोवृद्ध सेनानियों की जगह शामिल किया जाए। क्योंकि, देश में बचे अस्वस्थ सेनानी अब इस अवस्था में नहीं हैं कि वह इस कमेटी में होने वाली बैठक में नियमित रूप से शामिल हो सकें।

'पूर्व सीएम हरीश रावत ने पीएम मोदी के वेड इन इंडिया के आइडिया को सराहा'

देहरादू। उत्तराखण्ड के पूर्व सीएम रावत ने पीएम मोदी के वेड इन इंडिया के आइडिया को सराहा है। उन्होंने कहा कि आइडिया फील गुड का आभास करता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे औद्योगिक घराने अपना निवेश भारत से बाहर कर रहे हैं। पीएम मोदी ने उन्हें भी यह संदेश दिया है कि इन्वेस्ट इन इंडिया। उन्होंने पीएम मोदी के लोकल-वोकल से ग्लोबल को भी सशक्त मंत्र बताया। उन्होंने हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड नाम दिए जाने को लेकर सीएम धामी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हिमालय से बड़ा दुनिया में कोई बड़ा ब्रांड नाम नहीं है। रावत ने कहा कि वह कांग्रेसी हैं और मोदी के विचारों के घोर विरोधी भी हैं, लेकिन जो बात सबके हित में है, उसकी सराहना की जानी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे आयोजन में हम पहाड़ी व्यंजनों को बड़े फलक पर प्रस्तुत कर सकते थे, लेकिन हमने यह मौका खो दिया। उन्होंने कहा कि पूरे आयोजन में हमारे केवल दो उत्पाद मंडुवा और झंगोरा ही कहीं किनारे दुबके हुए नजर आए।

सार संक्षेप

हिमाचल में नशा मुक्ति केंद्र से भागीं पंजाब व हरियाणा की युवतियां

सोलन। हिमाचल के प्रवेश द्वार परवाणू के एक नशा मुक्ति केंद्र में उपचारधीन करीब 12 युवतियों के खिड़की के शीशे तोड़कर भागने का मामला सामने आया है। घटना के बाद नशा मुक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। शुरुआती तौर पर केंद्र से भागी युवतियों ने नशा निवारण केंद्र के संचालकों व कर्मचारियों पर नशा परोसने व मारपीट के गंभीर आरोप जड़ दिए। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि नशा मुक्ति केंद्र के पास वैध दस्तावेज हैं। केंद्र से भागी युवतियों ने पुलिस को कोई बयान नहीं दिया है। जांच में सामने आया है कि सेंटर संचालक इन युवतियों को परिजनों से फोन पर बात नहीं करने देते था, इसी वजह से वो खिड़की के शीशे तोड़कर भाग गई। ऐसा बताया गया है कि केंद्र से भागी युवतियों में आसपास के घरों में पहुंच कर मदद ली। बता दे कि युवतियों का एक वीडियो भी सामने आया जिसमे वो एक साथ बैठी हुई है। जानकारी के मुताबिक केंद्र में उपचाराधीन अधिकतर युवतियां पंजाब व हरियाणा की रहने वाली हैं। शनिवार देर रात करीब एक दर्जन युवतियां खिड़कियों के शीशे तोड़ कर भाग गईं। दीगर है कि हाल ही में भी एक नशा निवारण केंद्र पर एक युवक को नशा करवाने के आरोप लगे थे। पुलिस ने दबिश दी थी। केंद्र में तालाबंदी भी हो गई थी। उधर, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने घटना की जांच की गई है। केंद्र के खिलाफ संज्ञेय अपराध नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि किसी भी युवती ने भोजन से संबंधित बयान भी नहीं दिया है।

हिमाचल में युवक पर चाकू से हमला, मौत

शिमला। हिमाचल के मंडी जिला में दो युवकों ने बड़ी ही बेरहमी से एक युवक के गले पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह युवक अपने साथियों के साथ शनिवार देर रात को एक शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान कार में दो युवक आए और युवक के गले पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं बीच बचाव करने आया दूसरा युवक भी घायल हो गया।

वहीं पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार यह वारदात मंडी जिला के धर्मपुर क्षेत्र के कलोगा में हुई है।

धर्मपुर पुलिस थाना के तहत आते गांव कलोगा (मैगल) के चार युवक रवि कुमार, अनिल कुमार, राकेश कुमार व नरेंद्र कुमार देर रात को एक शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जब वह कलोगा के पास पहुंचे तो एक कार उनके पास आकर रुकी। कार सवारों ने इन युवकों से रवि नाम पूछा, और रवि के गले पर चाकू से हमला कर दिया।

सुडोकू 6402 का हल

6	2	7	1	9	5	8	4	3
1	9	5	8	4	3	6	2	7
4	3	8	2	7	6	9	5	1
8	1	9	3	2	7	4	6	5
7	5	3	9	6	4	1	8	2
2	4	6	5	8	1	3	7	9
3	8	1	6	5	2	7	9	4
9	7	2	4	3	8	5	1	6
5	6	4	7	1	9	2	3	8

मृतक ग्राम विकास अधिकारी के शव को चुहों ने कुतरा

पौड़ी, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। ब्लाक एकेश्वर के ग्राम में सेवारत कोट ब्लॉक निवासी एक ग्राम विकास अधिकारी की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। उनका शव जिला मुख्यालय में बनी मोर्चरी में रखा जहां रात में चूहों ने शव कुतर दिया। सुबह जब परिजनों ने शव देखा तो विभाग पर घोर लापरवाही लगाते हुए कड़ी नाराजगी जताई। पीड़ितो ने कहा कि मोर्चरी की सुविधाओं के प्रति स्वास्थ्य महकमा लापरवाह बना है। मृतक के परिजनों ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की।

मिली जानकारी के अनुसार ब्लॉक एकेश्वर के नौगांवखाल में सेवारत ग्राम विकास अधिकारी राहुल उप्रेती (कोट ब्लॉक के देवल गांव के मूल निवासी) की बीते शुक्रवार को तबीयत अचानक खराब हो गई। राहुल को उनकी पत्नी सीएचसी नौगांवखाल ले गईं जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत किसी कारण से हुई इसके लिए शव का पोस्टमार्टम होना था लेकिन सीएचसी में

मोर्चरी नहीं होने के कारण शव को जिला मुख्यालय पौड़ी लाया गया।

मृतक के परिजन नितिन उप्रेती ने आरोप लगाया कि मोर्चरी में डीप फ्रीजर खराब था, उन्हें नहीं बताया गया। डीप फ्रीजर का दरवाजा भी पूरा बंद नहीं हुआ था। शव रखने को लेकर कर्मचारियों का व्यवहार बहुत ही नकारात्मक रहा। रात होने के कारण शव नौ बजे मोर्चरी में

■ **परिजनों ने शव देखा तो विभाग पर घोर लापरवाही लगाते हुए कड़ी नाराजगी जताई**

रख दिया गया। आरोप लगाया कि कहा कि मार्ग की ओर से मोर्चरी का मेन गेट भी रातभर खुला था। सुबह जब शव को देखा तो परिजनों के होश उड़ गए, शव को चूहों ने कुतरा हुआ था। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया।

कहा कि प्रशासन को इस घोर लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं खंड विकास अधिकारी एकेश्वर डीपीएस नेगी ने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी राहुल उप्रेती पुत्र संपूर्णानंद उप्रेती बीते छह साल से ब्लॉक एकेश्वर में सेवारत रहे। उनके निधन से ब्लॉक में शोक की लहर फैला हुआ है।

जश्न नहीं, जन संवाद के रूप में होगा सरकार का कार्यक्रमः सिंह

शिमला/मंडी, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर कांगड़ा के धर्मशाला में आयोजित होने वाला कार्यक्रम केवल मात्र सरकार का एक वर्ष होने का जश्न नहीं होगा। यह एक जन संवाद कार्यक्रम की तरह होगा। जिसमें बारिश से प्रभावितों के साथ संवाद किया जाएगा, प्रभावितों को राहत देने के साथ ही राहत कार्य का फीडबैक भी लिया जाएगा। यह पलटवार प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने प्रदेश भारतीय जनता पार्टी पर किया है। मंडी में अपने दौरे के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा को हर तरफ राजनीति ही दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार का अपनी जनता के साथ संवाद करना एक दायित्व होता है और इसी के तहत इस कार्यक्रम को सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर मनाया जा रहा है। इसके साथ ही कार्यक्रम में कांगड़ा के बारिश प्रभावितों को राहत भी प्रदान की जाएगी और राहत कार्य का फीडबैक भी लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान जनता के समक्ष प्रदेश सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों को भी रखा जाएगा।

वहीं इससे पूर्व श्री सिंह ने मंडी जिला के सदर विधानसभा क्षेत्र के साथ ही नगर निगम मंडी में अपने विभाग से संबंधित करीब 70 करोड़ के शीलान्यास व उद्घाटन भी किए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-3 के तहत बिंद्रावनी से कोटमोरस सड़क के अपग्रेडेशन, शहर के मंगवाई से कठलग सड़क के अपग्रेडेशन कार्य की आधारशीला रखी। वहीं थनौट वाया सेहली सड़क का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने टूटे हुए पूलों का जायजा भी लिया।

श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता को सड़क व यातायात की बेहतर सुविधा गुणवत्ता के साथ देना उनकी सरकार की प्राथमिक्ता है। वहीं टूटे हुए पुलों के लिए भारत सेतु योजना के तहत केंद्र सरकार से भी वित्तीय सहायता मांगी गई है। जिसके आते ही बारिश में टूटे हुए पुलों को बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग को सभी विकास कार्यों को निश्चित समय सीमा में पूरा करने की दिशा निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान उनके साथ मंडी लोकसभा क्षेत्र की सांसद प्रतिभा सिंह सहित अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे।

हरियाणा में 15 से 'आप' शुरू करेगी बदलाव यात्राः गदराना

सिरसा, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी आगामी 15 से 24 दिसंबर तक प्रदेश की 90 विधानसभाओं व 10 लोकसभा क्षेत्रों में बदलाव यात्रा शुरू करने जा रही है। सिरसा से डॉ. अशोक तंवर यात्रा का शुभारंभ करेंगे। उक्त जानकारी सिरसा आप के नेता कुलदीप गदराना ने मीडिया से रू-ब-रू होते हुए दी। उनके साथ जिलाध्यक्ष हैप्पी रानियां, जिला मीडिया प्रभारी अनिल चंदेल, युवा सचिव राजेश मलिक, रिछपाल सिंह, कीरत सिंह भी मौजूद थे। श्री गदराना ने बताया कि सिरसा से शुरू होने वाले यात्रा का नेतृत्व डॉ. अशोक तंवर, महेंद्रगढ़ से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व अनुराग ढांडा, कालका से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व चौ. निर्मल सिंह, जबकि

फरीदाबाद से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व खुद डॉ. सुशील गुप्ता करेंगे। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से शुरू यात्रा जींद में खत्म होगी। सिरसा से शुरू हुई यात्रा भिवानी व कालका से शुरू हुई यात्रा पानीपत में और महेंद्रगढ़ से शुरू हुई यात्रा कैथल में समाप्त होगी।

उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान हरियाणा की बदहाल स्थिति के बदलाव के लिए प्रदेश की जनता को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें प्रदेश के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगें। उन्होंने कहा कि सुबह से शुरू होकर यात्रा का ठहराव गांवों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज सत्तासीन पार्टियां और विपक्ष पूरी तरह से फेल हो चुका है। आम आदमी पार्टी ही जनता के सामने मजबूत विकल्प है। किसान, मजदूर, गरीबों के उत्थान, चिकित्सा, बेहतर शिक्षा और युवाओं के रोजगार के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जायेंगे। उन्होंने राजनीति से विमुख हुए लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि विभिन्न पार्टियों के जनता विरोधी नीतियों से परेशान होकर राजनीति से दूरी बनाने लोग आम आदमी पार्टी में शामिल होकर भ्रष्टाचार, युवाओं के रोजगार और प्रदेश में फैलते नशे के विरुद्ध आवाज बुलंद करने का काम करें।

कर्मचारियों में निगम प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश

हल्द्वानी, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के कुमाऊं क्षेत्र (नैनीताल मंडल) की क्षेत्रीय बैठक हल्द्वानी बस स्टेशन में यूनियन के कैम्प कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें बागेश्वर, अल्मोड़ा, रानीखेत, भवाली, काठगोदाम, हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर, रामनगर, डिपो के कर्मचारी उपस्थित रहे। कर्मचारियों ने बैठक के उपरांत बस स्टेशन परिसर में सांकेतिक विरोध प्रदर्शन भी किया,बैठक में कर्मचारी समस्याओं और विभाग हित की समस्याओं पर चर्चा हुई। कर्मचारियों ने निगम प्रबंधन पर आरोप लगाया कि परिवहन निगम के लिये अभी तक बस बेड़ा उपलब्ध नही कराया है,और अनुबंधित बसों के बेड़ा लगातार बढ़ रहा है जो निगम को धीरे-धीरे दीमक की तरह लग कर खत्म कर रहा है,परिवहन निगम में पुन: एजेंसी प्रथा के टेंडर होने का विरोध किया गया,बैठक में इन समस्याओं पर चर्चा हुई। इनमें यूनियन के साथ समझौते के अनुरूप विभागीय बस बेड़ा शीघ्र बढ़ाया जाय, सी एन जी बसों की अपेक्षा संचालन में निगम की बसों को प्राथमिकता दी जाय, एजेंसी को विभाग में पुन: लाने और अनुबंधित बसों पर रोक लगे, बस के मार्ग में होबे वाले ब्रेक डाउन हेतु डिपो में इसका रिकार्ड रखा जाए।

मोदी की गारंटी की गाड़ी विकास का सशक्त हस्ताक्षरः अनुराग

शिमला, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा व खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा केंद्र सरकार की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं की अंतिम आदमी तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है। इसमें मोदी की गारंटी की गाड़ी देश के सभी पंचायत और नगर निकायों में जाएगी। ये मोदी की गारंटी की गाड़ी विकास का सशक्त हस्ताक्षर है।

श्री ठाकुर विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होने हेतु दो दिनों के हिमाचल प्रवास के दूसरे दिन ठाकुर कुटलैहड़ विधानसभा के बंगाणा ग्राम व चिंतपूर्णी जी विधानसभा के नैहरियां ग्राम में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में शामिल हुए व आम जन मानस के साथ सार्थक परिचर्चा की। इसके अलावा श्री ठाकुर रविवार को ऊना जिले स्थित वशिष्ठ पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में भी शामिल हुए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में लोगों से संवाद करते हुए श्री ठाकुर ने आगे मोदी सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा, 'मात्र नौ वर्षों के अपने कार्यकाल में मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने चार करोड़ से ज्यादा जरूरतमंदों को पक्के आवास दिए। आज यह सभी गरीब दो कमरों के मकान के साथ लखपति बन गए हैं। मोदी ने पूरे देश में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनवाए हैं।

'ऊर्जा कुशल विद्युत उपकरणों' संबंधी तकनीकी वर्कशॉप आयोजित

चंडीगढ़, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। शहरी स्थानीय इकाईयाँ (यू.एल.बीज) में समग्र ऊर्जा दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) द्वारा यहाँ पेडा ऑडीटोरियम में 'ऊर्जा कुशल विद्युत उपकरणों' के बारे में एक तकनीकी वर्कशॉप आयोजित की गई। यह वर्कशॉप ब्यूरो ऑफ एनर्जी ऐफीशियैंसी (बी.ई.ई.), ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के म्यूनिसिपल डिमांड साईड मैनेजमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत पंजाब के हिस्सेदार विभागों जैसे यू.एल.बीज, आवास निर्माण एवं शहरी विकास विभाग, विकास अथॉरिटी, लोक निर्माण विभाग, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता, मंडी बोर्ड, पंजाब हैल्थ सिस्टम कॉर्पोरेशन और पी.एस.पी.सी.एल. के सहयोग के साथ करवाई गई। वर्कशॉप को संबोधित करते हुए पेडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अमरपाल सिंह ने राज्य में इमारतों, उद्योगों और नगर पालिकाओं में ऊर्जा दक्षता के महत्व और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों को लागू करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि म्यूनिसिपल डिमांड साईड मैनेजमेंट (एम.यू.डी.एस.एम.) एक ऐसा प्रोग्राम है जिसका उद्देश्य शहरी स्थानीय इकाईयों (यू.एल.बीज) की समग्र ऊर्जा दक्षता को 35-40 फ़ीसदी तक बढ़ाना है। यू.एल.बीज में ऊर्जा दक्षता से सम्बन्धित स्ट्रीट लाईटों, इमारतों और पानी वाले पम्पों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एम.यू.डी.एस.एम. को उपयोगिता गतिविधियों (उपभोक्ता मीटर से परे) की योजनाबंदी, लागूकरण और निगरानी के तौर पर दिखाया गया है, जोकि उपयोगिताओं को बिजली की माँग के समय और स्तर के सम्बन्ध में, उनके बिजली उपभोग के पैटरनों में संशोधन करने के लिए तैयार किया गया है, जिससे बिजली की और अधिक कुशलता से प्रयोग करने में उपयोगिताओं की मदद की जा सके।

हिमाचल की अर्थव्यवस्था पांच सालों में पटरी पर लौटेगी

■ **हिमकिरण मांटा**

शिमला, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल की अर्थव्यवस्था पांच सालों में पटरी पर लौटेगी। एक दशक बाद हिमाचल देश का समृद्ध राज्य होगा। अर्थव्यवस्था पटरी पर लाकर हिमाचल को देश का समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में सरकार प्रयासरत है। इस दिशा में कई कदम उठाएं गए हैं। हिमाचल में स्थापित पनबिजली परियोजनाएं आय बढ़ाने का प्रमुख साधन है। लिहाजा सरकार ने पाटर सैस लगाकर सालाना बढ़ी दो हजार करोड़ की आय जुटाने का प्रयास किया है। जल विद्युत परियोजनाओं के अलावा पर्यटन हिमाचल की अर्थव्यवस्था का संबल बन सकता है। मुख्यमंत्री सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा होने मौके पर शिमला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने देशबन्धु से बातचीत में कहा कि सरकार ने एक साल के दौरान कई अहम फैसले लिए हैं। ओपीएस की बहाली की गई। 680 करोड़ रुपए की स्टार्टअप योजना शुरू की गई। 2026 तक हिमाचल को हरित राज्य बनाने का लक्ष्य है।

■ **दशक बाद हिमाचल देश का समृद्ध राज्य होगा**

प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। राजीव गांधी स्टार्टअप योजना के तहत ई-टैक्सी खरीदने के लिए युवाओं को 50 फीसदी उपदान दिया जाएगा। इस योजना के तहत युवाओं के बैंक ऋण की गारंटी सरकार देगी। युवाओं को सुनिश्चित रोजगार इस योजना से मिलेगा।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्तियों में धांधलियों के चलते हमीरपुर स्थित कर्मचारी चयन आयोग को बंद किया गया। उन्होंने कहा कि फिलहाल राज्य लोक आयोग के माध्यम से भर्तियां की जा रही है। आज ही परिवहन निगम में परिचालकों की भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। भाजपा पर निशाना साधते हुए सुक्खू ने कहा कि पूर्व सरकार के वक्त कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से आयोजित भर्ती परीक्षाओं का परिणाम तीन-तीन साल तक नहीं निकाला गया। सरकार भर्तियों में पारदर्शिता लाने की पुख्ता व्यवस्था कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा में सरकार के प्रयासों को नीति आयोग के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने भी सराह। सरकार ने आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के मकसद से विशेष राहत पैकेज जारी किया। सीमित संसाधनों के बावजूद सरकार ने 4500 करोड़ का राहत पैकेज जारी किया है। प्रदेश में चार दशक बाद नई व्यवस्था लागू हुई है। वह स्वयं पहली बार मुख्यमंत्री बने मंत्रिमंडल में शामिल अधिकांश लोग पहली बार मंत्री बने हैं। लिहाजा सरकार के एक साल के कामकाज का लोग स्वयं आंकलन करेंगे।

प्रादेशिकी

जौनपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत में 37667 मामलें हुए निस्तारित

जौनपुर, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला न्यायाधीश वाणी रंजन अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन तथा प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल जज सीनियर डिविजन ज्योति शिल्पी चौहान की देखरेख में जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह समझौते के आधार पर 37667 मामले का निस्तारण किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव शिल्पी चौहान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लम्बित 2389 एवं राजस्व न्यायालयों तथा प्रशासन के अन्य विभागों के 35278 सहित कुल 37667 मामलों का निस्तारित हुए तथा समझौता राशि कुल 1 अरब 78 करोड़ 46 लाख 63 हजार 854 रुपए की हुई।

जाति का जहर ही था देश की गुलामी का बड़ा कारण : योगी

लखनऊ/गोरखपुर, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जाति का जहर ही देश की गुलामी का कारण था। कुछ लोग आज भी जाति के नाम पर समाज को बांटना चाहते हैं। अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जाति के जहर को समाज में घोलने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहना पड़ेगा। इस जहर से किसी का हित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र में जो भी व्यक्ति कार्य कर रहा है, उसे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। इससे ही आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार हो सकेगी। सीएम योगी ने कहा कि हमारे शिक्षण संस्थान डिग्री बांटने का अड्डा न बनें, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बनकर उभरें। मुख्यमंत्री योगी ने यह बातें रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बांसगांव के पूर्व ब्लॉक प्रमुख बाबू चतुर्भुज सिंह की प्रतिमा के अनावरण के उपरांत आयोजित समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि बाबू चतुर्भुज सिंह की विपरीत परिस्थितियों से जूझने की प्रवृत्ति थी। वह वरिष्ठ समाजसेवी थे। सुख-दुख में प्रत्येक व्यक्ति के साथ खड़े रहते थे।

■ मुख्यमंत्री ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख बाबू चतुर्भुज सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

आज भी जाति के नाम पर समाज को बांटना चाहते हैं कुछ लोग : योगी

वह सम और विषम परिस्थितियों में कार्य करते हुए जनहित से जुड़े हुए मुद्दे को प्रखरता के साथ आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहते थे। योगी ने कहा कि जिस कालखंड में सरकार का प्रोत्साहन कम था, उस समय बांसगांव क्षेत्र में डिग्री कॉलेज की स्थापना एक सपना था। योगी ने कहा कि उस समय जस्टिस केडी शाही के मार्गदर्शन में यहां पर बाबू चतुर्भुज सिंह ने इस कॉलेज की स्थापना के दायित्व को अपने कंधों पर लिया। देखते ही देखते यहां पर महाविद्यालय बना। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों से निकले छात्र-छात्राओं में अपने भविष्य को लेकर भ्रम की स्थिति न हो।

शॉर्टकट का रास्ता न अपनाए छात्र : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को नसीहत देते हुए कहा कि कभी भी जीवन में लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए शॉर्टकट का रास्ता मत अपनाना। शॉर्टकट का रास्ता दुर्बलता का कारण बनेगा। यह जीवन में स्थायित्व नहीं दे पाएगा। उन्होंने कहा कि विकास ही लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकता है। विकास जब भी आता है तो तात्कालिक परेशानी तो होती है। उदाहरणस्वरूप जब सड़क का निर्माण होता है तो अतिक्रमण हटाया जाता है।

स्मृति समारोह में मेरठ पहुंचे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अजय राय

मेरठ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। मिशन 2024 से पहले कांग्रेस यूपी में परिवर्तन संकल्प यात्रा का आगाज करने जा रही है। यात्रा पश्चिमी यूपी के सहारनपुर से शुरू होकर पूरे प्रदेश में जाएगी। पहला चरण पश्चिमी यूपी को रखा गया है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य जनता को कांग्रेस के साथ जोड़ना है। यात्रा के जरिए पार्टी देश के अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को बताएगी। उनके बलिदान के जरिए भाईचारे का पैगाम देगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मेरठ में यात्रा के बारे में जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष आजाद हिंद सेना के जर्नल शाहनवाज खान की पुण्यतिथि समारोह अवसर पर मेरठ पहुंचे थे। यहां कार्यकर्ताओं से संवाद किया। साथ ही आगामी कार्यक्रम भी डिस्कस किया। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अभिमन्यु त्यागी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश में परिवर्तन संकल्प यात्रा शुरू करने जा रही है। कांग्रेस की आगामी परिवर्तन संकल्प यात्रा देश के क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सैनानियों, शहीदों की विरासत को बचाने के लिए प्यार मोहब्बत भाईचारे का पैगाम देने के लिए होगी। यह यात्रा पहले चरण में सहारनपुर से शुरू होकर सीतापुर तक जाएगी। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी की यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों पर तैयारी चल रही है।

ग्राम्य विकास की योजनाओं का लाभ जन-जन को दिलाने को संकल्पित : केशव

लखनऊ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन मे प्रत्येक विकास खण्ड की 2 ग्राम पंचायतों में आयोजित की जा रही ग्राम चौपालों के बहुत ही उत्साहजनक परिणाम निखर कर आए हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्राम्य विकास की योजनाओं का लाभ जन-जन को दिलाने के लिए सरकार संकल्पबद्धता व पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मौर्य ने बताया कि ग्राम चौपालों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में शिकायतों के निवारण हेतु सरकार का जनहित में एक बहुत सफल प्रयास रहा है। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास की भावना पैदा हुई है और उनकी स्थानीय स्तर की शिकायतें स्थानीय स्तर पर ही सुलझाने में मदद मिली है। कार्यक्रम की लोकप्रियता का प्रभाव है कि बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम का लाभ लिया है। अब तक 3 लाख से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। चौपालों के सफल कियान्वयन का 1 वर्ष, दिसम्बर, 2023 के अन्तिम सप्ताह में पूर्ण हो हो रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा कार्यक्रम की लोकप्रियता और उपयोगिता को देखते हुए चौपालों की पहली वर्षगांठ को भव्यता पूर्ण ढंग से मनाये जाने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों व जिलाधिकारियों को दिए गए हैं । वर्षगांठ तहत 28 से 30 दिसम्बर 2023 तक गांव- गरीब के विकास से रिलेटेड तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि 28 दिसम्बर 23 को ग्राम पंचायत, ब्लाक, तहसील, जनपद स्तर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 29 दिसम्बर को विशेष चौपाल का आयोजन किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री जी द्वारा लखनऊ में प्रेस वार्ता की जाएगी।

■ अब तक 65 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का हो चुका है आयोजन

निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक जनपद/मुख्यालय पर एक मेले का आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को स्टाल लगाकर प्रदर्शित किया जायेगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली संगोष्ठी में प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना- ग्रामीण,मनरेगा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना,राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं, अमृत सरोवर के निर्माण के पश्चात उसके रख-रखाव तथा अन्य व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में चर्चा की जायेगी और यथावश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे।

सार संक्षेप

मारपीट में व्यक्ति घायल

मेरठ। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के भूमिया पुल पर शनिवार की देर रात कार से बाइक साइड लगने विवाद हो गया। जिसके बाद गाजियाबाद के गोविंद पुरम निवासी भाजपा नेता की कार में बाइक सवार विशेष संप्रदाय के युवकों ने तोड़फोड़ की और भाजपा नेताओं के साथ मारपीट की। जिससे एक युवक घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। जानकारी के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान बाइक सवार आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घायल भाजपा नेता को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालना शुरू कर दिया है।

भाजपा कर रही मछुआ समाज का विकास : संजय निषाद

जौनपुर। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने रविवार को कहा कि भाजपा सरकार मछुआ समाज का उत्थान कर रही है। डॉ.संजय कुमार निषाद आज जिले के शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के बूढ़ुपुर गांव में पार्टी के जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा बसपा की सरकारों ने मछुआ समाज का हक मारते हुए कानून बनाया कि जो भी समाज मछली पालन करेगा वही मछुआ समुदाय का माना जाएगा, किंतु मेरे प्रयास से वर्तमान सरकार ने इस काले कानून को निरस्त किया। उन्होंने आह्वान किया कि निषादों का गौरवशाली इतिहास रहा है। जिन भी सरकारों ने निषाद समाज के साथ छल लिया उसे सत्ता से हटाने का एक काम निषाद समाज ने किया।

स्कूल टॉयलेट में बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास

मेरठ। परतापुर थाना क्षेत्र के सरकारी विद्यालय (संविलियन) के टॉयलेट में 7वीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास किया गया है। स्कूल कैम्पस में घुसकर आरोपी ने बच्ची के साथ दरिंदगी करने की कोशिश की है। पूरा मामला पुलिस तक पहुंचा है। हालांकि आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। लेकिन स्कूल परिसर में हुई इस खौफनाक वारदात पर बीएसए ने स्कूल प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया है।

बचपन में पोलियो की खुराक ही है बचाव : जायसवाल

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में सघन पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत दो बूंद जिंदगी की कार्यक्रम के क्रम में आज नगरपालिका परिषद पडरौना अध्यक्ष विनय जायसवाल के निर्देशन में उनके प्रतिनिधि मनीष जायसवाल द्वारा पुरूष नेत्र चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारंभ कर वहां उपस्थित सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई गई। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला प्रतिरक्षा अधिकारी डॉ. संजय गुप्ता, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. संजीव सुमन की उपस्थिति प्रमुख रूप से रही। कार्यक्रम में 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। कार्यक्रम के बाद अपने सम्बोधन में अध्यक्ष प्रतिनिधि जायसवाल ने बताया कि पोलियो की बीमारी एक अभिशाप की तरह है जिसका इलाज बचपन मे पोलियो की खुराक ही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : मटियारी

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। गौरीगंज के पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा। अधिकारी कर्मचारी समाजवादी का चोला ओढ़कर काम करना बंद करें। वरना खैर नहीं होगी। गौरीगंज विधानसभा सपा के कब्जे में है। पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र रविवार को जनता दरबार में थे। इस दौरान भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष विधायक के सामने रोने लगे। बूथ अध्यक्ष ने बताया कि सपा विधायक के दबाव में कानूनगो मंजीत उत्पीड़न कर रहे हैं। जिससे विधायक कानूनगो मंजीत को फोन पर खूब खरी-खोटी सुनाए। विधायक ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता रीढ़ की हड्डी के बराबर है। जिससे कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा। विधायक ने कहा कि गौरीगंज के कुछ अधिकारी कर्मचारी समाजवादी कार्यकर्ता बन गए हैं। जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं का काम नहीं हो रहा है। विधायक इसकी जानकारी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को देंगे। विधायक के जनता दरबार में फरियादियों का विश्वास बढ़ता जा रहा है। जिससे हर रविवार को भीड़ होती है। मटियारी चुनाव हार गए थे। लेकिन हार के बाद भी जनता के बीच दुख-सुख में बराबर खड़े रहते हैं।

डीएवी की खो-खो, क्रिकेट व हॉकी की टीम नेशनल के लिए चयनित

मेरठ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। डीएवी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल, मेरठ के तत्वावधान में आयोजित कराई जा रही, तीन दिवसीय डीएवी स्पोर्ट्स स्टेट लेवल, 2023 अंडर 14, 17 19 के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजय हासिल की।

अतिथियों में प्रो. डॉ. वीरेंद्र चौधरी, (विभागाध्यक्ष, खेल विभाग, मेरठ कॉलेज) अविनाश (प्रिंसिपल व डायरेक्टर ब्लॉसम स्कूल) उपस्थित रहे। डॉ. अल्पना शर्मा (क्षेत्रीय अधिकारी यूपी जोन ए) के दिशा निर्देश में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डीएवी स्पोर्ट्स स्टेट लेवल, 2023 अंडर 14,17,19 में क्रिकेट के खेल में अंडर 14 डी ए वी साहिबाबाद विजेता, डीएवी रसूलपुर उपविजेता, अंडर 17 डी ए वी मेरठ विजेता, डीएवी साहिबाबाद उपविजेता, अंडर 19 डी ए वी खड़िया, विजेता, डीएवी बृजविहार उपविजेता रहा। हॉकी के खेल में अंडर 17 डीएवी मेरठ तथा अंदर-19 डीएवी, रसूलपुर विजयी रहा। फुटबॉल के खेल में अंडर 14 डीएवी बबराला एक गोल से डीएवी परासी से जीती, अंडर 17 वर्ग में डीएवी गेल दो गोल से डीएवी परासी से जीती तथा अंडर-19 में डीएवी नोएडा दो गोल से डीएवी बबराला से जीती। वॉलीबॉल खेल में अंडर 17 डीएवी मुजफ्फरनगर तथा डीएवी चंद्र नगर में डीएवी मुजफ्फरनगर विजयी रहा तथा अंडर-19 वर्ग में डीएवी पिलखुवा तथा डीएवी प्रताप विहार में डीएवी प्रताप विहार विजयी रहा। बैडमिंटन के खेल में अंडर 14 डीएवी नोएडा, अंडर 17 डीएवी ओबरा, अंडर 19 डीएवी रॉबर्ट्सगंज विजयी रहा। खो-खो के खेल में अंडर 14 डीएवी टांडा विजेता तथा डीएवी साहिबाबाद उपविजेता, अंडर 17 डीएवी परासी विजेता तथा डीएवी प्रताप विहार उपविजेता रहा।

■ चार स्थानों पर चल रही स्टेट लेवल प्रतियोगिता
■ दूसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

क्षेत्र के विकास में नहीं छोड़ी जाएगी कोई कमी : जयवीर सिंह

फिरोजाबाद, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद आये प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज मंदिर के सौंदर्यीकरण और विकास कार्य का शुभारंभ किया। सिरसागंज क्षेत्र के गांव पैगू स्थित शिव मंदिर का 154.40 लाख की लागत से पर्यटन विकास कार्य होगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की प्रेरणा से जनपद फिरोजाबाद के पुरातात्विक, ऐतिहासिक महत्व के प्राचीन मंदिरों और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का जीर्णोद्धार का कार्य निरंतर प्रगति पर है। विगत लगभग एक वर्ष में जनपद के कई मंदिरों का पर्यटन विकास कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी क्रम में आज सिरसागंज क्षेत्र के ग्राम पैगू के प्राचीन शिव मंदिर के पर्यटन विकास कार्य का शुभारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि इस प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार के तहत बाउण्ड्रीवॉल, सीसी सडक, कुण्ड का विकास, भव्य प्रवेश द्वार, मल्टीपर्पज हॉल, चाहरदीवारी, चबूतरे का विकास, म्यूरल वॉल, पार्क का विकास, स्टोन बेंच, साइनेज, शौचालय आदि निर्माण कार्य होगें।

फ्रेशर पार्टी में रैंप वॉक व स्टैंड अप कॉमेडियन ने जीता सभी का दिल

मेरठ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय में नव आगंतुक छात्रों के स्वागत के लिए विश्वविद्यालय में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जयानंद एवं कुलसचिव डॉ. गणेश भारद्वाज द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में देश के प्रख्यात कॉमेडियन इंद्र साहनी द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। जिसका छात्रों ने भरपूर लुफ्त उठाया। फ्रेशर पार्टी में छात्र-छात्राओं ने अपनी विविध सांस्कृतिक और कला क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए एक संस्कृति भरी रात गुजारी। इस अवसर पर, विभिन्न क्लब्स ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और संस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसने छात्रों को एक-दूसरे के साथ जुड़ने और अद्भुत अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम के अंत में मिस्टर फ्रेशर बीबीए एलएलबी के छात्र मयंक, मिस फ्रेशर बीकॉम की छात्रा निष्ठा, मिस्टर इवनिंग अभि बीटेक सीएस, मिस चार्मिंग नव्या बीबीए एलएलबी, मिस्टर चार्मिंग एमबीए के आमिर, आउटफिट ऑफ द डे मेल विराज बीबीए एलएलबी एवं फीमेल चितरंगी एमएससी चुनी गई।

औरैया में कार ने दस को रौंदा

औरैया, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के थाना ऐरवाकटरा क्षेत्र में उमरैन समीप आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर वाहन का इंतजार कर रहे दस लोगों को एक तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। टक्कर मारते हुए कार तेजी से निकल गई। हादसा होते ही अफरा-तफरी मच गई। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यहां यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार को रफ्तार फिर काल बनकर सामने आयी। एरवा कटरा के गांव नगला पहाड़ी निवासी 38 वर्षीय रमन सिंह अपनी रिश्तेदारी फतेहाबाद में एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पत्नी कल्पना, दस वर्षीय बेटी गुनगुन, तीन वर्षीय बेटे यश, सूरज और परिवार की ही 25 वर्षीय अलका पत्नी सोनू, 8 वर्षीय आराध्या पुत्री सोनू के साथ निकले थे। वह एक्सप्रेस-वे कट पर वाहन का इंतजार कर रहे थे।

प्रौद्योगिकियों व नवाचारों पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

मेरठ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के भीकाजी कामा सुभारती कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट में खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से दो दिवसीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में उन्नत प्रौद्योगिकियों और नवाचारों पर 8 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। भीकाजी कामा सुभारती कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट के प्राचार्य डॉ.शिव मोहन वर्मा ने देश के विभिन्न राज्यों से आएं अतिथियों व विशेषज्ञों का गमर्जोशी से स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी.के.थपलियाल ने सम्मेलन के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह सम्मेलन पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में नवाचारों की हमारी समझ को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.शल्या राज ने आतिथ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी अतिथियों को सुभारती परिसर एवं द मार्स रिसोर्ट्स का भ्रमण करने के लिए निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि सुभारती विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को दक्ष बना कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। मुख्य अतिथि सहायक खाद्य आयुक्त, विनीत कुमार ने पर्यटन उद्योग में प्रभावी विपणन की भूमिका पर जोर देते हुए यात्रा विपणन और प्रचार को बढ़ाने के विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। उन्होंने सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

आयोजन *नगर पंचायत दौराला में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम आयोजित*

देश के हर गांव में बसती है भारत की आत्मा : धर्मपाल सिंह

मेरठ, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। रविवार को विकास खण्ड दौराला क्षेत्र के ग्राम पंचायत दौराला स्थित एमबी फार्म हाउस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे मंत्री, पशुधन, दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण एवं मुस्लिम वक्फएवं हज तथा नागरिक सुरक्षा विभाग उप्र प्रभारी मंत्री मेरठ धर्मपाल सिंह ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर अन्य जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रही।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने प्रभारी मंत्री व जनप्रतिनिधियो का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मल्हू सिंह आर्य कन्या इंटर कालिज मटौर दौराला की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना का गायन किया गया तथा नाट्य प्रस्तुति दी गई। इस अवसर प्रभारी मंत्री ने सभी को शपथ भी दिलाई। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में मेरी कहानी मेरी जुबानी के अंतर्गत कृषि विभाग के लाभार्थी सुनील कुमार फौजी, खाद्य एवं रसद विभाग के अंतर्गत उज्ज्वला योजना की लाभार्थी इंदुपाल, ग्राम्य विकास

स्वत: रोजगार की लाभार्थी रामेश्वरी, समाज कल्याण के अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थी सुरेन्द्र पाल द्वारा अपने-अपने अनुभव साझा किए गए। प्रभारी मंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की लाभार्थी महावीरी, नूरजहां, अनीता को प्रतीकात्मक रूप से चाबी तथा स्वास्थ्य विभाग के आयुष्मान योजना के लाभार्थी ओमपाल, अंशुल कुमार को आयुष्मान कार्ड का वितरण तथा अन्य योजनाओ के लाभार्थियो को लाभान्वित किया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा सहकारिता, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, समाज कल्याण, कृषि, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, श्रम विभाग, ग्राम विकास विभाग का निरीक्षण किया गया। सभी विभागों द्वारा आमजन को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओ की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री द्वारा महिलाओं की गोद भराई तथा बच्चो का अन्नप्राशन भी कराया गया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि भारत की आत्मा गांव में बसती है, भारत गांव का देश है। उन्होंने कहा कि हमारी परम्परा में दो महत्वपूर्ण विधाएं है।

■ मेरी कहानी मेरी जुबानी में लाभार्थियों ने साझा किए अपने अनुभव
■ प्रभारी मंत्री ने पीएम आवास योजना के लाभार्थी को सौंपी चाबी
■ कई संदेश के साथ गांव-गांव निकाली जा रही यात्रा

विकसित भारत संकल्प यात्रा एक अभियान : द्विवेदी

फर्रुखाबाद, 10 दिसम्बर (देशबन्धु)। रविवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जनपद फर्रुखाबाद की चारों विधानसभाओं के जसमई, पल्ला बाजार, बरौन, गुताशी, पखना, बराकेशव इकलहरा में कार्यक्रम आयोजित हुए जहां पर पार्टी के जिला अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सरकार की योजनाओं की जानकारियां दी। सदर विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड बढ़पुर के ग्राम गुताशी में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता एवं मुख्य अतिथि सदर विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने पत्रों को प्रधानमंत्री आवास के स्वीकृति पत्र एवं नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन व गर्भवती महिलाओं का गोद भराई की। मुख्य अतिथि मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा एक अभियान है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि भारत 2047 तक विकसित हो जाए इसके लिए गांव गरीब किसान और नौजवान का विकास होना आवश्यक है।

मेघना गुलजार की फिल्म स्पाइडर में काम करेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्मकार मेघना गुलजार की फिल्म स्पाइडर में काम करते नजर आ सकते हैं। मेघना गुलजार सच्ची घटना पर आधारित फिल्म स्पाइडर बनाने जा रही है।इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ जान्हवी कपूर भी नजर आएंगी। मेघना गुलजार पिछले एक साल से इस फिल्म की कहानी की स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। मेघना गुलजार ने बताया कि यह फिल्म लोगों को हैरान कर देगी। इस फिल्म की शूटिंग 2024 से शुरू की जाएगी। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा करेंगे।

नेपोटिज्म की आलोचना करना आसान है, लेकिन सफलता टैलेंट पर निर्भर करती है : फलक नाज

मुंबई, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। 'ससुराल सिमर का', 'लाल इश्क', 'डोली अरमानों की' जैसे शो का हिस्सा रह चुकीं एक्ट्रेस फलक नाज ने कहा है कि इंडस्ट्री में बड़ा ब्रेक पाने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा और यह संघर्ष कनेक्शन पर बेस्ड नहीं था। अपने शुरुआती संघर्ष के दिनों के बारे में बात करते हुए, फलक ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, जब मैं पहली बार यहां आयी थी, तो मेरा कोई कनेक्शन नहीं था। पहुंचने के बाद, मैंने गूगल पर प्रोडक्शन हाउस देखे और टेलीफोन डायरेक्टरी में नंबर पाए। मैं सीधे प्रोडक्शन हाउस जाऊंगी, अपना परिचय दूंगी और धीरे-धीरे कनेक्शन बनाऊंगी। 'अदालत' फेम एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा मानना है कि नेटवर्किंग और रेफरेंस ज्यादा मायने नहीं रखते क्योंकि अगर आपके पास टैलेंट है, तो यह खुद बोलता है। नेपोटिज्म के बारे में बात करते हुए, 'बिग बॉस ओटीटी 2' कंटेस्टेंट ने कहा कि नेपोटिज्म आम है, लेकिन मेरा मानना है कि आज के दर्शक, चाहे बड़े पर्दे पर हो या टीवी पर, काफी समझदार हैं। वे टैलेंट को महत्व देते हैं, जैसा कि रणबीर कपूर जैसे अभिनेताओं ने दिखाया है, जिन्होंने फिल्मी परिवार से होने के बावजूद अपनी एक्टिंग से दुनिया भर में पहचान हासिल की। फलक ने कहा कि सफलता का दोष केवल नेपोटिज्म पर मढ़ना सही नहीं है, कई अभिनेता स्ट्रांग फैमिली से आते हैं। फैमिली कनेक्शन कई फील्ड्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे डॉक्टरों या वकील का परिवार होना। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नेपोटिज्म की आलोचना करना आसान है क्योंकि वहां थोड़ा विरोध है, लेकिन वास्तव में, सफलता व्यक्तिगत प्रतिभा पर निर्भर करती है।

एचआईवी-रोधी दवाओं के प्रभाव को लेकर शोधकर्ताओं का खुलासा

कोविड संक्रमण को रोकने में मदद कर सकती है एचआईवी की दवा

सैन फ्रांसिस्को, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। एचआईवी (ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस) की दवा सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम वेरिएंट-कोविड 2 सहित कई कोरोनोवायरस से होने वाली बीमारियों को रोकने में कारगर है। एक शोध में यह पता चला है। शोधकर्ताओं ने पहले दिखाया है कि 'कोबिसिस्टैट' नामक एक बूस्टर दवा, जिसका उपयोग आम तौर पर एचआईवी-रोधी दवाओं के प्रभाव को बढ़ाने के लिए किया जाता है। 2020 की शुरुआत में यूरोप में फैलने वाले सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम वेरिएंट-कोविड 2 के खिलाफ एंटीवायरल गुण हो सकते हैं।

'कोबिसिस्टैट' नामक एक बूस्टर दवा

जर्नल एंटीवायरल रिसर्च में प्रकाशित शोध में शोधकर्ताओं ने जांच की कि क्या सार्स-कोविड-2 के चिंता के प्रमुख वेरिएंट (वीओसी) और मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोनवायरस (एमईआरएससीओवी) सहित अन्य कोरोनोवायरस के खिलाफ कोबिसिस्टैट के एंटी-सार्स-कोविड-2 गुणों को बनाए रखा गया था।

30 प्रतिशत से अधिक की मृत्युदर के साथ मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोविड बिना किसी वैक्सीन या विशिष्ट उपचार के पूरे मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया में फैलता है। शोधकर्ताओं ने कोबिसिस्टैट के प्रभावों की तुलना रिटोनावीर के प्रभावों से भी की, जो संरचनात्मक रूप से समान है जो सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम वेरिएंट-कोविड 2 के एंटीवायरल उपचार के लिए वर्तमान स्वर्ण मानक, पैक्सलोविड के घटकों में से एक है। कैबिसिस्टैट और रिटोनाविर के एंटी-कोरोनावायरस प्रभावों की स्क्रीनिंग और समानांतर तुलना के लिए स्वचालित छवि विश्लेषण का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने पाया कि कैबोबिस्टैट और रिटोनावीर दोनों परीक्षण किए गए सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम वेरिएंट-कोविड 2 के सभी आठ वीओसी के साथ-साथ एमईआरएस सहित अन्य मानव कोरोनवीरस के खिलाफ कार्य करते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि हमारे अध्ययन से पता चलता है कि सीवाईपी 3 ए,अवरोधक रिटोनावीर और अधिक हद तक कैबोबिस्टैट को स्वीकृत खुराक के नियमों को समायोजित करके विवो में संभावित रूप से प्रासांद्रता पर व्यापक रूप से प्रभावी एंटी-कोरोनावायरस एजेंटों के रूप में पुन: उपयोग किया जा सकता है। निष्कर्षों से पता चला कि कैबोबिस्टैट, रिटोनावीर से अधिक प्रभावी है। दोनों दवाओं ने अच्छी तरह से खुराक पर इन विट्रो में एंटी-कोरोनावायरस गतिविधि का प्रदर्शन किया जो इस समय एचआईवी-रोधी दवा बूस्टर गतिविधि और पैक्सलोविड में उपयोग की जाने वाली दवाओं की तुलना में अधिक थी।

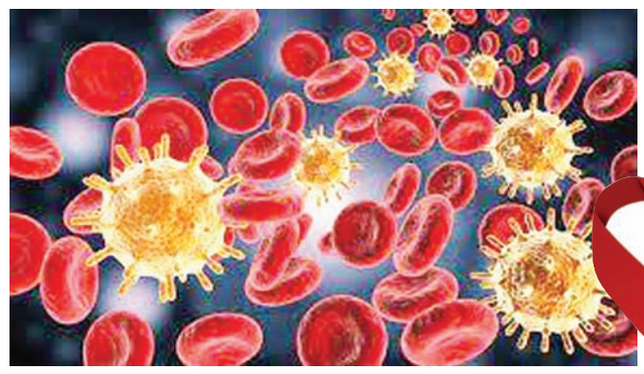

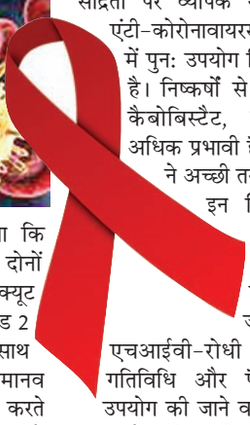

23 साल बाद 'दिल चाहता है' की 'जादुई' लोकेशन पर पहुंचे फरहान अख्तर

मुंबई, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर ने पुरानी यादों की सैर की और कॉमेडी ड्रामा 'दिल चाहता है' के रिलीज के 23 साल बाद गोवा में चपोरा किले के प्रतिष्ठित स्थान को फिर से देखा। यह फिल्म फरहान के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी और इसमें आमिर खान (आकाश), सैफ अली खान (समीर) और अक्षय खन्ना (सिड) मुख्य भूमिकाओं में थे। शंकर महादेवन और क्लिंटन सेरेजो द्वारा गाया गया फिल्म का शीर्षक ट्रैक चपोरा किले में शूट किया गया था। फरहान ने इंस्टाग्राम पर एक मनमोहक तस्वीर साझा की, जिसमें हम उन्हें दीवार पर बैठे पोज देते हुए देख सकते हैं। उनके साथ निर्देशक शुजात सौदागर भी हैं, जो 'रॉक ऑन 2' और 'बंबई मेरी जान' के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। फरहान गहरे भूरे रंग की जैकेट, टी शर्ट और नीली डेनिम पैंट पहने नजर आ रहे हैं। फोटो के साथ, उन्होंने लिखा, 'चापोरा किले में पहली बार हमने आकाश, सिड और समीर को जीवन के बारे में बात करते हुए फिल्माया। वह 23 साल पहले की बात है, बहुत कुछ बदल गया है लेकिन गोवा की गर्म, समुद्री-नमकयुक्त हवा वैसी ही बनी हुई है। कुछ जगहें बिल्कुल जादुई होती हैं।' पोस्ट कार्तिक आर्यन को पसंद आई। शुजात ने पोस्ट पर टिप्पणी की और कहा, शब्द नहीं, आपके साथ होना बहुत खास पल है और दिल चाहता है बनाने के लिए धन्यवाद। फरहान की पत्नी शिबानी ने लिखा, 'मेरे 2 पसंदीदा लोग एक जादुई फ्रेम में।' यह फिल्म तीन कॉलेज छात्रों के प्रेम जीवन और दोस्ती के इर्द-गिर्द घूमती है।

रणबीर कपूर के साथ 'टेम्पटेशन आइलैंड' जाना चाहती हैं 'बिग बॉस' से एविक्ट हुईं सना रईस खान

मुंबई, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। 'बिग बॉस 17' से एविक्ट हुईं सना रईस खान ने कहा कि उन्हें बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर 'लुभावने' लगते हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान, उन्होंने अपनी फैंटेसी शेयर की, जहां उन्होंने रणबीर के साथ 'टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया' पर जाने की अपनी इच्छा जाहिर की।

सना ने रणबीर कपूर के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं चाहूंगी कि मेरी 'प्यार की परीक्षा' किसी और के साथ नहीं बल्कि रणबीर कपूर के साथ हो। मुझे वास्तव में वह बहुत आकर्षक लगते है और मुझे लगता है कि उनके साथ किसी अज्ञात आइलैंड पर जाना और किसी रिश्ते को परखना एक ऐसा अनुभव होगा, जो किसी भी अन्य अनुभव से बेहतर होगा।

लेटेस्ट रिलीज 'एनिमल' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे पता चला कि वह अपनी हालिया फिल्म में अपने नए लुक और शक्तिशाली अभिनय के साथ बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रहे हैं। अब जब मैं बिग बॉस के घर से बाहर आ गयी हूं तो मैं उनकी फिल्म देखने जरूर जाऊंगी। मुझे पूरा यकीन है कि मैं अब और ज्यादा उनकी फैन हो जाऊंगी!

'टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया' जियोसिनेमा पर प्रसारित होता है।

शरद, लहरीबाई व वैभव को प्राध्यापक यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। वंचितों को शिक्षा मुहैया करने के लिए शरद विवेक सागर (पटना, बिहार) को प्राध्यापक यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार में एक लाख रुपए की राशि, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह शामिल हैं। इसी तरह श्रीअन्न (मिलेट्स) के संरक्षण व संवर्धन के मौलिक कार्य हेतु लहरीबाई पडिया (डिंडोरी, मध्य प्रदेश) को, तथा दिव्यांगों के जीवनस्तर को बेहतर और आत्मविश्वास युक्त बनाने के लिएडॉ वैभव भंडारी (पाली, राजस्थान) को यशवंतराव केलकर पुरस्कार दिया गया है। रविवार को यह समारोह दिल्ली के बुराड़ी स्थित डीडीए ग्राउंड में विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन निमित्त बसाई गई टेंट सिटी में हुआ। यह पुरस्कार वर्ष 1991 से प्रा. यशवंतराव केलकर की स्मृति में दिया जाता है, जिन्हें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का शिल्पकार भी कहा जाता है। अभाविप के मुताबिक, अभाविप का वैचारिक अधिष्ठान, कार्यकर्ता विकास तथा कार्यपद्धति को स्थापित व निर्धारित करने में प्रा. यशवंतराव केलकर की महती भूमिका थी। पुरस्कार का उद्देश्य युवा सामाजिक परिवर्तनकारियों के कार्य को उजागर करना है।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद लहरीबाई पडिया ने कहा कि मोटे अनाज हमारे पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं, हमें इसका उपयोग करना चाहिए। भारतीय आहार व्यवस्था अत्यंत समृद्ध तथा पोषणयुक्त रही है, हमारी पीढ़ी के युवाओं को स्वस्थ रहने के लिए अपना खान-पान ठीक रखना होगा। यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार से सम्मानित शरद विवेक सागर ने कहा कि अभाविप 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मिला यह पुरस्कार मैं अपने पूर्व में मिले सभी पुरस्कारों से पृथक और पवित्र मानता हूं। यह पुरस्कार मेरे लिए विशिष्ट है। वहीं डॉ वैभव भंडारी ने कहा कि मैंने सार्वजनिक स्थानों पर दिव्यांगों के हितों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया और अपनी दिव्यांगता के संघर्ष को कभी आड़े नहीं आने दिया।

एआई जल्द ही आपकी फोटोज के जरिए बताएगा आपकी लाइफ की कहानी

सैन फ्रांसिस्को, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। गूगल एआई तकनीक को लागू करके आपके फोटो के जरिए आपकी गुजरी हुई लाइफ की कहानी बताएगा। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 'प्रोजेक्ट एलमैन' शीर्षक से सर्च रिजल्ट का उपयोग करने, यूजर्स की तस्वीरों में पैटर्न खोजने, एक चैटबॉट बनाने और 'पहले असंभव सवालों का जवाब देने' के लिए लेटेस्ट जेमिनी मॉडल जैसे बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) का उपयोग करने का विचार है।'

रिपोर्ट के अनुसार, 'प्रोजेक्ट एलमैन उन कई तरीकों में से एक है, जिनसे गूगल एआई तकनीक के साथ अपने प्रोडक्ट्स को बनाने या सुधारने का प्रस्ताव दे रहा है।' गूगल फ़ोटो के 1 बिलियन से अधिक यूजर्स और 4 ट्रिलियन फ़ोटो और वीडियो हैं। 'प्रोजेक्ट एलमैन' लेबल और मेटाडेटा वाले पिक्सेल की तुलना में यूजर्स की तस्वीरों का अधिक गहराई से वर्णन करने के लिए बीते पलों की जीवनियों और बाद की तस्वीरों का उपयोग करके कॉन्टेक्स्ट चित्रित कर सकता है। प्रोजेक्ट के अनुसार, 'हम आपके जीवन पर आंखों से देखा गया दृश्य डाले बिना कठिन सवालों का जवाब नहीं दे सकते या अच्छी कहानियां नहीं बता सकते।' परियोजना प्रस्तुति के अनुसार, 'हम एक सार्थक पलों की पहचान करने के लिए आपकी तस्वीरों में उनके टैग और स्थानों को देखते हैं। जब हम पीछे हटते हैं और आपके जीवन को उसकी संपूर्णता में समझते हैं, तो आपकी व्यापक कहानी स्पष्ट हो जाती है।' 'एलमैन चैट' के साथ, चैटजीपीटी ऑपनिंग की कल्पना करें लेकिन यह पहले से ही आपके जीवन के बारे में सब कुछ जानता है। आप इससे क्या पूछेंगे?' गूगल के एक प्रवक्ता ने कहा कि गूगल फ़ोटो ने हमेशा लोगों को उनकी फ़ोटो और वीडियो खोजने में मदद करने के लिए एआई का उपयोग किया है। और हम और भी अधिक उपयोगी अनुभवों को अनलॉक करने के लिए एलएलएम की क्षमता के बारे में उत्साहित हैं।

प्यार में गलतियां नहीं निकाली जाती : करण कुंद्रा

मुंबई, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। एक्टर और 'टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया' के होस्ट करण कुंद्रा ने प्यार में स्पष्टता (क्लैरिटी) के महत्व पर जोर दिया, साथ ही कहा कि पार्टनर के पर्सपेक्टिव को समझने के लिए बातचीत की जरूरत होती है। 'टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया' कपल्स को अपने रिश्तों की रियलिटी का सामना करने के लिए प्रेरित कर रहा है हाल के बोनफायर एपिसोड में, करण ने प्यार की जटिलताओं पर विचार किया और कहा कि प्यार में गलतियां नहीं निकाली जातीं। इसके लिए पार्टनर के पर्सपेक्टिव को खोलने और समझने की जरुरत है।

साइकलिंग से प्रदूषण होगा कम, सुरक्षित रहेगा प्राकृतिक संसाधन

भदोही, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही साइकलिंग क्लब की ओर से रविवार को गोपीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान लोगों को स्वस्थ रहने के टिप्स दिए गए। अताउल अंसारी के नेतृत्व में निकाली गई साइकिल यात्रा मे शामिल प्रमुख चिकित्सक डॉ. एस एस यादव व बैंक प्रबंधक अनिरुद्ध साहू ने लोगों को जागरूक करते हुए डीघ विकास खंड के खत्रीपुर, रामपुर कायस्थान, गुदरीपुर गांव का भ्रमण किया।

गुदरीपुर मे प्रधान प्रतिनिधि गुलाब चंद तिवारी के साथ बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने साइकिल चालकों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। जागरुकता अभियान की सराहना करते हुए कहा गया कि सुबह उठना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। स्वयं साइकिल यात्रा में शामिल होकर अमिलौर, बनका, रामपुरघाट आदि गांव मे हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पूरे भदोही को स्वस्थ बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का उद्घोष करते हुए लोगों को सुबह उठने,योग, व्यायाम करने, साइकिल चलाने के फायदे की जानकारी दी गई।

गौरतलब है कि अंसारी के नेतृत्व में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए प्रत्येक रविवार को साइकिल यात्रा निकाली जा रही है। उनकी इस मुहिम में जिले के कई चिकित्सक,अधिकारी, अधिवक्ता, अध्यापक, युवा, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि शामिल हो रहे है। साइकिल यात्रा में प्रमुख रूप से अतुल शुक्ला, सोहराब अली, मंजूर आलम, आद्या तिवारी, अबरार हाश्मी, फिरोज अली, बद्रीनाथ मिश्रा, महमूद आलम, मंजूर आलम, फरहान अंसारी, नवाज अली, नायाब अंसारी, प्रवीण सिंह टंडन, इमरान अहमद सादिक हुसैन, सुशील सिंह आदि रहे।

पहचान खोता जा रहा विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेला

हाजीपुर, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। बिहार में 'मोक्षदायिनी' गंगा और 'नारायणी' गंडक के संगम स्थल पर लगने वाले सोनपुर मेला की पहचान भले ही विश्व प्रसिद्ध 'पशु मेले' के रूप में रही है, लेकिन आज यह मेला अपनी पुरानी पहचान खोता जा रहा है। इस मेले के विषय में कुछ सालों पहले कहा जाता था कि यहां सुई से लेकर हाथी तक आपको खरीदने को मिल सकेगा, लेकिन सरकारी नियमों और कानूनों के कारण अब इस मेला का सिर्फ परंपरा निर्वाह किया जा रहा है। स्थानीय लोग इस ऐतिहासिक और पौराणिक मेले की पुरानी छवि लौटाने के लिए राष्ट्रीय मेले के दर्जे की मांग कर रहे हैं। इस साल घोड़े तो इस मेले में पहुंचे, लेकिन हाथी नदारद हैं। कार्तिक पूर्णिमा से प्रारंभ होकर एक महीने तक चलने वाले इस मेले में पहले घोड़ा दौड़ और हाथी स्नान का आयोजन होता था, लेकिन इस साल अब तक इसका आयोजन भी नहीं हुआ है, इससे लोग निराश हैं। हालांकि मेले में कुछ प्रदेशों के घोड़े आए हैं। इस साल इस मेले का उद्घाटन राज्य के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने 25 नवम्बर को किया था। इस मेले में इस साल कई आधुनिक झूले और वाटर फिश टनल लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। हाजीपुर के रहने वाले और दानापुर जेएनएल कॉलेज के प्रोफेसर अजीत सिंह ने कहा कि पशु मेला के रूप में विश्व विख्यात हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में पहले सैलानियों के मुख्य आकर्षण का केंद्र हाथी और घोड़ा होते थे। विभिन्न प्रतिबंधों की आड़ में इसके यहां लाने पर रोक लगा दी गई, तो दूसरे राज्यों से आने वाले दुधारू पशु पर भी रोक लग गई। हाथी के बाद बना मुख्य आकर्षण घोड़ा बाजार को भी समाप्त करने की साजिश शुरू हो गई है।

- राष्ट्रीय मेले के दर्जे की आस
- सुई से लेकर हाथी तक खरीदने को मिल सकेगा
- आधुनिक झूले और वाटर फिश टनल लोगों को कर रहे आकर्षित

उन्होंने बताया कि पहले अफगानिस्तान के काबुल, मुल्तान से लेकर बेशकीमती अरबी घोड़े बिकने के लिए सोनपुर में आते थे। घोड़ा मंडी में घोड़ों की हर प्रजाति मिल जाती थी। इसकी खरीद के लिए घोड़ों के शौकीन सोनपुर आते थे। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के साथ पंजाब से घोड़ों की खरीद के लिए शौकीन लोग आते थे। लेकिन, प्रदेश सरकार इस मेले के स्वरूप को ही छोटा करने में लगी है।

इतिहास के पन्नों को देखें तो यह प्रमाण मिलता है कि मुगल सम्राट अकबर के प्रधान सेनापति मान सिंह ने सोनपुर मेला में आकर शाही सेना के लिए हाथी एवं अस्त्र-शस्त्र की खरीदारी की थी। एक जमाने में यह मेला जंगी हाथियों का सबसे बड़ा केंद्र था।

भावनाओं को भड़काने वाले 'एनिमल' फिल्म के दृश्यों को हटाएं : मोहम्मद

अमृतसर, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएसएफ) ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को एक पत्र लिखकर फिल्म 'एनिमल' के कुछ दृश्यों पर उनकी आपत्ति व्यक्त की है, जिससे सिख भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है।

एआईएसएसएफ का प्रतिनिधित्व संरक्षक करनैल सिंह पीर मोहम्मद और अध्यक्ष एडवोकेट परमिंदर सिंह ढींगरा ने कहा कि उनका संगठन सीबीएफसी से दृढ़तापूर्वक अनुरोध करता है कि इन आपत्तिजनक दृश्यों को हटाने के लिए तुरंत कार्रवाई की जाए। आपत्तिजनक दृश्यों में रणबीर कपूर द्वारा सिगरेट पीते समय एक गुरसिख व्यक्ति के चेहरे पर धुंआ उड़ाना, संत कबीर साहिब के एक शबद का विरूपण, चरित्र 'अर्जन वेल्ली' में गुंडागर्दी का माहौल दर्शाया गया है, और एक अंतिम दृश्य जहां रणबीर कपूर शामिल हैं एक गुरसिख व्यक्ति की दाढ़ी पर कसाई का चाकू। ये दृश्य सिख समुदाय के सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों के प्रति गहरा अनादर प्रदर्शित करते हैं। पीर मोहम्मद ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के अध्यक्ष से भविष्य में ऐसी फिल्मों के निर्माण को रोकने के लिए फिल्म निर्माताओं के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सिख सिद्धांतों का अपमान करने वाली फिल्मों की शीघ्र पहचान और रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए सीबीएफसी को अपने बोर्ड में सिख प्रतिनिधियों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

देशबन्धु

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एचसीएल टेक	2.69 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.44 प्रतिशत
इंफोसिस	1.67 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.38 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.17 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	1.95 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.48 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.00 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.73 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.62 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

निवेशकों के लिए कुछ पीएसयू व निजी बैंकों पर भरोसे का समय

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारतीय बैंकिंग प्रणाली में विदेशी और सहकारी बैंकों के अलावा 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक शामिल हैं। पिछले एक साल से अब तक बैंकिंग इंडेक्स ने 9.29 फीसदी का रिटर्न दिया है। दिवाला और दिवालियापन संहिता लागू होने के बाद, भारतीय बैंकिंग प्रणाली की अधिकांश गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का समाधान हो गया है, या तो इसका भुगतान कर दिया गया है या राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) मार्ग के माध्यम से लिया गया है।

यदि हम अधिकांश सार्वजनिक क्षेत्र और निजी बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों पर नजर डालें तो सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में भारी कमी आई है। भारतीय बैंकों ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के दौरान

अच्छी कमाई की, लेकिन प्रदर्शन में धीमी गति देखी गई।

ऋणदाताओं ने क्रेडिट लागत में कमी के कारण साल-दर-साल 33 प्रतिशत की शुद्ध लाभ वृद्धि दर्ज की। जबकि वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के दौरान बैंकों के लिए ऋण वृद्धि लगभग 15 प्रतिशत योय पर आरामदायक थी, जमा और बैंक ऋण की लागत के पुन: मूल्य निर्धारण के कारण अधिकांश के लिए शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में गिरावट आई। सार्वजनिक और निजी बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में क्रमिक रूप से सुधार हुआ। वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तीमाही में 12 भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का संयुक्त लाभ 31 प्रतिशत बढ़कर 33,643 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 25,684 करोड़ रुपए था। बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात वित्तीय वर्ष 23 की दूसरी तीमाही में 9.67 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तीमाही में 4.62 प्रतिशत हो गया, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात वित?तीय वर्ष 24 की दूसरी तीमाही में 1.64 प्रतिशत हो गया, जो वित्तीय वर्ष 23 की दूसरी तीमाही में 2.95 प्रतिशत था।

हमारा मानना है कि गैर-निष्पादित परिसंपत्ति चक्र में कमी आने के साथ, हम अच्छी ऋण वृद्धि देख रहे हैं और मजबूत सरकारी नीति के साथ, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आकर्षक दिख रहे हैं और इन स्तरों से भी अच्छी खरीदारी होनी चाहिए। हम सार्वजनिक क्षेत्र में यूनियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक जैसे कुछ नामों पर उत्साहित हैं, जबकि निजी बैंकों में एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक आशाजनक दिख रहे हैं।

निवेशकों की नजर भारत, अमेरिका के मुद्रास्फीति आंकड़ों पर

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि आगामी सप्ताह में, निवेशकों की नजर भारत और अमेरिका के मुद्रास्फीति डेटा पर रहेगी। भारतीय में महंगाई दर बढ़ने की संभावना है, जबकि अमेरिकी मुद्रास्फीति स्थिर रहेगी। भारतीय औद्योगिक और विनिर्माण उत्पादन में भी विस्तार की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने कहा कि फेड नीति बैठक के नतीजे बाजार की भावनाओं को आकार देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मजबूत घरेलू जीडीपी विकास दर में बढ़ोतरी के कारण भारतीय बाजार ने सर्वकालिक उच्चतम स्तर हासिल किया। आरबीआई द्वारा दरों को यथास्थिति बनाए रखने के बावजूद, वित्त वर्ष 2024 के लिए जीडीपी विकास पूर्वानुमान (6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत) ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि एसडीएफ और एमडीएफ सुविधाओं को वापस लेने सहित तरलता की कमी को दूर करने के उपायों ने वित्तीय स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिससे सप्ताह के दौरान निफ्टी बैंक में 5 प्रतिशत की बढ़त हुई। मूल्यांकन ठीक होने, त्योहार के सीजन में मांग बढ़ने और आवासीय बिक्री में मजबूत वृद्धि के कारण आईटी, उपभोक्ता, ऑटो और रियल्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ आर्थिक परिदृश्य, मजबूत दूसरी तिमाही की आय और तेल की कीमतों में सुधार के कारण मिड और स्मॉल-कैप ने बेहतर प्रदर्शन जारी रखा है। कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (तकनीकी अनुसंधान) अमोल अठावले ने कहा कि पिछले सप्ताह बेंचमार्क सूचकांकों में शानदार तेजी देखी गई।

निफ्टी 3.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 2,340 अंक से अधिक चढ़ा। लगभग सभी प्रमुख सेक्टोरल सूचकांकों ने सकारात्मक गति दर्ज की, लेकिन ऊर्जा सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए लगभग 8 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। सप्ताह के दौरान, निफ्टी/सेंसेक्स ने 20,200/68,000 के महत्वपूर्ण प्रतिरोध को सफलतापूर्वक पार कर लिया और ब्रेकआउट के बाद इसकी गति तेज हो गई।

ओपनएआई के साथ माइक्रोसॉफ्ट की साझेदारी पर समीक्षा कर रहा यूके नियामक

लंदन, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटेन का प्रतिस्पर्धा नियामक हाल के घटनाक्रमों सहित चैटजीपीटी के डेवलपर माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई के बीच साझेदारी पर गौर करेगा, ताकि यह समझा जा सके कि विलय का यूके में प्रतिस्पर्धा पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) इस बात की जांच कर रहा है कि क्या ओपनएआई के साथ माइक्रोसॉफ्ट का जुड़ाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मार्केट को प्रभावित कर सकता है।

मार्केट वॉचडॉग ने एक बयान में कहा, 'इनविटेशन टू कमेंट (आईटीसी) सीएमए को सूचना एकत्र करने की प्रक्रिया का पहला पार्ट है और फॉर्मल फ्रेज 1 इन्वेस्टिगेशन के किसी भी लॉन्च से पहले आता है।' हाल ही में ओपनएआई के प्रशासन में कई डेवलपमेंट्स हुए हैं, जिनमें से कुछ में माइक्रोसॉफ्ट भी शामिल है। सीएमए अब यह निर्धारित करने के लिए आईटीसी जारी कर रहा है कि क्या हाल के डेवलपमेंट्स सहित माइक्रोसॉफ्ट/ओपनएआई पार्टनरशिप के चलते प्रासंगिक विलय की स्थिति पैदा हुई है, यदि हां, तो प्रतिस्पर्धा पर संभावित प्रभाव पड़ेगा। पिछले महीने, ओपनएआई बोर्ड ने एक नाटकीय कदम में सीईओ सैम ऑल्टमैन को बर्खास्त कर दिया था, बाद में, माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष और सीईओ सत्या नडेला ने उन्हें एडवांस एआई रिसर्च का नेतृत्व करने के लिए नौकरी की पेशकश की। अंत में, ओपनएआई ने पूरी तरह से नए बोर्ड के साथ ऑल्टमैन को शीर्ष पर बहाल कर दिया, इस तरह यह इंटेंस ड्रामा समाप्त हो गया।

इस बात पर अटकलें हैं कि ऑल्टमैन को क्यों हटाया गया, लेकिन कुछ भी ठोस सामने नहीं आया है। नया बोर्ड इसकी समीक्षा कर रहा है। सीएमए के अनुसार, जिस स्पीड से एआई उपयोग बढ़ रहा है वह आर्थिक इतिहास में बेजोड़ है, जबकि पावरफुल फाउंडेशन मॉडल (एफएम) में प्रगति का मतलब है कि यह इस ट्रांसफॉर्मेटिव टेक्नोलॉजी के डेवलपमेंट में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

सीएमए ने कहा, 'इनमें से महत्वपूर्ण है एआई डेवलपर्स के बीच निरंतर प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता जो पूरे क्षेत्र में इनोवेशन, ग्रोथ और रिस्पॉन्सिबल प्रैक्टिस को वितरित करने में मदद करेगा, साथ ही साथ डाउनस्ट्रीम एक्टिविटीज की रेंज में एफएम की तैनाती में खुली और प्रभावी प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता है।' सीएमए इस बात की समीक्षा करेगा कि क्या माइक्रोसॉफ्ट-ओपनएआई साझेदारी के चलते नियंत्रण का अधिग्रहण हुआ है, जहां इसके कारण एक पक्ष के पास किसी अन्य इकाई पर भौतिक प्रभाव, वास्तविक नियंत्रण या 50 प्रतिशत से अधिक मतदान अधिकार होते हैं या एक इकाई द्वारा दूसरे पर नियंत्रण की प्रकृति में परिवर्तन होता है। सीएमए में विलय के वरिष्ठ निदेशक सोर्चा ओ कैरोल ने कहा, 'इनविटेशन टू कमेंट सीएमए की सूचना एकत्र करने की प्रक्रिया का पहला पार्ट है और किसी भी फ्रेज 1 की जांच शुरू करने से पहले आता है, जो केवल तभी होगा जब सीएमए को साझेदारी पार्टियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त हो जाएगी।'

सार संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 6.1 अरब डॉलर बढ़कर 604.04 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 01 दिसम्बर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 6.1 अरब डॉलर बढ़कर 604.04 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.94 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 01 दिसम्बर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.08 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 533.6 अरब डॉलर हो गयी। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 99.1 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 47.33 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 3.2 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.25 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 50 लाख डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 4.85 अरब डॉलर हो गई।

ऑनलाइन रिटेलर जुलीली कर रही सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। अमेजन की प्रतिस्पर्धी और ऑनलाइन रिटेलर जुलीली, जिसकी कीमत कभी 7 बिलियन डॉलर थी, सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। कंपनी अमेरिका में परिचालन बंद कर रही है। सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट ने राज्य रोजगार सुरक्षा विभाग की एक अधिसूचना के हवाले से बताया, जुलीली 7 फरवरी से सिएटल और वाशिंगटन में अन्य जगहों पर 292 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। गीकवायर के अनुसार, 13 साल पुरानी कंपनी अपने पायनियर स्क्वायर मुख्यालय और अन्य राज्यों में कई अन्य सुविधाओं को भी बंद कर रही है। दोनों राज्यों के नोटिस के अनुसार, नेवादा और ओहायो में गोदामों को बंद करने से 547 अन्य लोगों की छंटनी होगी। लेटेस्ट नौकरी में कटौती जूलीली में छंटनी के पहले कई दौरों के साथ-साथ अक्टूबर में इसके सीईओ टेरी बॉयल के इस्तीफे के बाद हुई है। जुलीली को 2010 में ऑनलाइन ज्वैलरी रिटेलर ब्लू नाइल के पूर्व अधिकारियों मार्क वाडन और डेरेल कैवेन्स द्वारा लॉन्च किया गया था। 2013 में, जुलीली के पास 12.6 मिलियन एक्टिव कस्टमर्स थे और उन्होंने 331 मिलियन डॉलर का राजस्व कमाया, जो 2010 से लगभग 700 प्रतिशत अधिक था। जुलीली 2013 में एक आईपीओ में पब्लिक हुई, जिसका मूल्य मूल रूप से 2.6 बिलियन डॉलर था, यह आंकड़ा लगभग दोगुना हो गया। 2014 तक, 1 बिलियन डॉलर की वार्षिक बिक्री पर जुलीली का बाज़ार मूल्य 7 बिलियन डॉलर था। रिपोर्टों के अनुसार, केवल अमेजन और ओल्ड नेवी ने कम समय में अरबों डॉलर के राजस्व का आंकड़ा छुआ।

फेड रिजर्व के निर्णय और महंगाई आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट के बीच चार में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जबरदस्त प्रदर्शन और आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह साढ़े तीन प्रतिशत की छलांग लगा चुके घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह नीतिगत दरों पर फेड रिजर्व के निर्णय और स्थानीय स्तर पर जारी होने वाले महंगाई आंकड़े तय करेंगे। बीते सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चालू वित्त वर्ष के आर्थिक विकास अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत करने के साथ ही महंगाई पर लगाम लगाए रखने के लिए नीतिगत दरों को एक बार फिर से यथावत रखने के निर्णय का भी बाजार पर सकारात्मक असर रहा। इससे बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2344.41 अंक अर्थात 3.5 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर सार्वकालिक उच्चतम स्तर 69825.60 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 701.5 अंक यानी 3.5 प्रतिशत की तेजी के

साथ 20969.40 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 704.15 अंक अर्थात 2.01 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 35290.91 अंक और स्मॉलकैप 538.41 अंक यानी 1.33 प्रतिशत मजबूत होकर 41104.37 अंक हो गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपेन मार्केट कमेटी की नीतिगत दरों पर अगले सप्ताह 12-13 दिसंबर को बैठक होने वाली है। बैठक के निर्णयों पर निवेशकों की नजर रहेगी। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा।

एफआईआई ने इस वर्ष पिछले लगातार तीन महीने अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में जबरदस्त बिकवाली के बाद नवंबर में 5,795.05 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है। साथ ही दिसंबर में अबतक बाजार में उनका शुद्ध निवेश 10,874.72 करोड़ रुपये का रहा है। एफआईआई अगस्त में 20,620.65 करोड़ रुपये, सितंबर में 26,692.16 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 29,056.61 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे।

इसके अलावा स्थानीय स्तर पर अगले सप्ताह मंगलवार को नवंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई और गुरुवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। बाजार को दिशा देने में इन कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

बीते सप्ताह गुरुवार की गिरावट को छोड़कर चार दिन बाजार ने नये रिकॉर्ड बनाए। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट के बीच चार में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जबरदस्त प्रदर्शन और आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 1383.93 अंक की उड़ान भरकर 68865.12 अंक और निफ्टी 418.90 अंक की तेजी लेकर 20686.80 अंक पर रहा।

विश्व बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली थमने से यूटिलिटीज, पावर, सर्विसेज और कमोडिटीज समेत चौदह समूहों में साढ़े छह प्रतिशत की तेजी से मंगलवार को सेंसेक्स 431.02 अंक की छलांग लगाकर 69,296.14 अंक और निफ्टी 168.30 अंक की तेजी के साथ 20,855.10 अंक पर रहा।

अमेरिका और भारत दोनों देशों में महंगाई में कमी और यील्ड में गिरावट से एफआईआई के निवेश में तेजी आने से स्थानीय स्तर पर यूटिलिटीज, पावर, तेल एवं गैस, कैपिटल गुड्स और ऊर्जा समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 357.59 अंक उछलकर 69,653.73 अंक पर और निफ्टी 82.60 अंक मजबूत होकर 20,937.70 अंक हो गया।

हुंडई, किआ का संयुक्त निर्यात 2023 में 2 मिलियन के करीब

सोल, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की शीर्ष कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर और उसकी सहयोगी कंपनी किआ 2023 में 2 मिलियन यूनिट का संयुक्त निर्यात करने के लिए तैयार हैं, जैसा कि रविवार को महामारी के बाद बाजार में सुधार के आंकड़ों से पता चला है। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट ने कोरिया ऑटोमोबाइल एंड मोबिलिटी एसोसिएशन के हवाले से कहा, हुंडई और किआ ने जनवरी-अक्टूबर की अवधि में ऑटोमोबाइल की 945,062 और 867,136 संबंधित यूनिट्स भेजीं। आंकड़ों से पता चलता है कि संयुक्त आंकड़ा 2022 में इसी अवधि से 17.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। दोनों कार निर्माताओं द्वारा 180,000 यूनिट्स की मंथली शिपमेंट को ध्यान में रखते हुए, इंडस्ट्री के अधिकारियों का अनुमान है कि 2016 के बाद पहली बार 2023 में उनकी विदेशी बिक्री 2 मिलियन यूनिट से ज्यादा होगी। हुंडई मोटर ग्रुप के एक अधिकारी ने कहा, 'दुनिया भर में पर्यावरण-अनुकूल कारों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए समूह द्वारा घरेलू उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के बाद यह वृद्धि हुई है।' आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-अक्टूबर की अवधि में निर्यात का संयुक्त मूल्य भी 43.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल के 41.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के संयुक्त शिपमेंट को पहले ही पीछे छोड़ चुका है। बेची गई कारों की औसत कीमत 24,000 डॉलर हो गई, जो 2016 में 14,000 डॉलर से 68 प्रतिशत अधिक है।

सोया रिफाइंड और पाम ऑयल में तेजी, दालें सस्ती

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के कमजोर रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड और पाम ऑयल में तेजी रही जबकि अधिकांश दाल-दलहनें सस्ती हो गई वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा। तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसम्बर वायदा सप्ताहांत पर 103 रिंगिट लुढ़ककर 3630 रिंगिट प्रति टन रह गया।

इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.93 सेंट की गिरावट के साथ 51.33 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान सोया रिफाइंड 74 रुपए और पाम ऑयल 67 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 13113 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19890 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12454 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 11355 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8333 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 9866 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

इक्विटी बाजारों के लिए व्यक्तिगत ऋण के विरुद्ध आरबीआई का उपाय है समस्याग्रस्त

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेंसियां)। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि शेयर बाजार के नजरिए से चिंता की बात यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कर्ज से प्रेरित खपत पर लगाम लगाने के लिए अधिक सीधे कदम उठा रहा है। भारत में सबप्राइम उधारकर्ताओं को ऋण देना अविश्वसनीय रूप से कुशल हो गया है, क्योंकि उधारकर्ताओं को आकर्षित करने और स्क्रीन करने, उनके ऋणों को पूल करने और क्रेडिट जोखिम लेने के लिए जमा लेने वाली संस्था खोजने के लिए नई डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'हालांकि, खुदरा ऋण, कुल अग्रिमों की दोगुनी गति से बढ़ रहा है, नियंत्रण से बाहर हो सकता है और यह उच्च बेरोजगारी और स्थिर वास्तविक मजदूरी के बीच भविष्य की परेशानी का नुस्खा बन सकता है। हालांकि, इक्विटी बाजारों के लिए, व्यक्तिगत ऋण के खिलाफ केंद्रीय बैंक का विवेकपूर्ण उपाय समस्याग्रस्त है।

भारत इस साल दुनिया का सबसे पसंदीदा उभरता बाजार है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, विदेशियों ने 2023 में अब तक अरबों डॉलर का निवेश किया है, जबकि उन्होंने अधिकांश अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से पैसा खींच लिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, 2023 और 2024 में 6 प्रतिशत से अधिक की अपेक्षित उच्च आर्थिक वृद्धि देने के मामले में भारत अन्य उभरते बाजारों से अलग खड़ा है। ऐसा उसने मजबूत डॉलर और अमेरिकी ब्याज दरों में 525 आधार अंक की वृद्धि के कारण हुई उथल-पुथल के बीच किया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि घरेलू तरलता पर केंद्रीय बैंक के कड़े नियंत्रण से रुपए को स्थिर रखने में मदद मिली है।

इसके अलावा, अगले साल जून से, भारत को जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी के वैश्विक बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किया जाएगा, एक ऐसा कदम जिससे कम समय में लगभग 24 बिलियन डॉलर आने की उम्मीद है। एक्यूइट रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री और शोध प्रमुख सुमन चौधरी ने कहा, 'पीएमआई सूचकांकों में नरमी साल की दूसरी छमाही में घरेलू आर्थिक विकास में नरमी की हमारी उम्मीद के अनुरूप है।' एक्यूइट रिसर्च को उम्मीद है कि जारी अल नीनो घटना से प्रेरित कम कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग पर इसके प्रभाव के कारण वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर घटकर 5.5 प्रतिशत रह जाएगी। उन्होंने कहा, इसके अलावा बढ़ी हुई ब्याज दरों के प्रसारण और उपभोक्ता ऋणों पर सख्ती से शहरी मांग भी धीमी हो सकती है जो अब तक मजबूत बनी हुई है। फिर भी, उच्च सरकारी व्यय और सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों द्वारा उच्च पूंजी निवेश से विकास को गति मिलेगी और एक्यूइट ने पूरे वर्ष के लिए अपने पूर्वानुमान को संशोधित कर 6.5 प्रतिशत कर दिया है।

खेल जगत

आंद्रे रसेल की वेस्टइंडीज टी20 टीम में वापसी

बारबाडोस, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच घरेलू टी-20 मैचों की सीरीज से पहले वेस्टइंडीज की टीम में आंद्र रसेल की वापसी हुयी है। रसेल आखिरी बार 2021 में संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज टीम के साथ दिखे थे। टी20 के धाकड़ बल्लेबाज ने अपने करियर में 167 के स्ट्राइक रेट से करीब 8000 रन बनाए हैं। नई टीम में उनके साथ मैथ्यू फोर्ड भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में प्रभावित किया था और हाल के घरेलू टी20 सीज़न में सफलता के शीर्ष पर रहे थे। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चोट से उबरने के बाद शेरफेन रदरफोर्ड और स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में शामिल किया गया है, जिसके कारण उन्हें भारत सीरीज से बाहर होना पड़ा। शाई होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी-20 टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जिससे उनकी वेस्टइंडीज वनडे टीम के कप्तान की भूमिका भी जुड़ जाएगी।

धोनी के लिए लीजेंड्स लीग दरवाजे खुले

सूरत, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर के कई दिग्गज क्रिकेटरों का पसंदीदा टूर्नामेंट बन गया है। गौतम गंभीर, सुरेश रैना और हरभजन सिंह से लेकर यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल, हरफनमौला जैक्स कैलिस और अन्य तक, यहां क्रिकेट के मैदान पर बेखौफ अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। कई लोगों के लिए एलएलसी एक स्वाभाविक दूसरी पारी बन गया है, जो उन लोगों के लिए एक मंच प्रदान करता है जो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट या आईपीएल से जल्दी सेवानिवृत्त हुए हैं।

हाल ही में रांची में प्रतिष्ठित क्रिकेटर एमएस धोनी के साथ बैठक के बाद, एलएलसी के सीईओ रमन रहेजा ने विश्व कप विजेता कप्तान को आईपीएल से उनकी सेवानिवृत्ति के बाद लीग में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने की उत्सुकता व्यक्त की। रमन रहेजा ने आईएएनएस के सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैं सक्रिय क्रिकेट से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा हूं। जब भी वह (धोनी) हमारे लिए खेलने को तैयार होंगे, हमारे दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से जाऊंगा और उनसे लीग में आने के लिए कहूंगा। रहेजा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे क्रिकेटर स्वयं अन्य खिलाड़ियों को लीग में ला रहे हैं। सिम्बायोसिस स्नातक ने खुलासा किया कि आरसीबी के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और मुंबई इंडियंस के दिग्गज कीरोन पोलार्ड भी एलएलसी खेलने में अपने देशवासियों के साथ शामिल होने की दौड़ में हैं।

डेल स्टेन लीग में खेलने वाले थे, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें चोट लग गई और उन्हें लीग में खेलने के लिए लाने वाले कोई और नहीं बल्कि जैक्स कैलिस थे। अब डेल स्टेन नहीं खेले रहे हैं लेकिन उन्होंने एबी डिविलियर्स से इस बारे में बात की है। तो यह क्रिकेटरों के बीच एक नेटवर्क बन गया है, शेन वॉटसन जो एलएलसी में खेलने वाले थे। उन्होंने शॉन मार्श से मुलाकात की। मैं एलएलसी में डिविलियर्स को लेकर उत्सुक हूं। केवल वह ही नहीं, यहां तक कि कीरोन पोलार्ड और ड्वेन ब्रावो भी मेरे रडार पर हैं।

खिलाड़ी मेरे सबसे बड़े राजदूत बन गए हैं, उदाहरण के लिए, न्यूजीलैंड के खिलाड़ी मार्टिन गुप्टिल जैसे नए खिलाड़ियों को लेकर आए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए भी ऐसा ही है, फिंच शामिल हुए हैं। इसलिए मैं देख रहा हूं कि यह स्वाभाविक दूसरी पारी बन रही है रहेजा ने आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा, हम न केवल डिविलियर्स, पोलार्ड बल्कि कई अन्य खिलाड़ियों से भी बातचीत कर रहे हैं।

एलएलसी के माध्यम से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शामिल होने के लिए जल्दी सेवानिवृत्ति का विकल्प चुनने वाले युवा खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या के साथ, हाल ही में समाप्त हुए सीज़न में लीग में क्रिकेटरों की औसत आयु 42 से घटकर 38 हो गई है। रहेजा का मानना है कि एलएलसी उन खिलाड़ियों के लिए पसंदीदा दूसरी पारी बन जाएगी जो क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहते हैं।

यहां एलएलसी में औसत उम्र दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। पहले सीज़न में यह 42 थी और अब 38 हो गई है। यह मेरी सबसे बड़ी जीत है और हम सक्रिय क्रिकेट प्रारूप की सराहना करना चाहते हैं न कि उनसे प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। मैं यही उम्मीद करता हूं।खिलाड़ियों के लिए दूसरी पारी के रूप में पहली पसंद बन गए।

एलएलसी 2023 सीज़न के समापन में, मणिपाल टाइगर्स शनिवार को सूरत के लालाभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में फाइनल में अर्बनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराकर विजयी हुआ। जैसे ही रहेजा ने सीज़न पर विचार किया, उन्होंने कहा कि हालांकि प्रत्येक अगला सीज़न पिछले सीज़न से बेहतर है, पहला सीज़न उनके दिल के करीब है क्योंकि इसने एलएलसी के सपने को वास्तविकता में बदल दिया।

आरसीबी डब्ल्यूपीएल नीलामी में सभी मानकों पर खरी उतरी : स्मृति मंधाना

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसा कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 प्लेयर नीलामी में अपने सुविचारित अधिग्रहण के साथ सही संतुलन पाया, कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि नीलामी की योजना इसके बाद शुरू हुई। केवल पहला सीज़न और वे उन अनुभवी गेंदबाजों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के इच्छुक थे जिन्होंने भारतीय परिस्थितियों में गेंदबाजी की है। आरसीबी ने न केवल गेंद से अच्छे खिलाड़ी छीने, बल्कि बल्ले से भी अच्छे खिलाड़ी छीने।

शनिवार को आयोजित खिलाड़ियों की नीलामी में, आरसीबी ने 2016 महिला एशिया कप विजेता एस मेघना (30 लाख रुपये) को टीम में शामिल करने से पहले बेंगलुरु से एक होनहार घरेलू ऑलराउंडर शुभा सतीश (10 लाख रुपये) को चुना। मजबूत 18 सदस्यीय टीम को पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्पिन ऑलराउंडर जॉर्जिया वेयरहैम (40 लाख रुपये) और सोफी मोलिनक्स (30 लाख रुपये) फ्रेंचाइजी के अन्य दो विदेशी अधिग्रहण थे।

मंधाना ने कहा, टी20 में गेंदबाजी निश्चित रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और एक अच्छी गेंदबाजी करने वाली टीम प्रतिस्पर्धा जीतती है और इस साल हम अपनी स्पिन इकाई को मजबूत करना चाह रहे थे और विदेशी तेज गेंदबाजों की भी तलाश कर रहे थे जो रेणुका (सिंह) का अच्छा साथ दे सकें। अब हमारे पास केट क्रॉस है और मुझे लगता है वह पावर प्ले में रेणुका की अच्छी तरह से पूरक होंगी, दोनों एक-दूसरे की दिशा में स्विंग कर रही हैं। और मोलिनक्स और वेयरहैम के साथ, गेंदबाजी बहुत अनुभवी दिखती है। इसके अलावा हमारे पास श्रेयंका (पाटिल) और (सोफी) डिवाइन और (एलिस) पेरी जैसी खिलाड़ी भी हैं। रिक्त स्थानों को भरने और आगामी सीज़न के लिए एक साहसिक टीम बनाने के लिए आरसीबी की सात बोलियां कुशल बैकरूम स्टाफ द्वारा व्यापक योजना और रणनीति का परिणाम थीं - जिसमें मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स, सहायक मुख्य कोच और स्काउटिंग के प्रमुख मालोलन रंगराजन शामिल हैं - इनके साथ मंधाना से महत्वपूर्ण सामरिक इनपुट भी लिए गए।

नीलामी और खिलाड़ियों के चयन के बारे में बात करते हुए, आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख, राजेश वी मेनन ने कहा, टीम बनाने का कोई शॉर्टकट नहीं है। आप हर सीज़न में ईंट दर ईंट नींव बनाते हैं। हमने पिछले साल से बहुत कुछ सीखा है। और हमारा मुख्य उद्देश्य उन सीखों को नीलामी में ले जाना, उन कमियों को दूर करना और एक ऐसी टीम बनाना था जो हमें किसी भी परिस्थिति में खेलने के लिए उत्कृष्ट संतुलन और लचीलापन प्रदान करे।

नीलामी के पीछे आरसीबी के दृष्टिकोण और रणनीति के बारे में बताते हुए, सहायक मुख्य कोच और स्काउटिंग के प्रमुख, मैलोलन ने कहा, आरसीबी ने जो चीजें वास्तव में अच्छी की हैं उनमें से एक है स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, रेणुका सिंह, कनिका आहूजा के रूप में मजबूत भारतीय घरेलू टीम का होना। और श्रेयंका पाटिल, जो संभावित रूप से प्लेइंग इलेवन में आपके शीर्ष पांच शुरुआती खिलाड़ी हैं, हमारे पास एक बहुत अच्छा भारतीय कोर है। अब, आप इसमें सोफी डिवाइन, एलिसे पेरी और हीदर नाइट को भी जोड़ लें, तो आपके पास आधी पहेली पहले ही सुलझ चुकी है। हमने अपनी नीलामी के लिए एक बहुत ही केंद्रित दृष्टिकोण रखा था कि हम उपलब्ध विकल्पों के साथ इस टीम को कैसे बेहतर बना सकते हैं। हमारा ध्यान एक अच्छी तरह से संतुलित गेंदबाजी इकाई प्राप्त करने पर था जो हमारे सामने आने वाली किसी भी परिस्थिति में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

डब्ल्यूपीएल 2024 के लिए आरसीबी टीम

नई खरीदारी : जॉर्जिया वेयरहैम (40 लाख), केट क्रॉस (30 लाख), एकता बिष्ट (60 लाख), शुभा सतीश (10 लाख), एस मेघना (30 लाख), सिमरन बहादुर (30 लाख) , सोफी मोलिनक्स (30 लाख)

रिटेन किए गए खिलाड़ी: स्मृति मंधाना, आशा शोभना, दिशा कसाट, एलिसे पेरी, हीथर नाइट, इंद्राणी रॉय, कनिका आहूजा, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, सोफी डिवाइन।

अबरार अहमद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, साजिद खान को बैकअप के तौर पर बुलाया गया

पर्थ, 10 दिसंबर (एजेंसियां) पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद को 14 दिसंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि ऑफ स्पिनर साजिद खान को टीम प्रबंधन के अनुरोध पर बैकअप के रूप में बुलाया गया है।

कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ प्रथम श्रेणी मैच के दौरान अबरार ने अपने दाहिने पैर के घुटने के आसपास गंभीर दर्द के कारण खेल का मैदान छोड़ दिया। उन्होंने 27 ओवर फेंके और 80 रन दिए और मार्कस हैरिस को आउट किया।

मेडिकल टीम द्वारा एक मूल्यांकन और एक अंतिम निदान किया गया - एक एमआरआई स्कैन को उचित ठहराते हुए, जो उसी दिन किया गया था। पीसीबी ने कहा कि अबरार को सोमवार को पर्थ में एक टेस्ट से गुजरना होगा, जिसके बाद टीम के मेडिकल स्टाफ की देखरेख में रूढ़िवादी पुनर्वास, उनके ठीक होने की राह जारी रखेगा।

उन्हें अभी तक टेस्ट श्रृंखला से बाहर नहीं किया गया है, लेकिन इस और भविष्य के दौरों के लिए खिलाड़ी की भलाई को ध्यान में रखते हुए, दूसरे टेस्ट से पहले आगे के आकलन से इस दौरे पर उनकी उपलब्धता का पता लगाया जाएगा। पीसीबी ने कहा कि साजिद अपनी यात्रा व्यवस्था को अंतिम रूप देने के बाद पर्थ की यात्रा करेंगे।

25 वर्षीय अबरार ने पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से छह टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 38 विकेट लिए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान के लिए टेस्ट मैचों में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर हैं। फिलहाल, पाकिस्तान की मौजूदा टेस्ट टीम में बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली के रूप में एक विशेषज्ञ स्पिनर है, जिसने अब तक 15 मैचों में 47 विकेट लिए हैं।

शूट-ऑफ में यूएसए को हराकर नौवें स्थान पर रही भारतीय टीम

सैंटियागो, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर महिलाओं ने एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के एक रोमांचक मैच में लचीलापन दिखाया और रोमांचक पेनल्टी शूटआउट के बाद सडन डेथ में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। इससे पहले निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबरी पर था। विशेष रूप से इस प्रतियोगिता में भारत ने जीत से टूर्नामेंट में 9वां स्थान हासिल किया। भारत ने शुरुआत में दबदबा बनाए रखा। अमेरिका पर लगातार दबाव डाला और कई बार उनकी रक्षा में सेंध लगाई। पहले पेनल्टी कॉर्नर पर मंजू चोर्सिया (11) के सटीक गोल ने भारत को बढ़त दिला दी।

इस बढ़त से उत्साहित भारतीय टीम ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और अमेरिका को लगातार दबाव में रखा। हालांकि, क्वार्टर के अंतिम मिनट में यूएसए फिर पेनल्टी कॉर्नर जीतने में कामयाब रहा, लेकिन इसका फायदा उठाने में असफल रहा क्योंकि शुरुआती क्वार्टर का समापन भारत के 1-0 से आगे होने के साथ हुआ।

दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त बरकरार रखने के इरादे से भारत ने लगातार यूएसए के सर्कल में प्रवेश करते हुए गेंद पर कब्ज़ा करने पर ध्यान केंद्रित किया। उनके प्रयासों के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दृढ़ता से बचाव किया और खुद जवाबी हमले शुरू करते हुए अंतर को बढ़ाने के भारत के प्रयासों को विफल कर दिया। यह रणनीति तब प्रभावी साबित हुई जब कीर्स्टन थॉमासी (27) के सटीक प्रहार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के लचीलेपन को प्रदर्शित करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। दूसरा क्वार्टर बिना किसी और गोल के समाप्त हुआ और दोनों टीमें 1-1 के स्कोर के साथ हाफटाइम तक आगे बढ़ीं। अपने लाभ को पुन: प्राप्त करने के लिए उत्सुक, भारत ने तीसरे क्वार्टर में हमलों की झड़ी लगा दी और लगातार संयुक्त राज्य अमेरिका की रक्षा पर दबाव डाला। पेनल्टी कॉर्नर सहित कई बार चूकने के बावजूद, भारत अपने अवसरों को गोल में नहीं बदल सका। तीसरा क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ, जिससे स्कोर 1-1 पर बराबरी पर छूटा। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिला, फिर भी उसे गोल में बदलने के उनके प्रयास असफल रहे। हैरानी की बात यह है कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका था जिसने खेल के अंत में अवसर का लाभ उठाया, क्योंकि कीर्स्टन थॉमासी (53%) ने अपना दूसरा गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। जैसे-जैसे समय बीतता गया और स्कोर उनके विरुद्ध होता गया, भारत ने अपने आक्रामक प्रयास बढ़ा दिए। उनके दृढ़ संकल्प का फल तब मिला जब सुनिलिता टोप्पो (57) ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार शॉट लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।

सार संक्षेप

आइजोल ने शिलांग को 3-0 से रौंदा

शिलांग। आइजोल एफसी ने शिलांग लाजोंग एफसी द्वारा की गई गलतियों का फायदा उठाते हुए रविवार को शिलांग के पोलो ग्राउंड में 3-0 से शानदार जीत दर्ज की, जिससे आई-लीग 2023-24 में शिलांग की जीत का सिलसिला समाप्त हो गया। आइजोल एफसी के लिए लालरिनजुआला लालबकनिया, आर. रामदीनथारा और जो ज़ोहेरलियाना ने एक-एक गोल किया। आइजोल एफसी पिछले कुछ समय से फॉर्म में चल रही टीम है और उन्होंने लाजोंग की चुनौती को आसानी से दरकिनार करते हुए रविवार को अपनी जीत की लय का पूरा फायदा उठाया। हार का मतलब यह भी है कि मैच में 70 प्रतिशत से अधिक कब्जा होने के बावजूद लाजोंग का नाबाद क्रम अचानक समाप्त हो गया। शिलांग लाजोंग और आइज़ॉल एफसी आई-लीग खिताब के लिए लड़ रहे थे। यह दोनों पक्षों के लिए एक महत्वपूर्ण मैच था। हालांकि, यह हार लाजोंग की खिताब की उम्मीदों के लिए भी झटका होगी। लाजोंग इस समय नौ मैचों में 16 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उन्होंने चार मैच जीते हैं और चार बार ड्रॉ खेला है। दूसरी ओर ऑइजॉल को बाहर के मैच में पूरे अंक हासिल करने के बाद भारी बढ़ावा मिलेगा। वे नौ मैचों में पांच जीत, दो ड्रॉ और इतनी ही हार सहित 17 अंकों के साथ मोहम्मडन स्पोर्टिंग के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

मैक्सवेल को ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह मिलनी चाहिए : डग बोलिंगर

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डग बोलिंगर ने ग्लेन मैक्सवेल को ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल करने की वकालत करते हुए कहा है कि इस बड़े हिट ऑलराउंडर को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए मौका क्यों नहीं दिया गया। मैक्सवेल ने अपने सात टेस्ट मैचों में से आखिरी टेस्ट 2017 में खेला था, लेकिन उनके लिए लंबे प्रारूप में वापसी की मांग बढ़ गई है। खासकर हाल ही में सफेद गेंद की फॉर्म शानदार होने के कारण। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के विजयी पुरुष वनडे विश्व कप अभियान में दो शतक लगाए। नीदरलैंड के खिलाफ 40 गेंदों में शतक और अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 201 रनों की आश्चर्यजनक पारी। साथ ही गुवाहाटी में भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में 47 गेंदों में शतक ने क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। एसईएन रेडियो पर बोलिंगर ने कहा, मैंने कुछ लोगों से यहां तक कहा कि जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, वे टेस्ट टीम में मैक्सी को क्यों नहीं चुनेंगे? वह पहले भी टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं। ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में यह दिलचस्प होगा। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के अंत में टेस्ट से संन्यास लेने की घोषणा के साथ, ऑस्ट्रेलिया जल्द ही एक नए सलामी बल्लेबाज की तलाश में जुट जाएगा।

अजान अवैस की शतकीय पारी से भारत आठ विकेट से हारा

दुबई 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अजान अवैस की 105 रनों की नाबाद शतकीय और कप्तान साद बेग 68 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को अंडर 19 एशिया कप के ग्रुप ए के मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हरा दिया है। 260 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज शमील हुसैन आठ रन को पांचवें ओवर में अभिषेक ने आदर्श के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजान अवैस ने शाहजेब खान के साथ दूसरे विकेट के लिये 110 रनों की साझेदारी की। शाहजेब 63 रन 28वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मुशीर खान को कैच थमा बैठे। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे साद बेग ने अवैस के साथ मिलकर मैच जीताऊ साझेदारी कर पाकिस्तान को 47 ओवरों में दो विकेट के नुकसान पर 263 बनाकर जीत दिला दी। भारत की ओर से एक मात्र सफल गेंदबाज मुरुगन अभिषेक को दो विकेट मिले। इसके अलावा कोई भी गेंदबाज पाकिस्तान के बल्लेबाजों को आउट नहीं कर सका। भारत की ओर से मैच में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

इससे पहले सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह (62) और कप्तान उदय सहारन (60) के बीच तीसरे विकेट के लिये 93 रन की साझीदारी की मदद से भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 259 रन बनाया था। आईसीसी अकादमी स्टेडियम पर टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही जब उनके दो बल्लेबाज मात्र 46 रन पर पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में आदर्श और सहारन ने संयम से खेलते हुये टीम को मुकाबले में वापस पहुंचाया। आदर्श पारी के 32वें ओवर में विकेट के पीछे लपके गये जबकि सहारन को उबेद शाह ने अपना शिकार बनाया। बाद के ओवरों में सचिन दास (58) ने दो चौके और तीन छक्कों की मदद से स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया जिसके चलते भारत 250 रन के आंकड़े के पार पहुंच सका।

पिच में कोई खराबी नहीं थी : चार्ली डीन

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां) दूसरे टी20 मैच में भारत पर इंग्लैंड की चार विकेट की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार लेने के बाद ऑफ स्पिनर चार्ली डीन ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम की पिच में कोई खराबी नहीं थी। चार्ली पेट में खराबी के कारण टी20 सीरीज के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाईं लेकिन शनिवार के मैच के लिए टीम में वापसी पर उन्होंने नई गेंद से गेंदबाजी की शुरुआत की। चार्ली ने 2-16 का बेहतरीन स्पैल डाला और भारत की सलामी बल्लेबाजों शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना को आउट कर मेहमान टीम के लिए मेजबान टीम को सिर्फ 80 रन पर आउट करने का आधार तैयार किया, जिसमें इंग्लैंड की सभी गेंदबाजों ने विकेट लिए। आज खेल में काफी विकेट गिरे। मुझे खुद पिच को लेकर कोई शिकायत नहीं होगी। निश्चित रूप से मुझे शिकायत नहीं होगी, मैं एक गेंदबाज हूं, मुझे बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला। वहाँ लेकिन यह अच्छा है। हमारे बहुत से लोग कह रहे थे कि यह थोड़ा फिसल रहा है लेकिन पिच में कोई वास्तविक शैतान नहीं है।

मैच खत्म होने के बाद चार्ली ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ क्षेत्रों में सिर्फ दबाव और कमजोरियां हैं। हमने अपनी योजनाओं को वास्तव में अच्छी तरह से क्रियान्वित किया और भारत ने भी, सच कहें तो उन्होंने वास्तव में आक्रामक क्षेत्र निर्धारित किए। जिस तरह से खेल को निर्देशित किया गया था, उसके कारण उन्हें ऐसा करना पड़ा। जवाब में, तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने फिर से इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों डैनी व्याट और सोफिया डंकले को जल्दी आउट कर झटका दिया। नेट साइवर-ब्रंट और ऐलिस कैप्सी ने कुल 41 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने में योगदान दिया, जिससे इंग्लैंड 11.2 ओवर में घर पहुंच गया, हालांकि इस दौरान उन्होंने छह विकेट खो दिए।

मैं नई और पुरानी दोनों गेंदों से अच्छी गेंदबाजी करना चाहती हूं : काशवी गौतम

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) 2024 डब्ल्यूपीएल प्लेयर नीलामी में तेजी से बदलते घटनाक्रम में, तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर काशवी गौतम सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी बन गईं, जब गुजरात जाइंट्स ने उनकी सेवाएं 2 करोड़ रुपये में हासिल कीं।

काशवी ने अपनी राज्य टीम चंडीगढ़ के लिए सात मैचों में 4.14 की इकॉनमी रेट से 12 विकेट लिए। वह इंग्लैंड ए के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में भारत ए के लिए भी खेली थीं और भारत ए टीम की सदस्य थीं, जिन्होंने इस साल जून में हांगकांग में एसीसी इमर्जिंग टूर्नामेंट जीता था। मैं गुजरात जायंट्स का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। इस समय यह काफी अविश्वसनीय है। मैं अभ्यास के बाद टीम बस में यात्रा कर रही थी और मुझे टीम के एक साथी ने नीलामी के बारे में सूचित किया। रकम बढ़ती गई और मेरा चयन हो गया।

काश्वी ने जियोसिनेमा से कहा, यह मेरे लिए अपना कौशल दिखाने का बहुत बड़ा अवसर है। हमने हमेशा मिताली जी का आदर किया है। यह मेरे लिए उनके साथ बातचीत करने और उनसे सुझाव लेने का एक शानदार अवसर है। खबर मिलने के बाद मैंने अपने कोच (नागेश गुप्ता) को फोन किया। काशवी इस साल की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सीज़न का हिस्सा नहीं थीं और उनका मानना है कि आखिरी कुछ ओवरों में लॉन्ग हैंडल खेलना टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में महत्वपूर्ण होगा। मुझे लगता है कि टीमों को निचले मध्यक्रम की बल्लेबाजी में अधिक प्रभावशाली होने की जरूरत है।

उन्हें आखिरी 3-4 ओवरों में तेजी लाने की जरूरत है, इसलिए मैंने उसी के अनुसार अभ्यास किया है। मैंने रेंज हिटिंग पर काम किया है। मुझे नई और पुरानी दोनों गेंदों से अच्छी गेंदबाजी करने में सक्षम होने के लिए

अपनी गेंदबाजी में लचीला होना होगा। तो, काशवी की इच्छा सूची में क्या है? मुझे लगता है कि एलिसा हीली या हेली मैथ्यूज जैसी किसी अन्य विदेशी बल्लेबाज को बाहर करना होगा। मुझे गुजरात जाइंट्स के लिए अपना 100 प्रतिशत देना होगा। अगर मैं वहां अच्छा प्रदर्शन करती हूं, तो मुझे लगता है कि मुझे वहां से (सीनियर भारतीय टीम के लिए) चुना जा सकता है।

फिलहाल यह अविश्वसनीय लगता है। मुझे नहीं पता था कि खबर मिलने के बाद मैं कैसे प्रतिक्रिया दूं और सोच रही थी कि क्या हो रहा है। मैं जो कुछ भी हूं उसका सारा श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है। जब आप शुरुआत करते हैं, तो कुछ संदेह मन में आते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ना शुरू करते हैं, आपको अपनी कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हो जाता है। अब मेरे लिए तस्वीर साफ है। मुझे पता है कि मैं आगे बढ़ना चाहती हूं और खेलना चाहती हूं। भारत के लिए और वहां अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

काशवी के पिता सुदेश शर्मा चाहते हैं कि वह डब्ल्यूपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन करें। काशवी ने इसके लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है। पिछला सीज़न उसके लिए अच्छा नहीं गया था, लेकिन इस बार उसने वास्तव में बहुत मेहनत की है और उम्मीद है कि वह ऐसा करेगी जो गुजरात टाइटंस के लिए अच्छा है। काशवी की मां ने कहा कि उनकी बेटी की प्रगति उत्साहवर्धक है और उन्हें उम्मीद है कि वह भारत के लिए खेलेगी। उसने 13 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था और आज आप जो देखते हैं वह उसकी कड़ी मेहनत का परिणाम है। हमने हमेशा उनकी मेहनत पर भरोसा किया है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे। वह एक बहुत अच्छी छात्रा भी है और हमेशा 90 से ऊपर अंक प्राप्त करती है। वह खालसा कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा है और अपना समय बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित करती है। आप उसमें जो आक्रामकता देखते हैं वह केवल खेल के मैदान तक ही सीमित है। घर पर, वह बहुत शांत स्वभाव की है। वह आरक्षित स्वभाव की है। हमारा सपना उसे एक दिन भारत के लिए खेलते हुए देखना है।